जनवरी २०२० / पृष्ठ ५२ / मूल्य ₹१०

लोकराज्य

किसानों को अनमोल भरोसा

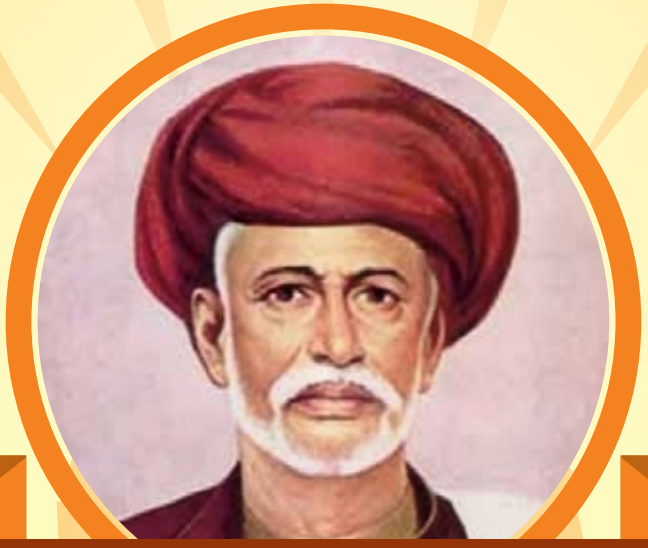

महात्मा जोतिराव फुले किसान कर्ज मुक्ति योजना

किसानों को चिंता मुक्त करने वाली : सरल, आसान और पारदर्शक कर्ज मुक्ति योजना

किसानों को अनमोल भरोसा

महाराष्ट्र शासन

महात्मा जोतिराव फुले
किसान कर्ज मुक्ति योजना

२ लाख तक का कर्ज लिए हुए किसानों का फसल कर्ज माफ़

- अर्ज करने की आवश्यकता नहीं
- बकाया भरने की शर्त नहीं

किसानों को मिलने वाला लाभ

दि. १ अप्रैल २००५ से ३१ मार्च २०१६ के दौरान लिया गया कर्ज तथा ३० सितंबर २०१६ को तक बकाया अल्प अवधि का फसल कर्ज और अल्प अवधि का फसल पुनगर्ठित कर्ज माफ़ होगा !

प्रति किसान २ लाख रुपये की कर्ज मुक्ति की रकम राज्य सरकार किसानों के कर्ज खाते में सीधे भरेगी !

राष्ट्रीयकृत बैंक, व्यावसायिक बैंक, जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक, ग्रामीण बैंक, विविध कार्यकारी सहकारी संस्थाओं द्वारा लिया गया किसानों का फसल कर्ज माफ़ !

जमीन धारण क्षेत्र नहीं पूछते हुए दिया जाएगा का कर्ज मुक्ति का लाभ !

किसान अपने आधार क्रमांक को बैंक के कर्ज खाते से संलग्न कर उसको प्रमाणित करा लें।

किसानों को चिंता मुक्त करने वाली, सरल, आसान और पारदर्शक कर्ज मुक्ति योजना

श्री. उद्धव ठाकरे
मा. मुख्यमंत्री

श्री. अजित पवार
मा. उपमुख्यमंत्री

श्री. बाळासाहेब थोरात
मा. मंत्री

सहकार विभाग, महाराष्ट्र शासन
सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र शासन

अंतरंग

कर्जमुक्ति ६

विश्वास प्रस्ताव के दौरान विधानसभा में किसानों के साथ सरकार ढृढता के साथ खड़ी रहेगी यह कहने वाले मुख्यमंत्री ने अपने पहले विधानसभा अधिवेशन में ही दो लाख तक के फसल कर्ज मुक्ति की घोषणा कर, यह सरकार किसानों के हितों के निर्णय लेने वाली है स्पष्ट कर दिया।

घबराएं नहीं, निश्चिंत रहें २६

राज्य के विविध मुद्दों पर विधान मंडल के दोनों सभागृहों में आत्मविश्वास और सकारात्मकता के साथ राज्य सरकार की तरफ से उत्तर दिए गए। लोकाभिमुख सरकार देते हुए प्रगति के नए शिखर हांसिल करने वाला राज्य का निर्माण करने की मंसा भी मुख्यमंत्री ने व्यक्त की।

कर्ज मुक्ति	६
हमारे नए मंत्री	९
घबराएं नहीं, निश्चिंत रहें	२६
अद्वितीय	३४
एक नजर	३६–३७
मंत्रिमंडल में तय हुआ...	३८
महाराष्ट्र का सम्मान : शिवनेरी	४०
सुलभ और शीघ्र	४४
सही उद्देश्य और प्रयत्नों का साथ	४६
ऐसी हैं प्रतियोगिता परीक्षायें	४८
तितलियों का नामकरण	५०

अद्वितीय ३४

शिवसेना प्रमुख बाळासाहब ठाकरे महाराष्ट्र के एक एक महान बहुआयामी व्यक्तिव थे। देश की अनेक समस्याओं पर उनकी खरी -खरी भूमिका से न सिर्फ महाराष्ट्र अपितु देश के अनेक नेताओं की धड़कने बढा देने वाली होती थी। शिव सैनिक तथा अनेक लोगों के लिए वे मोटिवेटर थे।

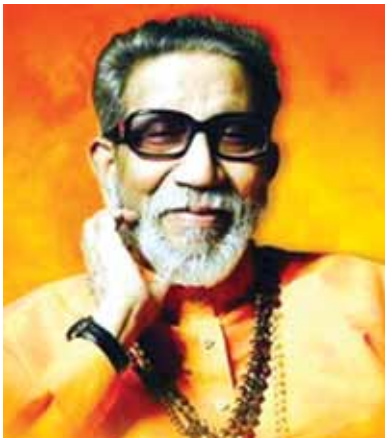

महाराष्ट्र का सम्मान: शिवनेरी ४०

गड किलों का भ्रमण, मराठी माणूस के लिए केवल छुट्टियां बिताने का या उसे पर्यटन के रूप में देखने का नहीं होता है। गड पर जाना यह उनके लिए अत्यंत अभिमान की बात होती है। यह शिव छत्रपति को उनका वंदन होता है।

वर्ष २ । अंक ७ । जनवरी २०२०

सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय,
महाराष्ट्र सरकार

लोकराज्य

संपादन

मुख्य संपादक	ब्रिजेश सिंह
संपादक मंडळ	अजय अंबेकर
	सुरेश वांदिले
संपादक	अनिल आलूरकर
सहायक संपादक	मनिषा पिंगळे
उप संपादक	प्रवीण कुलकर्णी
	गजानन पाटिल
	राजाराम देवकर

वितरण व डिजाईन

वितरण	मंगेश वरकड
	अश्विनी पुजारी
सहायक	भारती वाघ
मुखपृष्ठ सज्जा	सीमा रनाळकर
	सुशिम कांबळे
मुद्रक	मे. मुद्रण प्रिंट एन पैक प्राइवेट लिमिटेड प्लाट नं. सी - २६० एमआईडीसी, टीटीसी इंडस्ट्रीयल एरिया, सविता केमिकल रोड, बिहाइंड गोकुल होटल, पवने, नवी मुंबई - ४००७०३

टीम मुद्रण

संपादक	संजय राय
सहायक संपादक	संजय गुरव
साज सज्जा	जयश्री भागवत

पता सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय,
महाराष्ट्र सरकार न्यू प्रशासन भवन, १७ वीं मंजिल, मंत्रालय के सामने, हुतात्मा राजगुरु चौक, मुंबई - ४०००३२
Email : lokrajya.dgipr@maharashtra.gov.in

वितरण - क्रेता
क्रेता और वाद-विवाद निवारण - ९३७२२३०३२०
(सुबह १०.३० से ५.३० कार्यालयीन कामकाज दिवस)

ई - लोकराज्य http://dgipr.maharashtra.gov.in
Follow us on www.twitter.com/MahaDGIPR
Like us on www.facebook.com/dgipr
Subscribe us on YouTube/ MaharashtraDGIPR
Visit us on www.mahanews.gov.in Blog/maharashtradgipr
कृपया सूचना एंव जनसंनपर्क महानिदेशालय की वेवसाईट http://dgipr.maharashtra.gov.in देखें.
महाराष्ट्र सरकार की एक निर्मिति

वाह ! सुंदर

लोकराज्य को दुर्लभ अंक देख मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे
उत्स्फूर्त होकर बोले 'वाह ! सुंदर'

पिछले ७१ सालों से लोकराज्य महाराष्ट्र की जनता पर अपना प्रभाव बनाये हुए है। लोकराज्य के समय -समय पर प्रकाशित हुए अनेक विशेषांक केवल संग्रह तक ही सीमित नहीं हैं । उनकी उपयोगिता 'संदर्भ' ग्रन्थ के रूप में हो रही है। लोकराज्य के इन अंकों की मांग लोगों द्वारा समय-समय पर की जाती रही है। ये अंक लोगों को देखने को मिले इसके लिए नागपुर में हुए विधानसभा के शीतकालीन अधिवेशन के दौरान विधान भवन परिसर में लोकराज्य के दुर्लभ अंकों की प्रदर्शनी लगायी गयी। इस प्रदर्शनी को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी देखने आये। उन्होंने वंहा कुछ अंकों को सरसरी नजऱों से देखा भी और इनको देख ख़ुशी जतायी। सूचना एवं जनसम्पर्क महानिदेशालय द्वारा लगायी गयी इस प्रदर्शनी को उन्होंने सराहा और इसको अनूठा प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि लोकराज्य के ये अंक संग्रह करने योग्य हैं साथ ही साथ नयी पीढी को इनका अवलोकन करना चाहिए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय राऊत भी उपस्थित थे।

लोकराज्य के दुर्लभ अंकों का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, साथ में सांसद संजय राऊत।

स्थापना लोक -राज्य की

जयंत पाटिल
मा. मंत्री

'लोकराज्य' के माध्यम से महाराष्ट्र की तमाम जनता को नए वर्ष की शुभेच्छा देते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। 'महाविकास आघाडी के रूप में महाराष्ट्र में सही मायनों में 'लोक राज्य' की स्थापना हुई है। महाराष्ट्र अब एक खुली हवा में सांस ले रहा है। प्रगति और विकास की नयी आशा और आकांक्षा का संचार लोगों में होने लगा है। जनता की इन अपेक्षाओं को पूर्ण करने के लिए महाविकास आघाडी की सरकार पूरी मेहनत करने को तैयार हो गयी है।

पिछले कुछ सालों में राज्य के किसानों को प्राकृतिक व अन्य संकटों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से उनमें निराशा का भाव बढ़ गया है। खेती की लागत बढ़ गयी, जबकि उत्पादन में कमी आने की वजह से वे बदहवास से हो गए हैं। आज भी कृषि ही हमारी अर्थ व्यवस्था का आधार है, ऐसे में किसानों में फैली यह बदहवासी ठीक नहीं है। खेत में जब हल चलता है तभी उसमें जान आती है, हँसते -खेलते हमें नयी संजीवनी देने में उसकी भूमिका होती है। और इसीलिए खेत में हल चलाने वाले किसान को बल देने, उसको सामर्थ्य देने, उसको आत्मशक्ति देना, महाविकास आघाडी का पहला कर्तव्य है और इस बात को ध्यान में रखकर ही हम पहले दिन से ही इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में हमने आर्थिक संकट से घिरे किसानों को भरपूर सहायता देने का निर्णय किया। इस निर्णय के आधार पर ही हमने एक महीने के अंदर ही राज्य के किसानों का २ लाख रुपये तक का कर्ज माफ़ करने के लिए 'महात्मा जोतिराव फुले कर्जमाफी योजना' अमल में लायी। यह योजना क्लिष्ट, अड़चन वाली नहीं बल्कि सरल, सुगम तथा आसान रहेगी, इस बात का हमने पूरा ध्यान रखा है। इस योजना में पात्र किसानों को बहुत से कागज पत्रों के चक्कर में नहीं पड़ते हुए लाभ मिलेगा। प्रायोगिक स्तर पर हम १० रुपये में पौष्टिक भोजन की 'शिव भोजन थाळी' भी शीघ्र ही शुरु करने जा रहे हैं। इस प्रयोग की रिपोर्ट लेकर हम आने वाले समय में सम्पूर्ण महाराष्ट्र में इस योजना को लागू करने वाले हैं। सामाजिक हितों व जनता की रोजमर्रा की जिंदगी की गुणवत्ता व उसका स्तर सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का निर्माण तथा उनको अत्यंत प्रभावी तरीके से लागू करने पर हम ध्यान केंद्रित करने वाले हैं।

महाराष्ट्र देश की मुकट की मणि माना जाता है और इसका कारण यह है कि यह प्रदेश संपन्न और समृद्ध है। अनेक क्षेत्रों में महाराष्ट्र अग्रणी है। छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रपति शाहू महाराज, महात्मा फुले, भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जैसी महान विभूतियों की विरासत इस प्रदेश को मिली है। सामाजिक दृष्टि से एकरूपता, आर्थिक दृष्टि से सभी वर्गों को न्याय देने वाला, शैक्षणिक दृष्टि से नए अवसरों को युवाओं तक पंहुचाने वाला, औद्योगिक दृष्टि से रोजगार और स्वयंरोजगार के विपुल अवसर निर्माण करने वाला नया महाराष्ट्र हमें बनाना है। महाविकास आघाडी के रूप में इसकी शुरुवात हो गयी है।

प्रगति और विकास के मार्ग पर आयी अड़चनों को दूर कर इस प्रक्रिया को गतिमान और पारदर्शक बनाने पर हम ज्यादा से ज्यादा बल देंगे। राज्य के हर नागरिक को समान अवसर, समान न्याय मिलना ही चाहिए। उनके प्रकृति और संविधान में प्रदत मूलभूत स्वतंत्रता के अधिकार कायम रहने ही चाहिए, इसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगें। यह सब करने के लिए जनता का साथ भी उतना ही जरूरी और महत्वपूर्ण है। राज्य के पास उपलब्ध साधन -सामग्री का कड़ाई के साथ उपयोग और प्रबंधन करना होगा। ऐसी परिस्थितियों में कुछ कठोर या कड़वे निर्णय भी लेने पड़ते हैं। इस प्रकार के निर्णय अंततः राज्य और जनता के हित और उनके लाभ के लिए ही होते हैं, यदि इस बात को ध्यान में ले लिया गया तो परस्पर सहयोग से कोई भी उद्देश्य पूरा करने में परेशानी नहीं होती है। नए साल पर आइये हम सभी मिलकर अपने महाराष्ट्र को नयी ऊंचाई पर ले जाने के लिए वचनबद्ध होएं।

लोकराज्य का यह अंक आपको पसंद आएगा इसी आशा के साथ एक बार फिर से नए साल की आप सभी को शुभेच्छा।

जयंत पाटिल
(अतिथी संपादक)

किसानों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, मंत्री जयंत पाटिल, मंत्री एकनाथ शिंदे आदि ।

कर्ज मुक्ति

प्रदेश में १ करोड़ ३५ लाख किसान हैं। इसमें अधिकाँश किसान खेती पर ही निर्भर हैं लिहाजा उन्हें खेती के लिए जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक या किसी अन्य व्यावसायिक बैंक से कर्ज लेना ही पड़ता है। २०१५ से लेकर २०१८-१९ के दौरान राज्य के कई इलाकों में अकाल की परिस्थिति निर्माण हुई थी। लिहाजा बड़े पैमाने पर फसलों की जो पैसेवारी आंकी गयी थी वह ५० % से भी कम थी। अकाल के साथ साथ प्रदेश के अनेक हिस्सों में आयी बेमौसम अतिवृष्टि से भी राज्य का किसान बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ। इन पीड़ित किसानों को सरकार की तरफ से तत्काल मदद मिलनी चाहिए मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे ने यह तय किया। किसानों के खेतों पर जाकर फसलों के नुकसान का जायजा भी मुख्यमंत्री ने लिया।

किसानों के आंसू पोंछकर उनकी बढी हुई चिंताओं को दूर करने को सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता देगी यह बात श्री ठाकरे ने शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद स्पष्ट तौर पर कह दी थी। सदन में विश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान भी मुख्यमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया था कि किसानों का सर्वांगीण विकास ही सरकार का ध्येय है। उन्होंने इस बात को भी कहा था कि कर्ज मुक्ति की समस्याओं से किसानों को छुड़ाया ही जाएगा यह सिर्फ एक पहलू है, लेकिन किस तरह में खेती और किसान का विकास होगा वह चिंता मुक्त बनेगा इस बारे अनेक योजनाएं लायी जाएंगी। फसल बीमा के मामले तेजी से निपटाते समय किसी भी किसान पर अन्याय नहीं हो ,इस बात का ध्यान रखने के लिए उन्होंने सम्बंधित मशीनरी या विभागों को निर्देश दिए हैं।

आश्वासन पूर्ती

नागपुर में हुए विधानसभा के शीतकालीन अधिवेशन में कर्ज मुक्ति की घोषणा कर मुख्यमंत्री श्री ठाकरे ने 'यह सरकार किसानों

प्रदेश के अनेक हिस्सों में आयी बेमौसम अतिवृष्टि के बाद किसानों के खेतों पर जाकर उनके आंसू पोंछने वाले मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे ने कहा था किसान केवल कर्ज मुक्त नहीं अपितु चिंता मुक्त होना चाहिए।विश्वास प्रस्ताव का सामना करते समय सरकार किसानों के पीछे मजबूती से खड़ी रहेगी यह बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पहले ही अधिवेशन में दो लाख रुपये तक के फसल कर्ज की मुक्ति की घोषणा कर आश्वासन पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाया। इसके साथ साथ १० रुपये में शिव भोजन की घोषणा कर मेहनतकश जनता को अल्प दर में भोजन की व्यवस्था कर दी है। छत्रपति शिवाजी महाराज के कल्याणकारी राज्य का आदर्श को सामने रखकर राज्य का कामकाज चलाया जाएगा, यह बात भी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कही। कम बोलना –ज्यादा काम करना यह केवल नारा मात्र नहीं रखते हुए विधानसभा में की गयी घोषणाओं को मंत्रिमंडल की बैठक में मान्यता दे दी।

के हितों के निर्णय लेने वाली है, इस बात से आश्वासित कर दिया था। नागपुर के अधिवेशन में घोषित की गयी महात्मा ज्योतिराव फुले कर्ज मुक्ति योजना की नीति निधार्रित कर, मंत्रिमंडल की बैठक में उस पर मान्यता लेकर उसको मूर्तरूप दे दिया।

ज्योतिराव फुले किसान कर्ज मुक्ति योजना के अनुसार १ अप्रैल २०१५ से लेकर ३१ मार्च २०१९ तक लिए गए एक या उससे अधिक कर्ज खातों में अल्प अवधि के फसल कर्ज व अल्प अवधि के फसल कर्ज को पुनगर्ठित करने वाले कर्ज की ३० सितंबर तक वापस नहीं की गयी रकम जो दो लाख रुपये से कम है ऐसे सभी कर्ज खातों में दो लाख रुपये तक की कर्ज मुक्ति का लाभ दिया जाएगा। इस योजना का लाभ प्रदेश के लाखों किसानों को होने वाला है। विशेष बात यह है कि इस कर्ज मुक्ति को देते समय किसान से किसी भी प्रकार की जमीन धारणा के बारे में नहीं पूछा जाएगा। इसका मतलब यह है कि अल्प भू धारकों के साथ साथ उन किसानों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा जो अल्प भू धारक की श्रेणी में नहीं आते हैं।

इस योजना में जो अल्प अवधि के फसल कर्ज खातों की अथवा अल्प अवधि फसल कर्ज के पुनर्गठन किये गए कर्ज खातों की मुद्दत व ब्याज के साथ ३० सितंबर २०१९ को बकाया व नहीं भरी गयी रकम दो लाख से ज्यादा है उनकी जानकारी बैंकों से माँगी जाएगी। ऐसे कर्जदार किसानों को कुछ समय बाद योग्य योजना के माध्यम से लाभ दिए जाने का प्रयास किया जाएगा। यही नहीं जो किसान अल्प अवधि के कर्जों का नियमित रूप से भुगतान करते हैं ऐसे किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए भी सरकार शीघ्र ही नयी योजना लाएगी। किसान हमारी ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की धुरी हैं। और इसी वजह से कृषि केंद्रित विकास करने की नयी सरकार की नीति है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे विदर्भ के जिलों की रिपोर्ट को लेकर की गयी बैठक में कृषि विषयक सभी बातों पर विशेष ध्यान देते दिखाई दिए। कृषि उपज खरीदने की व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ साथ सिंचाई और जलापूर्ति जैसी सभी बातों से किसानों को चिंता मुक्त करने की सरकार की नीति है।

कर्ज मुक्ति का लाभ

महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्ज मुक्ति योजना को चलाने की बड़ी जवाबदारी राजस्व विभाग की यंत्रणा की है। विभाग के लोग किसानों को स्नेह और अपनत्व के भाव से देखें इस बात के निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिए हैं। योजना की रिपोर्ट लेने के लिए मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार, वित्त मंत्री जयंत पाटिल, मंत्री अनिल परब, मुख्य सचिव अजोय मेहता के साथ राज्य के सभी विभागीय आयुक्तों व जिलाधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।

समय सारिणी के अनुसार योजना पूर्ण करें

किसानों को हम कुछ देते हैं इस भावना की बजाय किसानों का हम आशीर्वाद ले रहे हैं इस भावना से कर्ज मुक्ति की यह योजना चलायी जा रही है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है जिला स्तरीय यंत्रणा भी इसी भावना को ध्यान में रख इस योजना को अमल में लाएं। राज्य सरकार का एक महीना पूर्ण होने से पहले कर्ज मुक्ति की इस महत्वाकांक्षी

योजना को लाया गया है अब इसे प्रत्यक्ष रूप से अमल में लाने का काम क्षेत्रीय यंत्रणा का है। निधार्रित समय सारणी के अनुसार इस योजना को पूर्ण करें इस बात के निर्देश भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

पात्र किसानों को कर्ज मुक्ति का लाभ मिलने के लिए किसी भी प्रकार का आवेदन करने की जरूरत नहीं है और ना ही उन्हें किसी लाइन में खड़ा रहना है। इस तरह से इस योजना को बनाया गया है। लेकिन सरकार के अंतिम वर्ग को विश्वास में लेकर इस योजना को सफलता के साथ चलाएं।

खातों की सूची

जो कर्ज खाते आधार से संलग्न नहीं है उनकी सूची ७ जनवरी तक प्रकाशित कर दी जाएगी। उसके बाद जिन किसानों ने अपने खाते संलग्न नहीं करा रखे हैं वे करा लें।

बस की व्यवस्था

आधार प्रमाणीकरण के लिए इंटरनेट की आवश्यकता होती है लेकिन दुर्गम और दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की सुविधा नहीं है ऐसे गावों के किसानों को समीप के गांव में ले जाकर आधार प्रमाणीकरण तथा अन्य बातें पूरी की जाए। किसानों को ले जाने के लिए बहानेबाजी की जरूरत नहीं है, इसके लिए एसटी की व्यवस्था करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है।

सात बारह से कर्जा हटेगा

योजना के लिए किसानों में उसकी जानकारी के लिए जागृति होना आवश्यक है लेकिन जिला यंत्रणा भी इस योजना की योग्य सूचना विविध माध्यमों से किसानों तक पंहुचाये। किसानों के कर्ज खाते आधार से संलग्न कराएं। जिला अधिकारियों के नियंत्रण में पोर्टल पर इस बारे में सूचना अपलोड करें। दुर्गम भागों में बायोमेट्रिक की सुविधा उपलब्ध करायी जाय। जो किसान कर्ज मुक्त हो गए हो ,उनके सात बारह से कर्ज कम करने की जवाबदारी ग्राम स्तर की यंत्रणा की है लेकिन उसके ऊपर जिलाधिकारी नियंत्रण रखें। इस तरह के निर्देश मुख्यमंत्री ने सभी को दिए हैं।

दस रुपये में शिव भोजन

गरीब और जरूरतमंद जनता को अल्प दर में भोजन मिलना चाहिए, कोई भूखे पेट नहीं रहे, इसके लिए सरकार ने शिव भोजन योजना को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इसके लिए बहुत आतुर थे। विधानसभा के शीतकालीन अधिवेशन के दौरान भी मुख्यमंत्री ने इस योजना का उल्लेख किया था, इसके आधार पर १० रुपये में 'शिवभोजन' उपलब्ध कराने के निर्णय को मंत्रिमंडल की बैठक में मान्यता दी गयी। राज्य सरकार द्वारा इस योजना को प्रायोगिक रूप से शुरु करने के लिए तीन महीने में ६ करोड़ ४८ लाख रुपये का खर्च अपेक्षित है। राज्य की गरीब जनता के पीछे यह सरकार गंभीरता के साथ खड़ी है। महाराष्ट्र जैसे विकसित और प्रगतिशील राज्य में कोई भूखा नहीं रहे इसके लिए सरकार ने शिवभोजन योजना लायी है। प्रायोगिक तौर पर इस योजना के पहले चरण में राज्य के हर जिला मुख्यालय पर कम से कम एक भोजनालय तथा उस भोजनालय में कम से कम ५०० थाली शुरु करने के लिए सरकार ने मान्यता दी है। इस योजना की सफलता देखकर ही राज्य के अन्य हिस्सों में इसे शुरु किया जाएगा।

यह होगा इस थाली में

सरकार की तरफ से शुरु किये जाने वाले इस भोजनालय में ३० –३० ग्राम की दो चपातियां, १०० ग्राम की एक कटोरी सब्जी ,150 ग्राम भात,१०० ग्राम एक कटोरी में दाल या वरण होगी। शिवभोजन की थाली १० रुपये में दी जाएगी। यह भोजनालय दोपहर १२ से २ बजे तक कार्यरत रहेगा।

अनुदान मिलेगा

`शिवभोजन' थाली की कीमत शहरी भागों में ५० रुपये तथा ग्रामीण भागों में ३५ रुपये रहेगी। प्रत्येक ग्राहक से प्राप्त होने वाले १० रुपये के अतिरिक्त पैसा विभाग जिलाधिकारियों को प्रदान करेगी। वंहा से यह राशि सम्बंधित लोगों को वितरित की जाएगी। शहरी भागों में प्रति थाली ४० रुपये तथा ग्रामीण भागों में २५ रुपये का अनुदान रहेगा।

कौन शुरु कर सकता है भोजनालय

शिव भोजनालय शुरु करने वाले व्यक्ति के पास स्वयं की बड़ी जगह होनी चाहिए। योजना चलाने के लिए वर्तमान में चालू भोजनालय, महिला बचत समूह, रेस्टोरेंट, गैर सरकारी संस्था इनमें सक्षम भोजनालय का चयन किया जाएगा। इसके लिए महानगरपालिका स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तथा तालुका स्तर पर तहसीलदार की अध्यक्षता में समिति स्थापन की जाएगी। गरीब या मजदूर लोगों की भीड़ वाले जिला चिकित्सालय, बीएस स्थानक, रेल्वे स्थानक परिसर, बाजार, सरकारी कार्यालय जैसे ठिकानों पर इस थाली की बिक्री की जाएगी।

टीम लोकराज्य

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिनांक ३० दिसंबर २०१९ को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। विधानसभा परिसर में हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल श्री. भगत सिंह कोश्यारी ने श्री. अजित पवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर २५ मंत्री और १० राज्यमंत्रियों ने भी शपथ ली।

राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी – राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार को शपथ दिलाते हुए।

हमारे नए मंत्री

श्री अजित अनंतराव पवार, उप मुख्यमंत्री

जन्म : २२ जुलाई १९५९ । **जन्म स्थान :** देवळाली-प्रवरा, तालुका -राहुरी, जिला -अहमदनगर । **शिक्षा :** बी. कॉम. । **भाषा की जानकारी** - मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **वैवाहिक जानकारी:** विवाहित, पत्नी -श्रीमती सुनेत्रा । **संतान:** दो बेटे । **व्यवसाय :** कृषि

पार्टी -राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र**: २०१, बारामती, पुणे

अन्य जानकारी: ट्रस्टी विद्या प्रतिष्ठान, बारामती, संचालक -छत्रपति शिक्षण संस्था, भवानीनगर, तालुका -इंदापुर, संचालक -श्री छत्रपति सहकारी शुगर कारखाना, लि. भवानीनगर, मालेगांव सहकारी शुगर कारखाना व सोमेश्वर सहकारी शुगर कारखाना लि., जिला -पुणे, संचालक -महाराष्ट्र राज्य सहकारी संघ, मुंबई; वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट पुणे; मार्च १९९१ से अगस्त १९९१ तथा दिसंबर १९९४ से दिसंबर १९९८ -अध्यक्ष पुणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक; ११ दिसंबर १९९८ से १७ अक्टूबर १९९९ अध्यक्ष -महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक, मुंबई; १९ दिसंबर २००५ से संचालक, महाराष्ट्र राज्य सहकारी दूध उत्पादक संघ; २८ सितंबर २००६ से अध्यक्ष, पुणे जिला शिक्षण मंडल; सितंबर २००५ से २३ मार्च २०१३ - अध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य कबड्डी एसोसिएशन ,१३ अगस्त २००६ से अध्यक्ष -महाराष्ट्र राज्य खो-खो एसोसिएशन ;१७ जून १९९१ से १८ सितंबर १९९१ -सांसद (लोकसभा) ; १९९१ –९५ (उप चुनाव), १९९५ –९९, १९९९–२००४, २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ विधायक महाराष्ट्र विधानसभा; २८ जून १९९१ से नवंबर १९९२ तक मंत्री कृषि ,फल उत्पादन व ऊर्जा विभाग, नवंबर १९९२ से फरवरी १९९३ जल संधारण व ऊर्जा तथा योजना विभाग के राज्यमंत्री ,२७ अक्टूबर १९९९ से २५ दिसंबर २००३ तक बाँध निर्माण (कृष्णा खोरे व कोंकण बाँध निर्माण महामंडल) तथा फल उत्पादन विभाग के मंत्री; २३ दिसंबर २००३ से ३१ अक्टूबर २००४ तक ग्राम विकास, पेयजल आपूर्ति व स्वच्छता, बाँध निर्माण (कृष्णा खोरे व कोंकण विभाग बाँध निर्माण महामंडल); ९ नवंबर २००४ से ७ नवंबर २००९ तक जल संपदा (कृष्णा खोरे बाँध निर्माण महामंडल को छोड़कर) लाभ क्षेत्र विकास, पेयजल आपूर्ति व स्वच्छता विभाग के मंत्री, ७ नवंबर २००९ से ९ नवंबर २०१० जल संपदा (कृष्णा खोरे बाँध निर्माण महामंडल को छोड़कर) व ऊर्जा मंत्री। 11 नवंबर २०१० से सितंबर २०१४ तक महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री (वित्त, योजना, ऊर्जा), अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधान सभा के लिए फिर से चुने गए। २३ नवंबर २०१९ से २६ नवंबर २०१९ तक उप मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री अशोक शंकरराव चव्हाण

जन्म : २८ अक्टूबर १९५८ **जन्म स्थान:** मुंबई । **शिक्षा :** बी. एस. सी. , एम. बी. ए. । **भाषा की जानकारी :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **वैवाहिक जीवन :** पत्नी श्रीमती अमिता । **संतान :** दो बेटियां । **व्यवसाय :** कृषि व उद्योग । **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) । **विधानसभा क्षेत्र :**८५ भोकर -जिला -नांदेड़ ।

अन्य जानकारी : १९८६ से लेकर १९९२ तक महासचिव व उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस कमिटी, १९९५-१९९९ तक महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी, १९८७ से १९८९ सांसद (लोकसभा) १९९२ –९८ तक सदस्य महाराष्ट्र विधान परिषद, १९९९–२००४, २००४–२००९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, अक्टूबर २००९ में फिर से विधायक बने; मार्च १९९३ से सितंबर १९९४ तक राज्यमंत्री सार्वजनिक निर्माण कार्य, नगरविकास और संसदीय कार्य; सितंबर १९९४ से मार्च १९९५ में राजयमंत्री गृह व संसदीय कार्य, अक्टूबर २००९ से जनवरी २००३ तक मंत्री राजस्व, राज शिष्टाचार; जनवरी २००३ से अक्टूबर २००४ तक मंत्री परिवहन, बंदरगाह, सांस्कृतिक कार्य और राज शिष्टाचार, ८ दिसंबर २००८ से २६ अक्टूबर २००९ तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, ७ नवंबर २००९ को दूसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अक्टूबर २०१९ में फिर से विधायक चुने गए। १९८५ में अध्यक्ष -संजय गांधी निराधार योजना, नांदेड़ शहर; १९८७ –१९८९ सदस्य कंसल्टेटिव कमिटी -केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय, कार्मिक, सार्वजनिक शिकायत और पेंशन विभाग, विभागीय रेल्वे यूजर्स समिति -हैदराबाद और दक्षिण मध्य रेल्वे ;१९९१-९२ सदस्य -सलाहकार पैनल केंद्रीय सेंसर बोर्ड ,मुख्य प्रवर्तक, भाऊराव चव्हाण सहकारी शुगर कारखाना, लक्ष्मीनगर देगांव -येलेगाँव -जिला नांदेड। इस कारखाने को लगातार तीन बार केंद्र सरकार की तरफ से प्रथम पुरस्कार हांसिल हुआ। इसके अलावा मेड्रिड (स्पेन) में आयोजित बिजनेस इनिशिएटिव डायरेक्शन का अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्राउन अवार्ड; अध्यक्ष, शारदा भवन शिक्षण संस्था, नांदेड; अध्यक्ष -साई सेवाभावी ट्रस्ट, नांदेड।

संदर्भ : १२ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री दिलीप दत्तात्रय वळसे पाटिल

जन्म : ३० अक्टूबर १९५६ । **जन्म स्थान :** निरगुडसर, तालुका -आंबेगांव, जिला -पुणे । **शिक्षा :** बी. ए. (ऑनर्स), डी. जे., एल. एल. एम.। **भाषा ज्ञान** : मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती किरण । **संतान :** एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि, व्यापार। **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र :** १९६ आंबेगांव, जिला पुणे

अन्य जानकारी : महाविद्यालयीन शिक्षा के समय से ही राजनीति तथा सहकारी आंदोलन में राज्य के बड़े नेताओं के संपर्क में रहते हुए सक्रीय भागीदारी की; संस्थापक अध्यक्ष -राष्ट्रीय ग्रामीण विकास केंद्र, पुणे; इस संस्था के माध्यम से ग्रामीण और दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों की जनता के लिए शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक उन्नति के लिए विविध उपक्रम किये; ग्रामीण भाग में दुग्ध व्यवसाय को प्रोत्साहन देते हुए संस्थाओं का नेटवर्क तैयार किया तथा उसके द्वारा ग्रामीण जनता, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम करने का कार्य किया; ट्रस्टी यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान मुंबई व महाराष्ट्र की अनेक सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से करीबी संबंध; संचालक -पुणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक; संस्थापक चेयरमेन -भीमाशंकर सहकारी शुगर कारखाना; १९९०–९५, १९९५–९९, १९९९–२००४, २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ विधायक महाराष्ट्र विधानसभा; १९९२–९३ में समिति प्रमुख, विधि मंडल अनुमान समिति, १९९८–९९ में राष्ट्रकुल संसदीय मंडल, महाराष्ट्र शाखा की तरफ से दिया जाने वाला महाराष्ट्र विधानसभा के उत्कृष्ट विधायक के पुरस्कार से सम्मानित; अक्टूबर १९९९ से दिसंबर २००२ तक उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री; दिसंबर २००२ से नवम्बर २००४ तक ऊर्जा, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री; नवम्बर २००४ से मार्च २००५ तक ऊर्जा (अपारंपरिक ऊर्जा को छोड़कर) व स्वास्थ्य शिक्षा विभाग के मंत्री, मार्च २००५ से दिसंबर २००८ तक ऊर्जा (अपारम्परिक ऊर्जा को छोड़कर), स्वास्थ्य शिक्षा, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री, दिसंबर २००८ से अक्टूबर २००९ तक वित्त व योजना विभाग के मंत्री पद पर रहते हुए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय किये। इसमें महाराष्ट्र ज्ञान महामंडल नामक कंपनी की स्थापना कर उसका तेजी से विकास किया, जिसकी वजह से प्रदेश में कम्प्यूटर शिक्षा के प्रसार का महत्वपूर्ण कार्य हो सका। विद्युत क़ानून २००३ को राज्य में अमल में लाया; ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को योग्य दिशा देने के लिए महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल का विभाजन कर सुत्रधारी, महानिर्मिति, महापारेषण व महावितरण जैसी चार कंपनियों की स्थापना की। उर्जा विकास के लिए रोड मैपः ६००० मेगावॉट का प्रकल्प खडा किया। तथा विद्युत क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं निर्माण की। २००९-२०१४ अध्यक्ष महाराष्ट्र विधान सभाः २०१२-१३ महाराष्ट्र विधान मंडल के अमृत महोत्सव समारोह में भारत की राष्ट्रपति महामहिम प्रतिभा ताई पाटिल की प्रमुख्य उपस्थिती में आयोजित किया। यशवंतराव चव्हाण व वसंतराव नाईक की जन्म शताब्दी के निमित्त प्रदर्शनी व चर्चा सत्र का आयोजन। अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधान सभा के लिए फिर से चुने गए।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री धनंजय पंडितराव मुंडे

जन्म : १५ जुलाई १९७५ । **जन्म स्थान :** मुंबई । **शिक्षा :** बी. एस. एल. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन** - विवाहित, पत्नी श्रीमती राजश्री । **संतान :**दो बेटियां । **व्यवसाय :** कृषि, व्यापार व समाजसेवा । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र :** २३३ परळी।

अन्य जानकारी : अध्यक्ष नाथ प्रतिष्ठान परळी वैजनाथ, नामक संस्था के माध्यम से सामूहिक विवाह, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जांच शिविर, विविध खेल स्पर्धाओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्रियों का वितरण; २००३ में घटनांदूर में हुई रेल दुर्घटना में १२ लोगों की जान बचाई, ग्रामीण क्षेत्र में पीने के पीनी की गंभीर समस्या सुलझाने के लिए अनेक गावों में २०० से भी अधिक कुँए लिए; २००१ में बेरोजगार और आतंवाद विरोधी युवक आंदोलन; २००८ में दिल्ली में आयोजित युवा क्रांति रैली में महाराष्ट्र के युवाओं का नेतृत्व किया; २००९ में पुणे में युवा संकल्प रैली का आयोजन किया। १९९७-९८ में भारतीय जनता युवा मोर्चा, महाराष्ट्र प्रदेश विद्यार्थी संगठन के प्रमुख:१९९८ -२००१ उपाध्यक्ष, २००१-२००७ महासचिव व २००१ -२००७ गश २००७ -२०१० अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा; २००२ -२००७ सदस्य, २००७ -२०१० उपाध्यक्ष जिला परिषद बीड ; संचालक, संत जगमित्र सहकारी सूत गिरणी लि. टोकवाडी, परळी वैजनाथ; २०१० -१३, २०१३ -१६ सदस्य महाराष्ट्र विधानपरिषद, दिसंबर २०१४ से जुलाई २०१६ विरोधी पक्ष नेता -विधान परिषद, २०१६ में महाराष्ट्र विधान परिषद में फिर से चुने गए व विधान परिषद विरोधी दल के नेता बने; २०१९ में विधायक चुने गए महाराष्ट्र विधानसभा।

विजय नामदेव वडेट्टीवार

जन्म : १२ दिसंबर १९६२ । **जन्म स्थान :** करंजी, तालुका -गोंडपिंपरी, जिला -चंद्रपुर । **शिक्षा :** एच. एस. सी. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी व तेलगु । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती किरण । **संतान :** एक बेटा, तीन बेटियां । **व्यवसाय :** कृषि, व्यापार । **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) । **विधानसभा क्षेत्र :** ७३ ब्रह्मपुरी -जिला चंद्रपुर ।

अन्य जानकारी : संस्थापक -अध्यक्ष सेमाना वन विकास शैक्षणिक संस्था : विदर्भ स्तरीय एकांकी नाट्य स्पर्धा, कवी सम्मलेन, खेल स्पर्धाओं का आयोजन; गरीब विद्यार्थियों को मदद; शिवसेना के माध्यम से स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान, नेत्रदान, नेत्र चिकित्सा व चश्मा वितरण शिविरों का आयोजन; बेरोजगार युवाओं को मार्गदर्शन, कृषि मजदूरों, किसानों व वन कर्मियों के न्याय व हक की लड़ाई के लिए संघर्ष और आंदोलन कर उनकी मांगे पूरी कराने का प्रयास, गडचिरोली जिले की कारवाफा, तुलतुली, दिना और उपसा सिंचाई परियोजना के प्रकल्पग्रस्तों के हकों के लिए आंदोलन तथा बाढ.पीड़ितों को मदद, दुग्ध उत्पादन व प्रक्रिया केंद्र (शिवाणी डेयरी) शुरु कर गरीब, आदिवासी, किसानों को गाय -भैंस उपलब्ध कराकर रोजगार के साधन दिए; अध्यक्ष चंद्रपुर जिला मध्यवर्ती बैंक, संचालक -महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक, अध्यक्ष -स्वदेशी कुक्कुट पालन सहकारी संस्था -गडचिरोली ;चिमूर व सिंदेवाही में नगरपरिषद की स्थापना के प्रयास; गडचिरोली, वडसा (दे), भद्रावती, वरोरा, चंद्रपुर, ब्रह्मपुरी नगरपरिषद में चुनाव के माध्यम से शिवसेना की सत्ता स्थापित करने के प्रयास; कुरखेडा, आरमोरी, वडसा, गडचिरोली, चामोशी, धानोरा व मुलचेरा पंचायत समिति में शिवसेना की सत्ता स्थापित कराई; गडचिरोली को जिला बनाने के आंदोलन में हिस्सा लिया, गिरफ्तारी व जेल; १९८६ से गडचिरोली शिवसेना के जिला प्रमुख;१९९५-९८ तक अध्यक्ष -वन विकास महामंडल, इस दौरान जंगल कामगार, वैन मजदूरों सहकारी संस्था की समस्याओं का निदान कर घाटे में चल रहे महामण्डल को मुनाफे में लाया; शिवसेना की ५५० गावों में शाखाएं बनायी; १९९७ से गडचिरोली जिले व चिमूर भाग में अधिकाँश ग्राम पंचायतों पर जीत दिलाई। २००५ से कांग्रेस पार्टी में कार्य शुरु किया। सदस्य जिला परिषद गडचिरोली; १९९८-२००४ सदस्य विधानपरिषद; २००४-२००९, २००९-२०१४, २०१४ -२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; विधानसभा की रोजगार गारंटी, लोक लेखा व आश्वासन समिति के सदस्य नवंबर २००९ से नवम्बर २०१०, जल संपदा व संसदीय कार्य, वित्त व योजना तथा ऊर्जा विभाग का राज्यमंत्री; कुछ समय तक विधानसभा में विरोधी दल के नेता भी रहे; २०१९ में फिर से विधायक चुने गए।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री अनिल वसंतराव देशमुख

जन्म : ९ मई १९५० । **जन्म स्थान :** नागपुर। **शिक्षा :** एम. एससी. (एग्रीकल्चर) । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन** - विवाहित, पत्नी श्रीमती आरती । **संतान :**दो बेटे, एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र :** ४८-काटोल, जिला -नागपुर ।

अन्य जानकारी : अनेक सामाजिक व सांस्कृतिक संस्थाओं से करीबी संबंध, शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए विशेष प्रयास, विविध विभागों के मंत्रिपद संभालते हुए किसानों, महिलाओं व युवकों को केंद्र में रख उनके लिए विविध योजनाएं शुरु की। कौशल्य विकास के विविध उपक्रम शुरु किये। किसानों व महिलाओं का आर्थिक स्तर सुधारने व आर्थिक स्थिति को कायम रखने के लिए विविध प्रयास किये। विविध सामाजिक कार्यों में सहभागिता रहती है।

१९७० से १९९० तक कांग्रेस पार्टी में कार्य किया, १९९९ से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में, २३ मई १९७२ से ९ जून १९९२ सभापति पंचायत समिति नरखेड, जिला नागपुर; ९ जुलाई १९९२ से मार्च १९९५ तक अध्यक्ष जिला परिषद, नागपुर; १९९५-९९, १९९९-२००४, २००४-२००९, २००९-२०१४ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; मार्च १९९५ से जुलाई १९९९ तक स्कूली शिक्षा, उच्च व तकनीकी शिक्षा तथा सांस्कृतिक विभाग के राज्यमंत्री; अक्टूबर १९९९ से मार्च २००१ तक स्कूली शिक्षा, सूचना व जनसंपर्क, खेल व युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री; मार्च २००१ से अक्टूबर २००४ तक राज्य उत्पादन शुल्क -आंव औषधि प्रशासन विभाग के राज्यमंत्री, नवम्बर २००४ से दिसंबर २००८ तक सार्वजनिक निर्माण (सार्वजनिक उपक्रम) विभाग के मंत्री। अक्टूबर २०१९ में फिर से विधायक चुने गए।

कृषि-शैक्षणिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में अच्छा कार्य। वसंतराव देशमुख प्रतिष्ठान के तहत विविध सामाजिक उपक्रम। इसमें सामूहिक विवाह, किसानों व युवकों के कल्याण के लिए विविध उपक्रमों का समावेश है।

संदर्भ : १२ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री हसन मियालाल मुश्रीफ

जन्म : २४ मार्च १९५४। **जन्म स्थान :** कागल ,जिला कोल्हापुर । **शिक्षा :** बी. ए. (अर्थशास्त्र) । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती साहेरा । **संतान :**तीन बेटे, एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र :** २७३ -कागत , जिला -कोल्हापुर

अन्य जानकारी : विद्यार्थी आंदोलन में हिस्सा; अध्यक्ष -आदर्श शिक्षण संस्था -कागत ;अध्यक्ष -भाई माधवराव बागल शिक्षण संस्था, कोल्हापुर; अध्यक्ष -नागनाथ शिक्षण संस्था -एकोंडी; किसान, कमजोर वाग व पिछड़े समाज के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील; महाराष्ट्र -कर्नाटक सीमा विवाद आंदोलन में माननीय शरदराव पवार जी के नेतृत्व में आंदोलन में सक्रिय भाग लिया; सदस्य व १९९७-९८ सभापति -पंचायत समिति, कागत; सदस्य जिला परिषद -कोल्हापुर : १९८६ -२०१५, संचालक व कुछ समय के लिए वाइस चेयरमेन व चेयरमेन -कोल्हापुर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक; इस बैंक के माध्यम से अनेक नयी नयी योजनाएं सभासदों के हितों के लिए शुरु की। इन कार्यों के लिए सरकार इस बैंक का विशेष गौरव किया। अध्यक्ष संजय गांधी निराधार योजना, कागल; संचालक व उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य सहकारी दूध महासंघ लि. (महानंद), गोरेगांव, मुंबई; वाइस चेयरमेन सांसद सदाशिवराव मंडलिक, कागल तालुका सहकारी शुगर कारखाना ,हमीदवाडा; सदस्य कागत तालुका खरीदी -बिक्री संघ, संस्थापक -संचालक। छत्रपति शाहू सहकारी शुगर कारखाना लि. कागल; वाइस चेयरमेन, कागल तालुका सहकारी सूत गिरणी लि. व शरद सहकारी सूत गिरणी लि., कागत; संचालक कोल्हापुर जिला सहकारी कृषि उद्योग सहकारी संस्था; उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमिटी; १९९९ से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का कार्य; १९९९-२००४, २००४-२००९, २००९ -२०१४, २०१४ -२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; मार्च २००१ से जुलाई २००४ तक पशु संवर्धन व दुग्ध विकास विभाग का राज्यमंत्री, जुलाई २००४ से अक्टूबर २००८ तक पशु संवर्धन, दुग्ध विकास, स्कूली शिक्षा, वक्फ विभाग का राज्यमंत्री; नवम्बर २००८ से नवम्बर २००९ तक नगरविकास, पशु संवर्धन, दुग्ध विकास, मत्स्य व्यवसाय, अल्प संख्यक, वक्फ, विधि व न्याय विभाग का राज्यमंत्री; २७ जून २०१४ से अक्टूबर २०१४ तक जल संपदा (कृष्णा खोरे महामण्डल) मंत्री; अक्टूबर २०१९ में फिर से विधेयक चुने गए।

विदेश यात्राएं : युरोप, न्यूजीलेंड, आस्ट्रेलिया, चीन, जिनेवा आदि देशों में अभ्यास किया।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

प्राध्यापक वर्षा एकनाथ गायकवाड़

जन्म : ३ फरवरी १९७५ । **जन्म स्थान :** मुंबई । **शिक्षा :** एम.एससी. (गणित), बी. एड. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन** - विवाहित, पति श्री राजू बाबू गोडसे । **व्यवसाय :** सामाजिक कार्य । **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) । **विधानसभा क्षेत्र :** १७८ धारावी (अनुसूचित जाति) ।

अन्य जानकारी : अध्यक्ष -निर्मल महिला पिछड़ा वर्ग औद्योगिक सहकारी संस्था, विक्रोली, मुंबई; रैयत महासंघ व अभय शिक्षण केंद्र के माध्यम से शैक्षणिक व सामाजिक कार्यक्रम शुरु किये; कार्यकारिणी सदस्य, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी; विशेषतः महिला सशक्तीकरण के लिए विविध उपक्रमों के माध्यम से सक्रिय; वंचित व उपेक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षिणक उत्थान के लिए कार्यरत व मदद करने में तत्पर; शहरी क्षेत्र की समस्याओं को सुलझाने के लिए विशेष प्रयास किये; महिलाओं व युवतियों के संगठन बनाकर उनको उद्योगों से जोड़ा, उनमें सामाजिक चेतना लाने का प्रयास किया; महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी की कार्यकारी सदस्य; २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य,महाराष्ट्र विधानसभा व २००८ –२००९ विधानसभा की महिला हक व कल्याण समिति की सदस्य, राष्ट्रकुल संसदीय मंडल की महाराष्ट्र शाखा की तरफ से २००६–०७ के लिए विधानसभा की उत्कृष्ट संसदीय कार्य के पुरस्कृत, ७ नवम्बर २००९ से १० नवम्बर २०१० तक स्वास्थ्य शिक्षा, उच्च व तकनीकी शिक्षा, पर्यटन व विशेष सहायता विभाग की राज्यमंत्री; ११ नवम्बर २०१० से २६ सितम्बर २०१४ तक महिला व बाल विकास विभाग की मंत्री। अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए विधायक चुनी गयी।

विदेश यात्राएं : अमरिका के अध्यक्ष के चुनाव को देखने के लिए नियुक्त किये गए प्रतिनिधी मंडल में हिस्सा लिया। २००८ में राष्ट्रकुल मंडल, महाराष्ट्र शाखा की तरफ से अमरीका के अभ्यास दौरे में हिस्सा लिया, २००९ में ऑस्ट्रेलिय, न्यूजीलैंड व सिंगापूर का दौरा किया।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

डॉ. राजेंद्र भास्कर शिंगणे

जन्म : ३० मार्च १९६१ । **जन्म स्थान :** डोंगर शेवली, जिला -बुलडाणा । **शिक्षा :** बी. ए. एम.एस.।
भाषा ज्ञान : मराठी, हिंदी, अंग्रेजी ।
दांपत्य जीवन : विवाहित, पत्नी -श्रीमती रजनी ।
संतान :एक बेटी । **व्यवसाय** : कृषि ।
पार्टी : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ।
विधानसभा क्षेत्र : २४ सिंदखेडराजा, जिला-बुलडाणा

अन्य जानकारी -अध्यक्ष, सिद्धेश्वर शिक्षण प्रसारक मंडल, साखरखेर्डा; राष्ट्रमाता जिजाऊ कन्या विद्यालय, सिंदखेळराजा -जिला -बुलडाणा; मुख्य प्रशासक, महाराष्ट्र राज्य कपास विपणन महासंघ, जिजामाता सहकारी शुगर कारखाना लि., दुसरबीड ,तालुका -सिंदखेड़ा, संचालक -पैनगंगा सहकारी सूत गिरणी, साखरखेर्डा, तालुका -सिंदखेड़ा, १९९२–२००१ अध्यक्ष, बुलडाणा मध्यवर्ती सहकारी बैंक १९९३ संचालक ,महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक ,(निर्विरोध) महाराष्ट्र राज्य माकेर्टिंग फेडरेशन मुंबई :१९८५ अध्यक्ष, जिला युवक कांग्रेस, जुलाई २००४ से महासचिव, महाराष्ट्र प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस,१९९५–९९,१९९९–२००४ ,२००४–२००९ ,२००९–२०१४ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, मार्च २००१ से जुलाई २००२ स्कूली शिक्षा, विपणन, सूचना एवं जान संपर्क विभाग के राज्यमंत्री, जुलाई २००२ से जनवरी २००३ तक स्कूली शिक्षा, विपणन विभाग के राज्यमंत्री, जनवरी २००३ से जुलाई २००४ तक मंत्री स्कूली शिक्षा विभाग, १६ नवम्बर २००४ से दिसंबर २००८ तक राजस्व, पुनर्वसन, सूचना व जनसम्पर्क, भूकंप पुनर्वसन व मदद कार्य, खेल व युवा कल्याण व पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के राज्यमंत्री, दिसंबर २००८ से अक्टूबर २००९ तक सार्वजनिक स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के मंत्री; अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक उसी तरह से सहकार क्षेत्र में भी सहनिय कार्य किया। युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए अनेक सहकारी संस्थाओं की नींव रखी। किसानों की समस्याओं की अच्छी जानकारी होने की वजह से उनके लिए विविध योजना व कार्यक्रम शुरु किये। महिलाओं व युवकों को रोजगार उपलब्ध कराकर दिया।

संदर्भ : १२ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री नवाब मोहम्मद इस्लाम मलिक

जन्म : २ ० जून १९५९ । **जन्म स्थान :** धुसवा, इटई -रामपुर, तालुका -उतरौला, जिला -बलरामपुर (उत्तर प्रदेश)। **शिक्षा :** एफ. वाई. बी. ए. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी व उर्दू । **दांपत्य जीवन**: विवाहित ,पत्नी -श्रीमती मेहजबीन। **संतान :** चार - दो बेटे -दो बेटियां । **व्यवसाय** : व्यापार। **पार्टी** : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र :** १७२ अणुशक्ति नगर, जिला- मुंबई उपनगर

अन्य जानकारी : अध्यक्ष, ह्यूमन वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन, रक्तदान शिविर, छात्र आंदोलन, विश्वविद्यालय की फीस वृद्धि के खिलाफ आंदोलन, विद्यार्थी संसद आंदोलन में सक्रिय भागीदारी; १९९३-९५ सामाजिक एकता -अखंडता व धार्मिक सद्भावना व जातीय सामंजस्य बढाने के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन, १९९८ में मुंबई सेन्ट्रल स्टेशन पर रेल रोको आंदोलन में सक्रिय सहभाग; १८७ करोड़ रुपये के उड़ान पुल के प्रस्ताव को मंजूर के लिए प्रयास ;कुर्ला (पश्चिम) कमानी जंक्शन अग्निशमन केंद्र शुरु करवाया, झौपड़पट्टी धारकों को फोटो पास दिलाने में मदद की, झौपड़पट्टी धारकों को नि:शुल्क घर दिलाने के प्रयास ;रेल्वे लाइन झौपड़पट्टी धारकों के पुनर्वसन कार्य में मदद, राज्य के तृतीय पंथी समाज के लोगों के लिए विशेष सहायता योजना में हर माह मानधन देने के लिए विशेष प्रयत्न, १९९६ -९९ (उप चुनाव),२००९–२००४, २००४–२००९, २००९–२०१४ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; अक्टूबर १९९९ से अक्टूबर २००४ तक गृहनिर्माण, झौपड़पट्टी सुधार व गंदी बस्तियों के सुधर, विशेष सहायता व वक्फ विभाग का राज्यमंत्री; जुलाई २००४ से अक्टूबर २००४ तक विशेष सहायता व तकनीकी शिक्षा मंत्री; नवम्बर २००४ से मार्च २००५ तक श्रम मंत्री; अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए फिर से निवार्चित।

श्री राजेश अंकुशराव टोपे

जन्म : ११ जनवरी १०६९ । **जन्म स्थान :** औरंगाबाद । **शिक्षा :** बी. ई. (मैकेनिकल) । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन** - विवाहित, पत्नी -श्रीमती मनीषा । **संतान** -एक बेटा। **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र** : १०० घनसावंगी, जिला- जालना।

अन्य जानकारी :१९९१–९५, कार्यकारिणी सदस्य, डॉ. बाबसाहब आंबेडकर मराठवाड़ा, विश्वविद्यालय, औरंगाबाद; सचिव, मत्स्योदरी शिक्षण संस्था, जालना; अध्यक्ष, खोलेश्वर बहुउद्देशीय संस्था ,अंकुश नगर जालना, इस संस्था के माध्यम से सामूहिक विवाह का आयोजन; १९९७ से अध्यक्ष, समर्थ सहकारी शुगर कारखाना लि., अंकुशनगर; १९९४ से संस्थापक -अध्यक्ष यशवंत सहकारी सूत गिरणी लि. अंबड; १९९५ से संचालक, द महाराष्ट्र स्टेट को आपरेटिव हाऊसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन, मुंबई; अध्यक्ष, समर्थ सहकारी बैंक, जालना; सदस्य व १९९६ से अक्टूबर १९९९ तक विरोधी पक्ष नेता, जिला परिषद जालना; १९९६ राष्ट्रीय युवक कांग्रेस के नेतृत्व में जेल भरो आंदोलन में हिस्सा लिया :१९९७ में बेरोजगार युवकों के आंदोलन के लिए गिरफ्तारी;१९९२–९६ अध्यक्ष, जालना जिला युवक कांग्रेस (आई); १९९६–९९ उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस (आई); मई १९९९ से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का कार्य; १९९९–२००४, २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य, महाराष्ट्र विधानसभा ,मार्च 2001 से जनवरी २००३ जल संधारण, व्यापार, वाणिज्य और पर्यावरण विभाग का राज्यमंत्री ;जनवरी २००३ से जुलाई २००४ पर्यावरण व् उद्योग विभाग का राज्यमंत्री ;नवम्बर २००४ से दिसंबर २००८ तक नगरविकास, सामान्य प्रशासन, शहरी जमीन हदबंदी, जल संधारण व संसदीय कार्यों का राज्यमंत्री; दिसंबर २००८ से अक्टूबर २००९ उच्च व तकनीकी, स्वास्थ्य शिक्षा मंत्री ,नवम्बर २००९ से सितम्बर २०१४ उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री; अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए फिर से निवार्चित। ११९४ व २०१० में उन्होंने लंदन व आस्ट्रेलिया का दौरा किया था। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने अपना खूप योगदान दिया। विविध संस्थाओं के माध्यम से युवकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये कौशल्य विकास कार्यक्रम शुरु किये। विविध शिक्षण संस्थाओं को खोलकर उच्च शिक्षण के अवसर उपलब्ध कराये। विविध सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों का जीवन स्तर ऊंचा करने का विशेष प्रयास किया। महिलाओं का सबलीकरण का आत्मनिर्भर करने पर बल।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री सुनील छत्रपाल केदार

जन्म : ७ अप्रैल १९६१। **जन्म स्थान :** नागपुर । **शिक्षा :** बी. एससी. (कृषि) ,एम. बी. ए. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन** – विवाहित ,पत्नी श्रीमती अनुजा। **संतान :** दो बेटियां। **व्यवसाय :** कृषि व लघु उद्योग। **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) । **विधानसभा क्षेत्र** : ४९ सावनेर, जिला-नागपुर।

अन्य जानकारी :१९९२ सदस्य, जिला परिषद नागपुर, १९९२ अध्यक्ष, गणेश प्रासादिक शिक्षण संस्था ;इस संस्था के माध्यम से ४ माध्यमिक विद्यालय व महाविद्यालय शुरु किये; सूखा पीड़ित किसानों की समस्याओं को छुड़ाने के लिए सतत प्रयासरत; संचालक द विदर्भ को ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी, नागपुर; संचालक, श्री बाबासाहब केदार जिनिंग प्रोसेसिंग सोसायटी सावनेर ;संचालक बैरिस्टर शेषराव वानखेड़े ट्रस्ट, नागपुर; नागपुर जिले में दुग्ध संघ की स्थापना की; नागपुर जिले के किसानों की विविध समस्याओं के लिए किसान सम्मेलनों का आयोजन; दुर्गम भागों की बिजली की समस्या के लिए, कृषि उपज के योगय भाव दिलाने के लिए प्रयास किये; युवकों को संगठित कर कला, क्रीड़ा व सांस्कृतिक मंडलों की स्थापना की; ग्रामीण भाग की जनता के लिए पेयजल आपूर्ति, सड़क, स्वास्थ्य आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये; गरीब मरीजों को मदद; अध्यक्ष नागपुर जिला कपास उत्पादक सहकारी सूत गिरणी, पाटण -सावंगी; १९९३ अध्यक्ष नागपुर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक; संचालक, बैरिस्टर शेषराव वानखेड़े ट्रस्ट १९९५ –९९, २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; मार्च १९९५ से जून १९९५ राज्यमंत्री ऊर्जा व परिवहन, जून १९९५ से १९९६ राज्यमंत्री ऊर्जा, परिवहन और बंदरगाह। अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निर्वाचित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री संजय दुलीचंद राठौड़

जन्म : ३० जून १९७१ । **जन्म स्थान :** यवतमाळ **शिक्षा :** बी. कॉम., बी.पी. एड.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, बंजारा **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती शीतल । **संतान :** एक बेटा, एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि। **पार्टी :** शिवसेना। **विधानसभा क्षेत्र :** ७९ दिग्रस, जिला-यवतमाळ

अन्य जानकारी : सचिव, छत्रपति शिवाजी कला, शिक्षण, क्रीड़ा, कृषि व ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान, शिवपुरी -तालुका कळंब, जिला -यवतमाळ; दृष्टि से पिछड़े विद्यार्थियों को पठान सामग्री वितरण, आदिवासियों के लिए नृत्य व लोकनृत्य स्पर्धा का आयोजन करना; कुपोषित बच्चों के लिए दूध पावडर व बिस्किट का वितरण; आत्महत्या करने वाले किसान परिवारों की आर्थिक मदद करना; गरीब मरीजों की मदद ,सहकार के माध्यम से जनता के विकास के लिए प्रयास ;ग्राम विकास सहकारी संस्था, आदिवासी सहकारी संस्था, विविध कार्यकारी संस्था, जिनिंग प्रेसिंग सहकारी संस्था, तालुका देखरेख सहकारी संस्था, क्रय -विक्रय सहकारी संस्था, कृषि उत्पन्न बाजार समिति के कार्यों में सक्रिय भागीदारी; १९९१ से शिवसेना का कार्य; १९९७ जिला प्रमुख शिवसेना, यवतमाळ जिला; शिवसेना के सभी सक्रिय सहभाग; विदर्भ स्तरीय आदिवासी परिषद ,बंजारा समाज सम्मलेन व सरपंच परिषद का आयोजन, निराधारों को अनुदान ,पानी की समस्या तथा किसानों की समस्याओं को ख़त्म करने के लिए धरना -प्रदर्शन -आंदोलन;२००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य, महाराष्ट्र विधानसभा; सदस्य पंचायत राज समिति व उप विधान समिति; ५ दिसंबर २०१४ से राजस्व राज्यमंत्री; अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए फिर से निर्वाचित।

मरीजों के लिए 'माँ आरोग्य सेवा समिति' की स्थापना, मेडिकल कॉलेज परिसर में मरीजों के रिशेत्दारों के सभी सुविधाओं से युक्त 'मातोश्री प्रतीक्षालय व विश्रामगृह' का निर्माण कराया, विधानसभा क्षेत्र के २३४ गावों में नेत्र जांच शिविर, ३४ हजार लोगों को चश्मा वितरण, विधानसभा क्षेत्र में नियमित रूप से 'महा आरोग्य शिविर' का आयोजन जैसे सामाजिक कार्यों को प्रमुखता। प्रशासन सुशासन हो, जनता की समस्याओं का तत्काल समाधान हो, उनका परशराम, पैसा और समय की बचत हो इसके लिए जिला के उपविभागीय स्तर पर 'जनता दरबार' अर्थात समाधान दिवस का आयोजन

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री गुलाबराव रघुनाथ पाटिल

जन्म : ५ जून १९६७। **जन्म स्थान :** बोरखेडा, तालुका -धरणगांव, जिला -जळगांव।
शिक्षा : एच. एस. सी.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, मारवाडी। **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती माया । **संतान :** दो बेटा, एक बेटी ।
व्यवसाय : कृषि व व्यापार ।
पार्टी : शिवसेना ।
विधानसभा क्षेत्र : १४ जलगांव ग्रामीण, जिला-जळगांव

अन्य जानकारी : गरीब व दिव्यांग विद्यार्थियों और उन्नति के लिए मदद कार्य, रक्तदान शिविरों का आयोजन; सामाजिक अन्याय के खिलाफ आन्दोलनों में सक्रिय भागीदारी; १९९२-९७ सदस्य पंचायत समिति; १९९७-९८ सदस्य व सभापति पंचायत समिति, एरंडोल ;१९९७ सदस्य व सभापति कृषि समिति जिला परिषद, जळगांव १९९५-९७ संचालक, कृषि उत्पन्न बाजार समिति धरणगांव; १९९६-९९ सदस्य ,म्हाडा नाशिक विभाग; १९८४-८९ शिवसेना शाखा प्रमुख ,उप तालुका प्रमुख व १९९६ में जिला प्रमुख ,२००३ में उपनेता के रूप में कार्य किया; १९९९-२००४, २००४-२००९, २०१४-२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; विधानसभा की पंचायत राज, रोजगार गारंटी, अंदाज समिति, आश्वासन समिति का सदस्य; अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित। राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय किये। संगठन के माध्यम से लोगों को संगठित करना और उसके माध्यम से विभिन्न समस्याओं के समाधान का प्रयास किया। खेती के आधुनिकीकरण के माध्यम से किसानों की समस्याएं सुलझाने चाहिए इस बात के पक्षधर हैं। इसके लिए विविध योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए प्रयत्नशील हैं।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री अमित विलासराव देशमुख

जन्म : २१ मार्च १९७६। **शिक्षा :** बी.ई. (केमिकल) ।
भाषा ज्ञान : मराठी, हिंदी,अंग्रेजी।
दांपत्य जीवन : विवाहित, पत्नी श्रीमती आदिती।
व्यवसाय : कृषि व उद्योग। **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई)।
विधानसभा क्षेत्र : २३५, लातूर शहर, जिला-लातूर।

अन्य जानकारी : १९९७ से युवक कांग्रेस का कार्य; २००० से संस्थापक -अध्यक्ष, विकास सहकारी शुगर कारखाना लि., इस शुगर कारखाने को सात साल में ९ राज्य स्तरीय पुरस्कार सफलता मिली, इसके अलावा आईएसओ व पर्यावरण प्रमाण पत्र मिलने वाला देश का एक मात्र शक्कर कारखाना; २००२ व २००८ उपाध्यक्ष ,महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस (आई); सांगली व सोलापुर जिले का प्रभारी; लातूर क्षेत्र में लोकसभा व विधानसभा के चुनावों के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभायी; २००२ संस्थापक अध्यक्ष -विकास को -ऑपरेटिव बैंक लि.,२००८ संस्थापक अध्यक्ष, विकास को -ऑ परेटिव एग्रो इंडस्ट्रीज लि.,२००८ से अध्यक्ष लातूर तालुका समन्वय समिति; २००६ में कृषि उत्पन्न समिति का चुनाव निर्विरोध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका; गरीब व जरूरतमंद विद्यार्थियों को पठन सामग्री वितरण, आर्थिक दृष्टि से कमजोर व गरीब परिवारों को उनके परिवार चलाने के लिए जरूरी वस्तुओं का वितरण ;दिव्यांगों को ट्राई सायकल वितरण, पर्यावरण संवर्धन, वृक्षारोपण, पेयजल की सुविधा, सामूहिक विवाह, युवाओं को मार्गदर्शन शिविर, विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास के लिए वाद-विवाद, निबंध रंगोली, वेशभूषा आदि स्पर्धाओं का आयोजन; नाट्य कलाकारों के लिए पु. ल. देशपांडे राज्य स्तरीय नाट्य स्पर्धा का आयोजन; संगीत, नाटक, लोककला, लोक नृत्य, भजन स्पर्धाओं का आयोजन; युवाओं के लिए विविध उद्योग, व्यवसाय, कृषि आधारित व्यवसाय,कृषि यांत्रिकीकरण, दुग्ध व्यवसाय से रोजगार उपलब्ध कराकर बेरोजगारी दूर करने का प्रयास; क्रिकेट, वॉ लीबाल, कबड्डी, खो-खो, दौड़, सायकलिंग आदि स्पर्धाओं का आयोजन; महिला, अल्प संख्यक ,पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए विशेष प्रयास ;२००९-२०१४ ,२०१४-२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, २ जून २०१४ से अक्टूबर २०१४ पर्यटन, अन्न व औषधि प्रशासन, राज्य उत्पादन शुल्क, नवीन व गैर पारंपरिक ऊर्जा का राज्यमंत्री; अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री दादाजी दगडु भुसे

जन्म : ६मार्च १९६४। **जन्म स्थान :** मालेगांव, जिला -नाशिक। **शिक्षा : डी. सी. ई.। भाषा ज्ञान :** मराठी ,हिंदी ,अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन** – विवाहित, पत्नी श्रीमती अनिता। **संतान :** दो बेटे। **पार्टी :** शिवसेना । **विधानसभा क्षेत्र :** ११५ मालेगांव बाह्य, जिला-नाशिक

अन्य जानकारी : शिवसेना तालुका प्रमुख, मालेगांव; पार्टी के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी; जागर शिवशाही के माध्यम से आम जनता को सरकार की विविध योजनाओं की जानकारी पंहुचाना; संजय गांधी निराधार योजना ,इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन अनुदान योजना व श्रावण बाळ पक्ष योजना का अनुदान लाभार्थियों को दिलवाया; सड़क, पीने का पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं जैसे सामाजिक कार्य किये; महिला बचत समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराये; सरकारी पड़त जमीन व गांवठाण की सरकारी जमीन का लाभ १५००० लोगों को उपलब्ध कराया; वन हक़ समिति के माध्यम से वन जमीन को नियमित कराया; गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की मदद की; मालेगांव में अतिरिक्त जिलाधिकारी का कार्यालय शुरु कराने के लिए प्रयास किये; आम आदमी बीमा योजना, स्वर्ण जयन्ती ग्रामीण रोजगार योजना शुरु की। लोक सहभागिता से ए.पी. जे. अब्दुल कलाम बाँध तैयार कराया; गरीबों को बहुत कम कीमत पर घर उपलब्ध कराया भारत निर्माण व राष्ट्रीय पेयजल योजना के तहत पेयजल योजना कार्यान्वित कराई; सामूहिक विवाह गरीब मरीजों को मदद, रक्तदान, स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन, एम्ब्युलेंस सेवा उपलब्ध करायी; विद्यालय उपयोगी सामाग्रियों का वितरण; कम्प्यूटर प्रहिक्षण केंद्र शुरु किया; जिमखाना शुरु किया ;व्यसन मुक्ति व स्वच्छता अभियान चलाया ;वन हक समिति द्वारा वन जमीन नियमित करना, जागर शिवशाही के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये। २००४–२००९, २००९–२०१४ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, २०१४–२०१९ सहकार विभाग का राज्यमंत्री, अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

डॉ. जीतेन्द्र सतीश आव्हाड

जन्म : ५ अगस्त १९६३। **जन्म स्थान :** नाशिक।

शिक्षा : बी. ए., मास्टर ऑफ़ लेबर स्टडीज (एम.एल.एस.), पी. एच. डी. मुंबई विश्व विद्यालय। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती ऋता । **संतान :** एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि व व्यापार । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी। **विधानसभा क्षेत्र :** १४९ ,मुम्ब्रा -कळवा ,जिला- ठाणे

अन्य जानकारी : विद्यार्थी जीवन से ही सामाजिक कार्यों में सहभाग किया, १९७७ में ठाणे स्थित सेंट जॉन स्कूल में स्कूल संसद का प्रधामंत्री चुने गए,; १९८०-८१ जिमखाना सचिव ,बी. एन. बांदोडकर विज्ञान महाविद्यालय, ठाणे; १९८१ महासचिव आल इण्डिया स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन; १९८७–८८ विश्विद्यालय प्रतिनिधि, महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ़ लेबर स्टडीज, ८ अक्टूबर २०१३ को महाराष्ट्र के सामाजिक ,धार्मिक आंदोलन विषय पर शोध ग्रन्थ के लिए मुंबई विश्विद्यालय की तरफ से डॉक्टरेट की पदवी मिली; सिनेट सदस्य मुंबई विश्विद्यालय, संस्थापक -संघर्ष सेवाभावी संस्था, ठाणे; स्व. लीलावती सतीश आव्हाड एज्युकेशन संस्था के माध्यम से औरंगाबाद में एरोनॉटिकल महाविद्यालय ,मुखेड -जिअ नांदेड़ में डी. एड. कॉलेज शुरु किया। अध्यक्ष -अखिल भारतीय वंजारी युवक संघ, अध्यक्ष -ठाणे जिला योग एसोसिएशन, प्रमुख सलाहकार कास्ट्राइब जीवन प्राधिकरण व आरोग्य सेवा कर्मचारी तथा महाराष्ट्र राज्य माथाडी और जनरल कामगार संगठन; अध्यक्ष -महाराष्ट्र बेसबॉल एसोसिएशन; अध्यक्ष इंडियन पायलट गिल्ड कर्मचारी संगठन; ठाणे में नवा -ए -फन संस्था के ने सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया ; मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की संविधान उप समिति का सदस्य ,चयनित अध्यक्ष- ठाणे जिला खो-खो संगठन ;१९८८-९१ महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश एनएसयूआई ,१९९१-९३ महासचिव अखिल भारतीय एनएसयूआई ;१९९३-९८ अध्यक्ष -ठाणे महानगरपालिका शिक्षण मंडल, १९९३-९६ महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस कमिटी; १९९९–२००६ अध्यक्ष -अखिल भारतीय राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस कमिटी ,२००६ से सचिव अखिल भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ,२००८ से अध्यक्ष -ठाणे शहर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ;२०१२ से प्रवक्ता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी; २०१३-१४ कार्याध्यक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश ;सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा आश्वासन समिति, विधायक निवास व्यवस्था समिति ,२००८ से विधानसभा में पार्टी का चीफ व्हीप। २०१० नयी युवा नीति बनाने के लिए सरकार द्वारा गठित समिति के सदस्य, एड्स फोरम समिति के सदस्य ; २०११ -सदस्य राजय के निजी व धर्मादा चिकित्सालयों की जांच के लिए विधि मंडल की तदर्थ समिति; २०१२ समिति प्रमुख -उप विधान समिति; दिसंबर २००९ तालिका अध्यक्ष -विधानसभा; २२०२ –२००८ ,२००८–२००९ सदस्य -महाराष्ट्र विधान परिषद, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; मई २०१४ से सितम्बर २०१५ वैद्यकीय शिक्षण समिति और फलोत्पादन विभाग का मंत्री; अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए फिर से निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री संदीपान आसाराम भुमरे

जन्म : १३ जुलाई १९६३। **जन्म स्थान :** पाचोड बुद्रुक तालुका -पैठण ,जिला -औरंगाबाद । **शिक्षा :** एस. एस. सी.। **भाषा ज्ञान :** मराठी ,हिंदी ,अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन** – विवाहित ,पत्नी श्रीमती पुष्पा । **संतान :** एक बेटा ,दो बेटियां , **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी :** शिवसेना । **विधानसभा क्षेत्र :** ११० पैठण ,जिला-औरंगाबाद

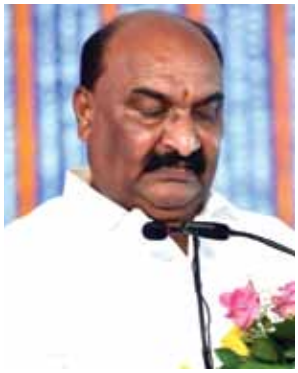

अन्य जानकारी : साक्षरता अभियान में सहभागिता ,ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक विद्यालय खोलने के प्रयास किये; वंचित और उपेक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को दर्जेदार शिक्षा और उनके हक की शिक्षा दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किये, युवाओं के संगठन बनाकर उसके माध्यम से उन्हें उद्यमशील और सामाजिक दृष्टि से जागरुक करने के विशेष प्रयास किये ,महिलाओं का सक्षमीकरण हो समाज से दहेज.जैसी कुप्रथा का उन्मूलन हो इसके लिए दहेज.विरोधी आंदोलन चलाया, सामूहिक विवाहों का आयोजन ;ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को प्रोत्साहन ;नाट्य स्पर्धा ,कबड्डी, क्रिकेट ,वॉलीबाल स्पर्धाओं का आयोजन ,लेजिम पथक व व्यायामशाला शुरु की; १९८१ से शिवसेना शाखा प्रमुख व सर्कल प्रमुख, पाचोड; १९८९-९४ सदस्य ग्राम पंचायत पाचोड ; १९९२-९४ उप सभापति ,पंचायत समिति पैठण; संचालक औरंगाबाद जिला मध्यवर्ती बैंक, १९९३-२०१४ संचालक ,संत एकनाथ सहकारी शुगर कारखाना, पैठण, १९९५-९९,१९९९-२००४, २००४-२००९, २०१४ -२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, अक्टूबर २०१९ में फिर से विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री शामराव उर्फ़ बालासाहब पांडुरंग पाटिल

जन्म : २९ जुलाई १९६१ । **जन्म स्थान :** कराड, जिला -सातारा । **शिक्षा :** एफ़.वाई.बी.ए.
भाषा ज्ञान : मराठी ,हिंदी ,अंग्रेजी
दांपत्य जीवन – विवाहित ,पत्नी श्रीमती जयमाला
संतान : एक बेटा । **व्यवसाय :** कृषि व सामाजिक कार्य । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

विधानसभा क्षेत्र : २५९ कराड (उत्तर),जिला-सातारा

अन्य जानकारी :किसानों और गणना तोड़ने वाले मजदूरों के कल्याण के लिए विविध उपक्रमों के माध्यमसे निरंतर प्रयत्नशील ;कृषि के आधुनिकीकरण के लिए प्रयत्नशील ;कृषि में उत्पादन खर्च कम हो और उत्पादकता बढे.इसके लिए प्रयासरत ;वंचित और उपेक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को उनके अधिकार और दर्जेदार शिक्षा मिले ,इसके लिए विविध संस्थाओं के माध्यम से कार्यरत , युवाओं और महिलाओं का सक्षमीकरण हो इसके लिए विविध संगठनों के माध्यम से कार्यरत, ग्रामीणक्षेत्रों की समस्याएं सुलझाने के लिए प्रयासरत; किसान व मजदूरों को उनका हक मिले, खेती और कुटीर उद्योग में निवेश बढे इसके लिए संस्थात्मक कार्य;बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए प्रयासरत; २००८ से अध्यक्ष -सहयाद्री शिक्षण संस्था, यशवंतनगर ; २००२ से अध्यक्ष -महाराष्ट्र एज्युकेशन संस्था, कराड; १९९४ से गवर्निंग काउंसिल सदस्य, शिक्षण मंडल; २००५ से ट्रस्टी वेणुताई चव्हाण चेरिटेबल पब्लिक ट्रस्ट कराड; २०१३ से अध्यक्ष -श्री शिवाजी एज्युकेशन सोसायटी ,कराड, २०१४ से अध्यक्ष -यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान, मुंबई विभागीय केंद्र कराड; १९९२ से संचालक व १९९६ से चेयरमेन सहयाद्री सहकारी शुगर कारखाना, यशवंतनगर; इस कारखाने ने राष्ट्रीय शुगर संघ का १९९८-९९ का केन डवलपमेंट का दूसरे क्रमांक का पुरस्कार जीता, २०११-१२ का उत्कृष्ट आर्थिक प्रबंधन का प्रथम क्रमांक का पुरस्कार जीता जबकि केन डवलपमेंट का तीसरे क्रम का पुरस्कार हांसिल किया। १९९४-९६ चेयरमेन सहयाद्री गन्ना उत्पादक और तोड़नी वाहतुक संस्था; अध्यक्ष -पी. डी. पाटिल सहकारी बैंक लि., कराड; चेयरमेन संजीवनी नागरिक पतसंस्था, कराड, चेयरमेन, कृष्णाई सहकारी दूध उत्पादक संस्था, कराड, २०१० से संचालक राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ, मुंबई, १९९२-९९ तक कांग्रेस पार्टी का कार्य, १९९९ से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का कार्य, १९९९-२००४, २००४-२००९, २००९-२०१४, २०१४-२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, २०१२-१४ विधानसभा प्रमुख अंदाज समिति का सदस्य, अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

विदेश यात्राएं: मॉरीशस, ब्राजील, इंग्लैंड, इटली, आस्ट्रेलिया, सिनागपुर आदि देशों का अभ्यास दौरा।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

एडवोकेट यशोमति ठाकुर (सोनवणे)

जन्म : १७ मई १९७४। **जन्म स्थान :** अमरावती।
शिक्षा : बी.ए., एल. एल. बी.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी।
दांपत्य जीवन : विवाहित, पति राजेश सोनवणे।
व्यवसाय : कृषि ।
पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई)।
विधानसभा क्षेत्र : ३९ तिवसा, जिला-अमरावती।

अन्य जानकारी :१९८९ ड्यूक ऑफ़ एडनबर्ग का कांस्य पदक, ऑल इंडिया एनसीसी के बेसिक लीडरशिप कैम्प की निशानेबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता; १९९४ में दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया; ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा में गुणवत्ता व विकास के लिए गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री का वितरण व ग्रामीण क्षेत्र की २६२ माध्यमिक पाठशालाओं के पुस्तकालयों में विभिन्न उपयोगी विषयों की पुस्तकें वितरित की। बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर उनमें गुणात्मक परिवर्तन करने का प्रयास, ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं व बच्चों की दैनंदिन समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास; समाज के गरीब व जरूरतमंद लोगों को क़ानून विषयक सलाह देकर उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सतत प्रयास करना, भूकंप पीड़ितों को मदद, विविध सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर समाज प्रबोधन से सम्बंधित महत्वपूर्ण कार्य; बच्चों में संगठन की भावना बढ़ाने के लिए खेलों का मार्गदर्शन, तरुणों में खेल की प्रवृति विकसित करने तथा उनमें से अच्छे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और अवसर प्रदान करने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना; गरीब मरीजों को स्वास्थ्य सेवा मिले इसके लिए विविध माध्यमों से मदद, ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की अधिक उन्नति तथा उनके सक्षमीकरण के लिए महिला बचत समूहों का अभियान चलाया रुक्मिणी का माहेर श्री क्षेत्र कौंडण्यपुर का विकास कर कार्तिकी एकादशी के दिन वंहा पर सरकारी पूजा का आयोजन शुरु करवाया। संत तुकडोजी महाराज और संत गाडगेबाबा की कर्मभूमि व निर्वाण भूमि का सर्वांगीण विकास किया; २००४-०८ महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस, २००७ से सचिव महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कानूनी सलाह समिति; २००८ से महासचिव अखिल भारतीय युवक कांग्रेस कमिटी; २०१० से २०१४ महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी, २००४ से सदस्य महाराष्ट्र राज्य महिल आयोग; २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

एडवोकेट अनिल दत्तात्रय परब

जन्म : ३१ दिसंबर १९६४। **जन्म स्थान :** मुंबई। **शिक्षा :** बी. कॉम. एल. एल. बी. ।
भाषा ज्ञान : मराठी, हिंदी, अंग्रेजी।
दांपत्य जीवन – विवाहित ,पत्नी श्रीमती सुनिता।
संतान : दो बेटियां। **व्यवसाय :** उद्योग ।
पार्टी : शिवसेना । महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों द्वारा निवार्चित ।

अन्य जानकारी : संगठन के माध्यम से सामाजिक व सांस्कृतिक कार्य ,गरीब व जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण; गरीब मरीजों को स्वास्थ्य सेवा मिले इसके लिए तत्पर; दही हंडी, गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से तरुणों में संगठन कौशल्य विकसित करना, उनमें से अनेक प्रतिभावान को प्रोत्साहन मिले तथा उनमें सामाजिक कार्यों के प्रति जानकारी बढ़ाने के लिए प्रयासरत; स्वास्थ्य जांच, रक्तदान शिविर, गरीब और वंचित लोगों को निःशुल्क कानूनी सलाह देकर उनका हक उन्हें दिलाने का प्रयास करना; विविध खेल स्पर्धाओं के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन; बांद्रा स्थित सरकारी कॉलोनी की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास, प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन शिविरों का आयोजन ;२००१ से शिवसेना विभाग प्रमुख, पार्टी की क़ानून सम्बन्धी मामलों की जवाबदारी, पार्टी के सभी आन्दोलनों में सक्रियता से हिस्सा लेना, २००४–२०१०, २०१२ –२०१८ सदस्य महाराष्ट्र विधान परिषद ,जुलाई २०१८ में विधान परिषद के लिए फिर से निवार्चित, विधान परिषद में लोगों से जुड़े विविध सवालों को उठाकर उनके हल निकालने का प्रयास; विधान परिषद में एक अभ्यासु और राज्य के मुद्दों की और राज्य के महत्व की अच्छी जानकारी रखने इसके साथ साथ मुंबई महानगर के विभिन्न सवालों को सुलझाने के लिए प्रयासरत; मुंबई की झोपड़पट्टी और उपेक्षित पडी बस्तियों को विकसित करने के लिए निरंतर आवाज उठाने वाले नेता के रूप में पहचान। विद्यार्थी जीवन से ही विद्यार्थी संगठन में काम करने वाले श्री. परब युवाओं के संगठन के माध्यम से विविध सामाजिक व सांस्कृतिक कार्य किये हैं। शहरी समस्याओं की जानकारी रखने वाले श्री.परब द्वारा उन समस्याओं को लेकर जो उपाय सुझाएँ हैं वे भी महत्वपूर्ण हैं। वंचित और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहने वाले श्री.परब का लोगों से मजबूत जन संपर्क है।

श्री उदय रविंद्र सामंत

जन्म : २६ दिसंबर १९७५। **जन्म स्थान :** गोवा। **शिक्षा :** डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन –** विवाहित, पत्नी श्रीमती जया । **संतान :** दो बेटियां । **व्यवसाय :** कृषि व व्यापार । **पार्टी :** शिवसेना । **विधानसभा क्षेत्र :** २६६ रत्नागिरी ,जिला रत्नागिरी

अन्य जानकारी : अध्यक्ष -रत्नागिरी जिला क्रिकेट एसोसिएशन, श्री साई अनिरुद्ध एज्युकेशन सोसायटी (अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था व महाविद्यालय शुरु किया) पाली क्षेत्र में विविध कार्यकारी सोसायटी व रत्नागिरी जिला कला व सांस्कृतिक कलाकार संगठन; उपाध्यक्ष रत्नागिरी ऑटो चालक -मालिक संगठन ;संस्थापक शांता दुर्गा नागरिक सहकारी पतसंस्था, रत्नागिरी; २०००–२००३ अध्यक्ष -रणजीत ग्रामीण गैर कृषि सहकारी पतसंस्था व लोकमान्य ग्राहक सहकारी संस्था, पाली; संस्थापक सदस्य अभिनव रोजगार सेवा सहकारी संस्था; संस्थापक ज्ञान ज्योति सार्वजनिक पुस्तकालय, पाली; मुख्य प्रवर्तक, नियोजित रत्नागिरी स्वयं रोजगार सेवा सहकारी संस्था फेडरेशन; सलाहकार -सहयाद्री स्वयं रोजगार सेवा सहकारी संस्था; संस्थापक -श्री लक्ष्मी पल्लीनाथ ग्राहक सहकारी संस्था व नियोजित रत्नागिरी तालुका दिव्यांग पुनर्वसन सेवा संस्था लि.; २००० में रत्नागिरी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से खादी ग्रामोद्योग शिविर का आयोजन; छाते क्लासेस के विरुद्ध आंदोलन में सहभाग; जयहिंद संस्था स्थापित कर उसके माध्यम से रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन, जिला स्तरीय जाखड़ी प्रतियोगिता का आयोजन, गरीब मरीजों की मदद; स्वामी विवेकानंद व्याख्यान माला का आयोजन ; जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री का वितरण; गरीब और जरूरतमंद लोगों को दीपावली के अवसर पर नि:शुल्क फराळ सामग्री का वितरण; वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन; अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन; स्वतंत्रता सैनानियों व प्रतिभावान विद्यार्थियों का सत्कार समारोह का आयोजन; रत्नागिरी जिले के ८० गावों में युवक जोड़ो कार्यक्रम का आयोजन; श्रमदान

के माध्यम से खानू, जोयशी वाडी, पाथरट, पावस, तोंणदे व कशेली गांव में बाँध बनाया ;नाचणे गांव की नल से पेयजल आपूर्ति योजना के लिए जीवन प्राधिकरण कार्यालय पर आंदोलन किया; पूर्णगड में चक्रवात से पीड़ित लोगों को मदद; जिला स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन; कोंकण रेल्वे प्रकल्पग्रस्तों की समस्याओं को सुलझाने के लिए प्रयास; न्यू इंग्लिश हाई स्कूल पाली ,माध्यमिक विद्या मंदिर नाणीज अ.आ. देसाई है स्कूल, हातखंबा, नई इंग्लिश स्कूल टेंभे, आदर्श विद्या मंदिर, कुरतडे, महालक्ष्मी माध्यमिक विद्या मंदिर, खेडशी व जागुष्टे माध्यमिक हाई स्कूल, कुवारबांव विद्यालयों को कम्पयूटर सॉफ्ट वेयर उपलब्ध कराया। सदस्य अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद नियामक मंडल, मुंबई; अध्यक्ष अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद, रत्नागिरी शाखा ; बाल महोत्सव, नाट्य स्पर्धा ,एकांकी स्पर्धा व रंग सम्मलेन का आयोजन; २००३–०४ का महाराष्ट्र पत्रकार संघ का 'कोंकण रत्न पुरस्कार' २००४–०५ में रमज. ान मुबारक की तरफ से युवा रत्न पुरस्कार; २००७ में द प्राइड ऑफ़ इण्डिया का भास्कर पुरस्कार,२०१३ में कोंकण मराठी साहित्य परिषद का साहित्य मित्र सम्मान पुरस्कार मिला; १९९६-९९ तक एनएसयूआई के कार्यक्रमों में सक्रीय भागीदारी, फरवरी १९९५ से मई १९९९ तक उपाध्यक्ष, जिला युवक कांग्रेस ;१९९९–२००० में महासचिव ,जुलाई २०१० से २०१२ तक अध्यक्ष -महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस; १९९६–९९ में अध्यक्ष पाली युवा मंच ;१९९९–२००१ निरीक्षक, कोल्हापुर जिला राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस; २००२–२००३ अध्यक्ष रणजीत ग्रामीण सहकारी पतसंस्था, पाली ;अध्यक्ष रत्नागिरी जिला राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस ;२०१४ से शिवसेना का कार्य शुरु किया। २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा ; ११ जून २०१३ से सितम्बर २०१४ तक नगरविकास, वन, विधि व न्याय, बंदरगाह और मत्स्य व्यवसाय विभाग का राज्यमंत्री। विधानसभा की रोजगार गारंटी व पंचायत राज समिति का सदस्य; अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा का सदस्य चुना गया।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

एडवोकेट के. सी. पाडवी

जन्म : ३ मार्च १९५७। **जन्म स्थान :** असली, तालुका -अक्राणी महाल, जिला -नंदुरबार। **शिक्षा :** बी.ए.,एल. एल. एम. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी व आदिवासी भाषा । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती हेमलता । **संतान –**एक बेटा -एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि व वकालत । **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) । **विधानसभा क्षेत्र :** १, अक्कलकुवा (अनुसूचित जनजाति) , जिला-नंदुरबार।

अन्य जानकारी : संस्थापक अध्यक्ष -अखिल भारतीय विद्यार्थी संगठन; अध्यक्ष - सातपुडा मानव मुक्ति केंद्र, असली अस्तंबा; अध्यक्ष -माता मोगरा शिक्षण संस्था, असली। इस

संस्था के माध्यम से आदिवासी क्षेत्र में दो आश्रम शाला, तीन हाई स्कूल चलाये जाते हैं। आदिवासी समाज में जागृति के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन और संगठनात्मक कार्यों पर बल; होली -दीवाली महोत्सवों का आयोजन; चेयरमेन -द हिलवॉली फ़ूड एंड फ्रूट प्रोसेसिंग को ऑपरेटिव सोसायटी लि. असली, तालुका अक्राणी, जिला नंदुरबार; १९९० तक जनता दल का कार्य ,१९९१ केबाद कांग्रेस पार्टी का कार्य ,१९९०–९५, १९९५–९९, १९९९–२००४, २००४–२००९, २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा। अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री शंकरराव यशवंतराव गडाख

जन्म : २६ मई १९७०। **शिक्षा :** बी.कॉ.म.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **पार्टी :** शिवसेना। **विधानसभा क्षेत्र :** २२१ नेवासा

अन्य जानकारी : विधानसभा सदस्य अक्टूबर २००९ से २०१४ तक; संचालक अहमदनगर जिला सहकारी बैंक लि., २००७ से २०१६; चेयरमेन अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक लि. २००७-२००८; चेयरमेन मुळा सहकारी शक्कर कारखाना लि., सोनई; संस्थापक मुळा बाजार' मुळा मध्यवर्ती सहकारी ग्राहक संस्था लि. सोनई, संस्थापक -नेवासा तालुका सहकारी दूध संघ लि. सोनई; ट्रस्टी -मुळा एज्युकेशन सोसायटी, सोनई; तालुका के सिंचाई के पानी व बिजली के समय -समय पर आंदोलन किये; नेवासा तालुका मार्केट कमिटी घोडेगांव उप परिसर में किसानों की सुविधा के लिए बड़ा कांदा मार्केट शुरु; पांढरीपुल एमआईडीसी कार्यरत लिए सतत प्रयास; जिले में सवार्धिक महिला बचत समूहों का संगठन बनाया ,जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद के कार्यकाल में कृषि, शिक्षा व महिला बचत समूहों के लिए सुवर्ण महोत्सवी निर्णय लेने में अग्रणी भूमिका निभाई ; मुळा कारखाने में ३० मेगावॉट क्षमता का बिजली उत्पादन केंद्र शुरु करने में अग्रणी भूमिका, मुळा कारखाने के अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान लगातार दो साल त. ड. ख. से उत्कृष्ट आर्थिक प्रबंधन का पुरस्कार; २००३ के अकाल के दौरान ६००० जानवरों के लिए चारा छावनियां चलाई; संगठनात्मक कार्यों के लिए समय -समय पर किसान व युवा सम्मेलनों का आयोजन किया। अपने नियंत्रण के अधीन संस्थाओं के माध्यम से प्रभावी जन संपर्क ;सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से मुलाक़ात कर उनकी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास किया व उसके लिए अलग से जन संपर्क कार्यालय शुरु किया।

श्री असलम रमजान अली शेख

जन्म : ५ नवंबर १९६८ । **जन्म स्थान :** मुंबई । **शिक्षा :** आठवीं । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती व उर्दू। **दांपत्य जीवन** – विवाहित, पत्नी श्रीमती रिजवाना । **संतान :** एक बेटा -दो बेटी। **व्यवसाय :** सामाजिक कार्य

पार्टी : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई)

विधानसभा क्षेत्र : १६२, मलाड (प.), जिला- मुंबई उपनगर

अन्य जानकारी : अध्यक्ष -विजन फाउंडेशन, मुंबई; सचिव रमजान अली इंग्लिश हाई स्कूल और कनिष्ठ महाविद्यालय; गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मदद, विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण; २००२ से २०१२ नगरसेवक, २००७–२००८ अध्यक्ष पी. उत्तर प्रभाग समिति, महानगरपलिका, मुंबई; कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यक्रमों में सक्रियता के साथ हिस्सा लिया; २००९–२०१४, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री आदित्य उद्धव ठाकरे

जन्म : १३ जून १९९०। **जन्म स्थान :** मुंबई । **शिक्षा :** बी. ए., एल. एल. बी.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** अविवाहित। **पार्टी :** शिवसेना । **विधानसभा क्षेत्र :** १८२ वरळी

अन्य जानकारी : वरळी विधानसभा क्षेत्र से २०१९ में विजयी। वर्तमान में युवा सेना प्रमुख और २०१७ में मुंबई जिला फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष, साल २००७ में My Thoughts In White And Black नामक कविता संग्रह का प्रकाशन, उम्मीद नामक एक एलबम के लिए आठ गाने लिखे, विद्यार्थी जीवन से ही अपनी नेतृत्व शैली की छाप छोड़ते हुए राजनीति में अपने नेतृत्व गुण को सिद्ध करते हुए युवाओं के सवालों को सही तरीके से रखते हुए उनके हक दिलाने का कार्य बड़ी कुशलता से कर रहे हैं। अपनी विशेष कार्य शैली से शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए वे सतत प्रयासरत रहते हैं। शैक्षणिक सुधारों के साथ -साथ वे युवाओं के रोजगार के लिए भी प्रयासरत रहते हैं। स्कूली विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अपना विशेष योगदान देते वे तकनीक पर आधारित शिक्षा पद्धति को अंगीकार करने के लिए विशेष बल देते हैं। २३ जून २०१८ से शिवसेना नेता; अक्टूबर २०१९ में विधानसभा के लिए चुने गए। युवाओं के साथ -साथ किसानों ,मजदूरों के विकास के लिए भी सतत प्रयत्नशील हैं।

राज्यमंत्री

श्री अब्दुल नबी सत्तार

जन्म : १ जनवरी १९६५। **जन्म स्थान :** सिल्लोड, जिला -औरंगाबाद

शिक्षा : बी. ए.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती न. फीजा बेगम । **संतान :** ७ (दो बेटे -पांच बेटियां)। **व्यवसाय :** व्यापार । **पार्टी :** शिवसेना । **विधानसभा क्षेत्र :** १०४ सिल्लोड, औरंगाबाद।

अन्य जानकारी : अध्यक्ष -नॅशनल एज्युकेशन संस्था; अध्यक्ष -प्रगति शिक्षण संस्था; अध्यक्ष -प्रियदर्शिनी क्रीड़ा मंडल सिल्लोड; सार्वजनिक गणेशोत्सव व रक्तदान शिविरों का आयोजन, आदिवासी व दलित समाज के लिए सामूहिक विवाहों का आयोजन; किल्लारी -जिला -लातूर गुजरात के भुज में भूकंप पीड़ितों को मदद कार्य ,मोहाडी बाढ.पीड़ितों को मदद; १९८४ से १९९० सदस्य ,ग्राम पंचायत सिल्लोड; ५ मार्च १९९४ से ९ जनवरी १९९६, २९ अगस्त १९९८ से ४ मार्च १९९९ व १५ फरवरी २००० से ६ सितम्बर २००१, अध्यक्ष नगरपरिषद सिल्लोड; चेयरमेन विविध कार्य सेवा सोसायटी, सिल्लोड; संचालक -म्हसोबा महाराज तेल बीज उत्पादक सहकारी संस्था ; संचालक -दूध उत्पादक सहकारी संस्था, सिल्लोड, संचालक -औरंगाबाद जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक; २००१ -२००६ सदस्य महाराष्ट्र विधानपरिषद, अक्टूबर २००९-२०१४ ,२०१४-२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, २ नवंबर २००९ से दिसंबर २०१० तक अन्न व नागरी आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण और सार्वजनिक निर्माण विभाग का राज्यमंत्री, २ जून २०१४ से सितम्बर २०१४ तक पशु संवर्धन ,दुग्ध विकास व मत्स्य व्यवसाय विभाग का मंत्री। अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निर्वाचित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री सतेज उर्फ़ बंटी डी. पाटिल

जन्म : १२ अप्रैल १९७२। **जन्म स्थान :** क़स्बा बावडा , तालुका -करवीर , जिला -कोल्हापुर । **शिक्षा :** डी. बी.ए.। **भाषा ज्ञान :** मराठी ,हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती प्रतिमा। **संतान :** एक बेटा -एक बेटी। **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई)। **विधानपरिषद क्षेत्र :** कोल्हापुर स्थानिक प्राधिकारी संस्था

अन्य जानकारी : १९९२ -९३ अध्यक्ष -शिवाजी विश्विद्यालय छात्र परिषद, २००४-२०१० सीनेट सदस्य शिवाजी विश्विद्यालय, कोल्हापुर; चेयरमेन पद्मश्री डॉ.डी. वाई.पाटिल सहकारी शुगर कारखाना लि. गगनबावडा; अध्यक्ष श्री मौनी विश्विद्यालय, गारगोटी व हनुमान भक्त मंडल, कसबा बावडा; उपाध्यक्ष डॉ. डी.वाई.पाटिल एज्युकेशन सोसायटी पुणे व कोल्हापुर; उपाध्यक्ष कोल्हापुर डिस्ट्रिक्ट एम्योचोर बॉक्सिंग एसोसिएशन, कोल्हापुर; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) पार्टी का कार्य : जांबुसर जिला -मरोच, गुजरात का पार्टी निरीक्षक ,संचालक -कोल्हापुर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक, सलाहकार -टेलीफोन एडवाइजरी कमिटी सदस्य -वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे; श्रीराम सेवा सोसायटी के कार्य : डी. वाई. पाटिल चिकित्सालय के माध्यम से गरीब मरीजों को मदद; स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन; करवीर तालुका में एक ही दिन में १० हजार वृक्ष लगाए; कोल्हापुर जिले के बाढ.पीड़ितों को मदद कार्य; डी. वाई. पाटिल शिक्षण संकुल के माध्यम से रक्तदान शिविर का आयोजन; महिला प्रशिक्षण शिविरों का; एड्स जन जागरण कार्यक्रम का आयोजन; गरीब व जरूरतमंद विद्यार्थी दत्तक योजना; व्यक्तित्व विकास शिविर; प्रतिभावान विद्यार्थियों का सत्कार, व्यक्तित्व विकास के लिए विद्यार्थियों के लिए विविध उपक्रमों का आयोजन; अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को मदद; जिला परिषद व महानगरपालिका के विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्रियों का वितरण; भारतीय संस्कृति की संयुक्त परिवार संस्कृति को बचाने और प्रोत्साहन देने के लिए ट्रस्ट व फायटर्स स्पोर्ट्स क्लब की तरफ से प्राध्यापक संजय देसाई के स्मरणार्थ आदर्श संयुक्त परिवार पुरस्कार २००२ से शुरु किया गया। महिला बचत समूहों को प्रोत्साहन व मार्ग दर्शन करने के लिए महिला महोत्सव का आयोजन ; विवाह पूर्व एड्स की जांच के लिए सरकार सख्ती बरते इसे लेकर प्रयास किये ;जन्मदिन के अवसर पर प्रोत्साहन देने के लिए विद्यार्थियों को पुस्तकें बांटने में २०१४ में लिम्का बुक ऑफ़ रिकार्ड में नाम दर्ज कराया तथा २०१६ में वर्ल्ड रिकार्ड ऑफ़ इण्डिया में नाम दर्ज हुआ। २००४-२००९, २००९-२०१४ में सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा। २०१० से २०१४ गृह, ग्राम विकास, अन्न और औषधि प्रशासन व फलोत्पादन विभाग का राज्यमंत्री। जनवरी २०१६ में महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए निर्वाचित।

श्री शंभूराज शिवाजीराव देसाई

जन्म : १७ नवम्बर १९६६ ।

जन्म स्थान : मुंबई । **शिक्षा :** बी. कॉम.

भाषा ज्ञान : मराठी, हिंदी, अंग्रेजी

दांपत्य जीवन – विवाहित, पत्नी श्रीमती स्मिता देवी । **संतान :** एक बेटा -एक बेटी । **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी** : शिवसेना

विधानसभा क्षेत्र : २६१ -पाटण ,जिला सातारा

अन्य जानकारी : १९८६ से प्रमुख ट्रस्टी दौलत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था ;मोरणा शिक्षण संस्था लि., दौलतनगर, मरली, तालुका पाटण -इस संस्था के माध्यम से पॉलिटेक्निक कॉलेज, जूनियर व सीनियर कॉलेज तथा इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरु किया है; स्वास्थ्य शिविर व वृक्षारोपण के कार्यक्रम का आयोजन ; ग्रामीण पहाड़ी भागों में स्वास्थ्य सेवा का कार्य शुरु किया; १९८६ से संचालक व १९८६–९६ तक चेयरमेन, १९९६–२०१४ तक मार्गदर्शक -संचालक। लोकनेता बालासाहब देसाई सहकारी शुगर कारखाना, लि. दौलतनगर, मरली, तालुका पाटण, जिला-सातारा; सहकार क्षेत्र में १९ वे साल में एशिया में सबसे कम उम्र के चेयरमेन के रूप में चयन; २००० संस्थापक, शिव दौलत सहकारी बैंक, मल्हार पेठ; सदस्य नॅशनल फेडरेशन ऑफ़ शुगर, नयी दिल्ली; २००२–२००४ केंद्रीय प्रतिनिधि बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र; संचालक महाराष्ट्र राज्य सहकारी शक्कर कारखाना संघ;१९८६ से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय; १९९७ से पाटण तालुका में शिवसेना का संगठनात्मक कार्य; १९९२-९७ सदस्य पंचायत समिति, पाटण,१९९२-२००२ सदस्य, जिला परिषद, सातारा; २००४-२००९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; सदस्य ग्राम पंचायत समिति ,राष्ट्रकुल संसदीय मंडल की महाराष्ट्र शाखा की तरफ से २००७-२००८ का उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार, भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा ताई पाटिल के हाथों से देकर सत्कार किया गया। २०१४-२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा, अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री ओमप्रकाश उर्फ़ बच्चू बाबाराव कडु

जन्म : ५ जुलाई १९७०। **जन्म स्थान :** बेलोरा तालुका, चांदूर बाजार, जिला -अमरावती। **शिक्षा :** बी. कॉम.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती नयना । **संतान :** एक बेटा । **व्यवसाय :** कृषि। **पार्टी :** निर्दलीय । **विधानसभा क्षेत्र :** ४२ -अचलपुर, जिला -अमरावती

अन्य जानकारी : ८ वीं कक्षा में पढाई करते समय ही गांव में तमाशा बंदी का आंदोलन ;१९९४ में स्कूली विद्यार्थियों के प्रवेश को लेकर आंदोलन ;कपास और बिजली की समस्या को सुलझाने के लिए डेरा आंदोलन ;आदिवासियों की जमीन को लेकर अर्ध दफ़न आंदोलन; अपने शादी के खर्च में बचत कर २५० दिव्यांगों की शादी समारोह में तीन पहिया सायकल व कृत्रिम अंगों का वितरण किया ,विद्यार्थियों के लिए पुस्तक बैंक योजना तैयार की; पूर्ण उत्सव के दौरान विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन; विदर्भ स्तरीय कुश्ती व कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन; १५०० हृदय रोग के मरीजों को दत्तक लेकर उनका उपचार व शल्य क्रिया करवाई; २०० ब्रेन ट्यूमर के मरीजों का मुंबई में उआपचार; १०० कैंसर पीड़ित मरीजों का उपचार व उनकी मदद; २००० मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया; १००० रक्तदान शिविरों का आयोजित कर १५००० यूनिट रक्त के. ई.एम. चिकित्सालय, मुंबई, जनरल हॉस्पिटल अमरावती व मेडिकल कालेज नागपुर स्थित रक्त बैंकों को उपलब्ध कराया; स्वयं ने ७० बार रक्तदान किया; दिव्यांगों को सायकल वितरण ;१९८९–९२ भारतीय विद्यार्थी सेना प्रमुख; १९९२–९८ शिवसेना तालुका प्रमुख, संस्थापक अध्यक्ष -प्रहार विद्यार्थी संगठन, सदस्य -सत्यशोधक बहु उद्देशीय संगठन टोंगलापुर तालुका -चांदूर बाजार,जिला-अमरावती; संस्थापक -प्रहार कामगार संगठन, प्रहार महिला दूध उत्पादक संघ, प्रहार कृषि कृषि प्रक्रिया निर्यातदार संस्था, प्रहार औद्योगिक विकास संस्था, बेलोरा, तालुका चांदूर बाजार, जिला-अमरावती, संस्थापक -प्रहार युवा शक्ति संगठन, १९९९ में प्रहार संगठन पार्टी की तरफ से उल्लेखनीय सामाजिक कार्य के लिए २०१३–२०१४ का सहयाद्री चैनल का आर्य चाणक्य पुरस्कार; एमआईटी का उत्कृष्ट लोक प्रतिनिधि पुरस्कार; महाराष्ट्र सरकार की तरफ से २०११–१२ का रक्त मित्र पुरस्कार से सम्मानित, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद व नगर परिषद में ९६ सदस्यों को निवार्चित कराकर लाने का सौभाग्य १९९३–९८ सदस्य -ग्राम पंचायत; १९९७ से २००२ सदस्य व १९९७ –९८ सभापति -पंचायत समिट, चांदूर बाजार; १९९७–९८ सदस्य जिला परिषद अमरावती; २००४–२००९, २००९–२०१४ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; सदस्य विधानसभा पंचायत राज समिति, ग्रंथालय समिति; २०१४-२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा; अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १३ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

डॉ. विश्वजीत पतंगराव कदम

जन्म : १३ जनवरी १९८१। **शिक्षा :** बी. ई. ,एम. बी. ए. ,पी. एच. डी.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती स्वपनाली। **व्यवसाय :** सामाजिक कार्य -शिक्षा । **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) । **विधानसभा क्षेत्र :**पलुस कडेगांव

अन्य जानकारी : कार्यवाह -भारतीय विद्यापीठ; महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्याध्यक्ष पद पर साल २०१९ से कार्यरत, रैयत शिक्षण संस्था के संचालक मंडल सदस्य के रूप में मनोनयन, साथ ही संस्था के कार्यकारी मंडल (एक्जीक्यूटिव काउन्सिल) में चयन, उप कुलपति भारतीय विद्यापीठ अभिमत विश्विद्यालय, लम्बे अरसे से सोनहीरा सहकारी शुगर कारखाने और सागरेश्वर सहकारी सूत गिरणी, कडेगांव, जिला-सांगली के संचालक पद कार्य कर रहे हैं; वेस्टर्न इण्डिया फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष, पुणे -जिला फुटबाल एसोसिएशन के निवार्चित अध्यक्ष, फुटबाल की विविध प्रतियोगिताएं आयोजित करने वाले देककन इलेवन नामक देश के प्रतिष्ठित संगठन से सम्बद्ध हैं; युवक कांग्रेस के चुनाव में पहली बार सितम्बर २०११ व दूसरी बार जनवरी २०१४ में महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर बहुमत से चुने गए। डॉ. विश्वजीत कदम ने २७ शाखाओं वाले भारती सहकारी बैंक लि. पुणे जिसे मल्टीस्टेट शेड्यूल बैंक का दर्जा हांसिल है का अनेक सालों तक कामकाज संभाला है; अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए. आई. सी. टी. ई.), नयी दिल्ली -भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से बनायी गयी इस संस्था के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। भारत सरकार के अन्न प्रक्रिया उदयोः व्यवसाय विभाग के भारतीय द्राक्ष प्रक्रिया मंडल के अध्यापन, संशोधन, हॉस्पिटलिटी व्यवसाय आदि के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया; भारत सरकार के मानव संसाधन विभाग के अन्तर्गत उप शिक्षण विभागान्तर्गत योजना आयोग के तकनीकी विज्ञान विषयक प्रशिक्षु समूह का सदस्य; शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्य करने वाले अभिजीत कदम मेमोरियल फाउंडेशन के प्रबंधक ट्रस्टी। २०१८ के उप चुनाव में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुने गए। अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

श्री दत्तात्रय विठोबा भरणे

जन्म : १ जून १९६८। **जन्म स्थान :** अथुर्णे, जिला -सातारा। **शिक्षा :** बी.कॉम.। **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती सारिका। **संतान :** एक बेटा। **व्यवसाय :** कृषि । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी। **विधानसभा क्षेत्र :** २०० इंदापुर

अन्य जानकारी :१९९२ से संचालक, २००३–२००८ चेयरमेन श्री छत्रपति सहकारी शुगर कारखाना ,भवानी नगर, इंदापुर; १९९६ से संचालक, २००२–२००३ चेयरमेन, पुणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक; १९९१-९९ तक कांग्रेस पार्टी का कार्य; १९९९ के बाद से राष्ट्रवादी कांग्रेस का कार्य; २०१२–२०१४ सदस्य व मार्च २०१२ से सितम्बर २०१४ तक अध्यक्ष, जिला परिषद पुणे। इस कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने के लिए समाज कल्याण विभाग का २०१३ का दिव्यांग कल्याण पुरस्कार मिला, २०१४–२०१९ सदस्य महाराष्ट्र विधानसभा। अक्टूबर २०१९ में फिर से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

संदर्भ : १२ वीं महाराष्ट्र विधानसभा सदस्यों का संक्षिप्त जीवन परिचय

सुश्री आदिती सुनील तटकरे

शिक्षा : बी.ए. ,मास्टर ऑफ़ आर्ट्स। **भाषा ज्ञान :** मराठी ,हिंदी ,अंग्रेजी।

पार्टी : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

विधानसभा क्षेत्र : १९३ श्रीवर्धन

अन्य जानकारी : जयहिंद कालेज में २००२–२००९ तक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। यूपीएससी परीक्षाओं के लिए २००२–२००९ तक पर्यवेक्षक के रूप में काम किया। २००२–२००९ से

सामाजिक व राजनीतिक कार्यों में सहभाग। साल २०१२ में राष्ट्रवादी युवती कांग्रेस में शामिल तथा कोंकण विभाग समन्वयक के रूप में काम किया। २३ फरवरी २०१७ को वरसे स्थित रहा ग्रुप से रायगड जिला परिषद सदस्य ;२१ मार्च २०१७ को रायगड जिला परिषद की अध्यक्ष के रूप में निवार्चित। २५ नवम्बर २०१९ तक रायगड जिला परिषद की अध्यक्ष। अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा की सदस्य के रूप में चुनी गयी।

श्री संजय बाबूराव बनसोडे

जन्म : १जुलाई १९७३ । **शिक्षा :** १२वीं । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **दांपत्य जीवन :** विवाहित, पत्नी श्रीमती शिल्पा। **व्यवसाय :** कृषि, राजनीति। **पार्टी :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई)। **विधानसभा क्षेत्र :** २३७ उदगीर (अनुसूचित जाति)

अन्य जानकारी :अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य जे रूप में निवार्चित; ग्रामीण स्तर पर विशाल जन संपर्क, आम आदमी की समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत, युवाओं का संगठन बनाकर गांव के स्तर पर परिवर्तन करने के लिए प्रयास; विद्यार्थी संगठन में कार्य करते समय विविध समस्याओं को सुलझाने के लिए विशेष प्रयास किये; ग्रामीण महाराष्ट्र की वास्तविक स्थिति की जानकारी रखने वाले श्री बनसोडे ने वंचित और गरीब जनता के लिए बनायी गयी सरकारी योजनाओं को उन तक पंहुचाने का कार्य किया। गरीब और वंचित वर्ग के युवाओं को शिक्षा के माध्यम से अपना जीवन स्तर कैसे ऊँचा कर सामाजिक बदलाव लाया जा सकता है इसके लिए प्रयास करते रहते हैं। वे विद्यार्थियों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

श्री प्राजक्त प्रसादराव तनपुरे

जन्म : १३ सितम्बर १९७६। **शिक्षा :** बी.ई. ,एम. बी. ए. , एम. एस. । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। **दांपत्य जीवनः** विवाहित। **व्यवसाय :** कृषि। **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी। **विधानसभा क्षेत्र :** २२३ राहुरी।

अन्य जानकारी : प्रसाद शुगर कारखाने के चेयरमेन ,जनता द्वारा प्रत्यक्ष तरीके से चुने गए नगराध्यक्ष, अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित, नगराध्यक्ष के पद पर रहते हुए राहुरी की विविध समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास। उच्च शिक्षित श्री तनपुरे को ग्रामीण और शहरी भागों की समस्याओं की अच्छी समझ है। लोगों से मिलकर काम करने को ज्यादा बल देते हैं। युवाओं का संगठन बनाकर, उसके द्वारा परिवर्तन लाने का प्रयास करने वाले नेता के रूप में उनकी पहचान है। गरीब और वंचित समाज के उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ उन तक पंहुचाने के लिए उनके द्वारा चलाये जा रहे उपक्रम, महत्वपूर्ण हैं। विशेष रूप से कृषि और किसान, उनके अध्ययन का विषय है। वे किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रयासरत हैं।

श्री राजेंद्र शामगोंडा पाटिल (यड्रावकर)

जन्म : ५ मई १९७० । **शिक्षा :** डिप्लोमा (सिविल इंजीनियरिंग) । **भाषा ज्ञान :** मराठी, हिंदी, अंग्रेजी । **पार्टी :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी । **विधानसभा क्षेत्र :** २८० शिरोळ

अन्य जानकारी : अध्यक्ष -शरद सहकारी शक्कर कारखाना लि., नरंदे तालुका -हातकणंगले, अध्यक्ष -पार्वती को ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट लि.,यड्राव ,तालुका -शिरोळ, अध्यक्ष पार्वती सहकारी सूत गिरणी लि., कुरुंदवाड, तालुका -शिरोळ, अध्यक्ष द ाल इण्डिया फेडरेशन ऑफ़ को ऑपरेटिव स्पिनिंग मिल्स लि., मुंबई ; अध्यक्ष पद्मावती यंत्रमाग औद्योगिक सहकारी संस्था लि. यड्राव, तालुका -शिरोळ ;अध्यक्ष पार्वती को ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि. यड्राव, तालुका-शिरोळ; संचालक महाराष्ट्र राज्य सहकारी औद्योगिक कॉलोनी फेडरेशन लि., संचालक कोल्हापुर जिला शेतकरी विणकरी सहकारी सूत गिरणी लि., यड्राव ,तालुका -शिरोळ ;शैक्षणिक अध्यक्ष शामराव पाटिल (यड्रावकर) एज्युकेशनल एन्ड चेरिटेबल ट्रस्ट, जयसिंगपुर संचालित -शरद इंस्टी;ट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (पॉलिटेक्निक) यड्राव तालुका -शिरोळ, शरद कृषि महाविद्यालय -जैनापुर तालुका -शिरोळ, शामराव पाटिल (यड्रावकर) औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, यड्राव, तालुका -शिरोळ, ज्ञान गंगा है स्कूल व प्राथमिक विद्या मंदिर,जयसिंगपुर तालुका -शिरोळ, दानलिंग विद्यालय, उमलवाड, तालुका -शिरोळ; शरद कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट, यड्राव, तालुका -शिरोळ; शरद प्ले ग्रुप एन्ड नर्सरी यड्राव, तालुका -शिरोळ अध्यक्ष यड्राव को ऑपरेटिव बैंक लि. यड्राव तालुका -शिरोळ; कार्याध्यक्ष कोल्हापुर जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी; पूर्व अध्यक्ष एनएसयूआई शिरोळ तालुका; पूर्व उपाध्यक्ष कोल्हापुर जिला युवक कांग्रेस (आई); संगठन सचिव -महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस (आई) (१९९५ से ९९); पूर्व महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस (१९९९-२००५), पूर्व महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी; अक्टूबर २०१९ में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए निवार्चित।

भयमुक्त, भूख मुक्त और चिंता मुक्त नया प्रगत महाराष्ट्र बनाना हमारी सरकार का मुख्य लक्ष्य है। हर वर्ग के विकास के लिए सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे ने नागपुर में सरकार के पहले अधिवेशन के दौरान स्पष्ट रूप से कही। राज्य के विभिन्न मुद्दों पर विधानसभा के दोनों सदनों में आत्म विश्वास और सकारात्मकता के साथ हर बात का उत्तर दिया गया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि लोकाभिमुख शासन देते हुए प्रगति के नए शिखर छूने वाले राज्य का निर्माण कर देश के अन्य राज्यों के सामने एक आदर्श स्थापित करेंगें। किसान और मेहनतकश जनता का कल्याण, युवाओं के हाथों को काम देने के लिए रोजगार निर्माण पर विशेष बल दिया जाएगा। राज्य की सिंचाई सुविधा, सडकों के साथ -साथ सुविधाओं वाली विकास की परियोजनाओं को गति देते हुए उसी से नया समृद्ध और मजबूत महाराष्ट्र बनाने का संकल्प श्री उद्धव ठाकरे ने जाहिर किया।

घबराएं नहीं, निश्चिंत रहें

नागरिकता क़ानून में संशोधन के मामले में नागरिक कोई गलत बात मन में नहीं आने दें। राज्य के किसी भी जाति -धर्म के नागरिकों के हक़ को सरकार क्षति पंहुचने नहीं देगी। मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे ने यह आश्वासन प्रदेश की जनता को नागपुर में विधानसभा अधिवेशन के दौरान दिया। संशोधित नागरिकता क़ानून मंजूर होने के बाद से ही देश में अशांतता और डर का वातावरण है। देश भर में इस क़ानून के खिलाफ आंदोलन हो रहे हैं और कुछ स्थानों पर आंदोलन के दौरान हिंसा की वारदातें भी हो रही है। ऐसे समय में

सबको मिलकर जनता के मन में जो गैर समझ निर्माण हो रही है उसे दूर करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री होने के नाते इस बारे में क़ानून और न्याय व्यवस्था के विविध घटकों से चर्चा भी की है। ठाकरे ने कहा 'सर्वोच्च न्यायालय में इस क़ानून पर सुनवाई होनी है, इसलिए जनता अपने मन में कसी प्रकार का डर नहीं आने दे। इस क़ानून का विरोध करने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करे और अपनी मांग या ज्ञापन दे। इस बारे में हम सम्बंधित चर्चा करने को तैयार हैं। आंदोलन के दौरान हिंसा का मार्ग नहीं अपनाएं तथा राज्य की छवि को हिंसा की वजह से कोई नुकसान नहीं पंहुचने दें।

कर्ज मुक्ति की वचनपूर्ति

विधानसभा में बहुमत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा 'किसानों को चिंता मुक्त करने के लिए हर जरूरी उपाय किए जाएंगें। विधानसभा के पहले ही अधिवेशन में किसान कर्ज मुक्ति की घोषणा कर मुख्यमंत्री ठाकरे ने किसानों से किया अपना वादा पूरा किया। किसानों को चिंता मुक्त करने के लिए 'महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्ज मुक्ति योजना २०१९' की घोषणा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विधानसभा के दोनों सदनों में कर यह संकेत दिया कि उनकी सरकार किसानों के पीछे दृढता के साथ खड़ी रहेगी। सितंबर २०१९ तक इस योजना के अंतर्गत प्रति किसान दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ़ किया जायेगा। इसकी वजह से किसानों की हालत सुधरेगी और उनके सिर से कर्ज का बोझ कम होगा।

शिव भोजन योजना

शिव छत्रपति रयत के राजा थे और इसीलिए वंचित जनता उन्हें देव की तरह मानती है। राज्य की महाविकास आघाडी की सरकार शिवाजी महाराज द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने को प्रतिबद्ध है। सरकार की इस वचनबद्धता को बताते हुए मुख्यमंत्री ने दस रुपये में भोजन देने वाली 'शिव भोजन योजना' राज्य भर में शुरु किये जाने की घोषणा की। प्रारम्भ में यह योजना सभी जिला मुख्यालयों पर शुरु की जाएगी। योजना के प्रथम चरण में ५० स्थानों पर यह शुरु के जाएगी।

सिंचाई परियोजनाओं को गति

बळीराजा जल संजीवनी योजना की विदर्भ की ५२ परियोजना अटकी पडी हैं। जून २०२३ तक चरणबद्ध तरीके से प्राथमिकता के आधार पर उन्हें पूरा किया जाएगा। अमरावती विभाग की सिंचाई का अनुशेष जल्दी ही पूरा हो इसके लिए १०० परियोजनाओं पर काम शुरु किया गया था। लेकिन ४६ परियोजनाएं अभी भी अपूर्ण हैं और इन्हें २०२२ तक पूरा कर दिया जाएगा।

समृद्धि महामार्ग

हिन्दूहृदय सम्राट बाळासाहब तहके महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग का काम विदर्भ सहित राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस महामार्ग को निधार्रित समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाएगा, उक्त बात मुख्यमंत्री श्री ठाकरे ने विधानसभा में कही। इस प्रोजेक्ट पर २८ हजार करोड़ रुपये का कर्ज उठाना था जिसका ब्याज ६४०० करोड़ होने वाला था। कर्ज की राशि ३५०० करोड़ रुपये कम कर दी है। इस निर्णय की वजह से सरकार के ब्याज में जाने वाले २५०० रुपये की बचत हो गयी। इस महामार्ग पर २० नए शहर कृषि समृद्धि केंद्र के रूप में विकसित किये जायेंगें। साथ ही कृषि प्रक्रिया उद्योगों की भी स्थापना की जाएगी। इस महामार्ग के परिसर में उद्योग, पर्यटन, व्यवसाय बड़े पैमाने पर बढेंगें और उसकी वजह से 5 लाख सीधे रोजगार निर्माण होंगे।

धान खेती मिशन

गोंदिया, भंडारा, गडचिरोली और चंद्रपुर, विदर्भ इन चार जिलों में धान की खेती की जाती है। इस खेती को बढ़ाने तथा यंहा ब्राउन राइस उद्योग विकसित करने के लिए मिशन धान की खेती चलाया जाएगा। इसकी वजह से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में बढेंगें। धान उत्पादक किसानों को दिलासा देने के लिए इससे पहले सरकार ने ५०० रुपये प्रति

नुकसान भरपाई

बेमौसम अतिवृष्टि की वजह से किसानों को हुए नुकसान की मदद के लिए सरकार ने ६ हजार ६०० करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। इसमें २१०० करोड़ रुपये वितरित किये जा चुके हैं। बे मौसम अतिवृष्टि की वजह से हुए नुकसान को भरने और बाढ.पीड़ितों को मदद के लिए सरकार ने १४ हजार ६०० करोड़ रुपये की मांग केंद्र सरकार से की है। यह जानकारी वित्त मंत्री जयंत पाटिल ने विधानसभा में दी। राज्य सरकार की तरफ से मदद बांटी जा रही है। मंजूर किये गए ६६०० करोड़ में से २१०० करोड़ रुपये जिलाधिकारियों के माध्यम से वितिरत किये हैं। शेष रकम जमा करने की कार्यवाही शुरु है।

हवाई अड्डे पर सुविधाएं

राज्य के सभी हवाई अड्डों की लंबित समस्याओं को सुलझाने के लिए शीघ्र ही उपाय किये जायेंगें, उक्त जानकारी मुख्यमंत्री ने विधान परिषद को दी।

भूकंप पीड़ितों को मदद

पालघर जिले में पिछले दो सालों में भूकंप के अनेक झटके आये। इस भूकंप प्रभावित परिसर के नागरिकों को भूकंप को लेकर जन जागृति तथा आपातकालीन प्रशिक्षण और मदद दी जा रही है। इस बात की जानकारी भूकंप पुनर्वसन मंत्री सुभाष देसाई ने विधान परिषद में दी।

धान खरीदने की रकम

गोंदिया व भंडारा जिले के धान उत्पादक किसानों से खरीदे गए धान की कीमत तत्काल चुकाने के लिए १३ करोड़ ८० लाख रूपये की निधि वितरण करने की कार्यवाही शुरु है। कोंकण में भी धान खरीदी की कीमत तत्काल चुकाने की जानकारी अन्न आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल ने विधान परिषद में दी।

'दिशा' क़ानून

महिलाओं पर अत्याचार रोकने के लिए ,महिलायें व बच्चियां भयमुक्त हो घूम सकें इसके लिए आंध्र प्रदेश की तरह 'दिशा' जैसा क़ानून बनाने के लिए सरकार गम्भीरता से विचार कर रही है। यह जानकारी गृहमंत्री एकनाथ शिंदे ने दी।

महापोर्टल की क्षमता

पशु संवर्धन विभाग की विभिन्न नौकरियों के लिए बड़े पैमाने पर विद्यार्थियों के आवेदन आये हैं। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा लेने की क्षमता महापोर्टल की नहीं है। इसकी वजह से महापोर्टल की क्षमता बढाये जाने तक इस भर्ती प्रक्रिया को स्थगित रखा गया है। महापोर्टल के सम्बन्ध में विद्यार्थियों की समस्याओं और उनकी बातों को ध्यान में रख इस परीक्षा पद्धति में आवश्यक बदलाव किये जाने की जानकारी मुख्यमंत्री ने विधानसभा में दी।

क्विंटल रुपये देने की घोषणा की थी इसमें अब २०० रुपये की वृद्धि की जाएगी। इस बात की घोषणा मुख्यमंत्री ने की।

खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर

मुख्यमंत्री ने बताया कि विदर्भ में पैदा होने वाली कपास का मूल्य बढाकर रोजगार निर्माण के लिए सुक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के कपास पर आधारित उद्योगों को गति देकर उनका दर्जा बढाया जा सकेगा। विदर्भ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढावा देने के लिए खाद्य प्रसंस्करण कलस्टर निर्माण करने का निश्चय सरकार ने किया है।

विशेष कार्यालय

दूर दराज के ग्रामीण भागों के लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार

वाशिम जिले की बैठक में अधिकारियों से रिपोर्ट लेकर मार्गदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई आने से होने वाले कष्ट, समय तथा पैसे के खर्च को रोकने के लिए हर जिले में मुख्यमंत्री सचिवालय के तहत विशेष कार्यालय खोलने का निर्णय सरकार ने किया है। प्रायोगिक तौर पर पहले विभागीय स्तर पर ये कार्यालय खोले जायेंगें। इन कार्यालयों के माध्यम से नागरिकों की समस्या, उनके ज्ञापन पर कार्यवाही करने के साथ साथ स्वास्थ्य कक्ष भी वंहा खोले जायेंगें।

सड़क निर्माण; नयी तकनीक

सडकों के मजबूतीकरण और उन्हें सुधारने के लिए शुरु हायब्रिड ऐन्युइटी मॉडल योजना को बैंकों से उचित सहयोग नहीं मिलता। इस समस्या को मात देने के लिए सरकार अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से निधि हांसिल करने के नए स्रोत निर्माण कर सडकों के सुधार को नए गति देगी।

'आशा ' का मानधन

स्वास्थ्य सेवा में 'आशा' कार्यकर्ता एक मुख्य भाग हैं। पिछली सरकार ने 'आशा' कार्यकर्ताओं को २००० रुपये ज्यादा मानधन देने का निर्णय किया था लेकिन उसके लिए सरकारी आदेश जारी नहीं किया था। यह सरकार शीघ्र ही इस निर्णय को जारी करने वाली है।

विकास को गति

विदर्भ क्षेत्र की खनिज संपदा का दोहन कर रोजगार को गति देने के लिए जमेशदपुर व भिलाई जैसे बड़े स्टील प्लांट इस क्षेत्र में खड़े किये जायेंगें। वन अधिकार क़ानून के तहत मिली वन पट्टा जमीन पर खेती और उससे सम्बंधित व्यवसाय किये जा सकें इसके लिए सरकार प्रभावी योजना लाएगी। दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में सड़कें और पुल निर्माण हिन्ज तभी विकास की धारा वंहा पंहुचेगी। इसके लिए विशेष कार्यक्रम शुरु करना पड़ेगा।

मेळघाट जैसे भागों में कुपोषण का प्रमाण कम करने के लिए मध्यवर्ती रसोई घर शुरु कर आदिवासी बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जाएगा। पूर्व विदर्भ क्षत्र में मत्स्य व्यवसाय को गति देने के लिए फिशरीज हब बनाने का विचार किया जा रहा है। ग्रामीण भाग के प्रत्येक घर को २०२४ तक नल द्वारा पेयजल आपूर्ति की जाएगी। चंद्रपुर मरण वन विद्या केंद्र शुरु करने पर विचार किया जा रहा है।

मिहान में निवेश

विदर्भ के महत्वाकांक्षी मिहान प्रकल्प में इस क्षेत्र की काय पलटने की क्षमता है, लेकिन इस क्षमता के हिसाब से यह प्रोजेक्ट उड़ान ले नहीं सका। सरकार नए निवेशकों को पांच साल की अवधि देकर रकम भरने की सुविधा देगा। मिहान में निवेश बढाने के लिए नागपुर

हवाई अड्डे का विकास 'निजी व सार्वजनिक सहभाग' से तेजी से किया जा सकेगा।

मुख्य न्यायाधीश बोबडे का अभिनंदन

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर श्री बोबडे की नियुक्ति होने पर उन्हें अभिनंदन का प्रस्ताव श्री उद्धव ठाकरे ने विधानसभा तथा मंत्री सुभाष देसाई ने विधान परिषद में रखा। इस अवसर पर विधानसभा में मुख्यमंत्री श्री ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के सुपुत्र शरद बोबडे की सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद के लिए चयन होने से मन अभिमान से भर गया है। मूलतः नागपुर के रहने वाले बोबडे का अभिनन्दन नागपुर के विधानसभा अधिवेशन में किया जा रहा है यह भी एक सौभाग्य ही है। शरद ऋतु है और यह ऋतु नव चैतन्य की है। मुख्य न्यायाधीश शरद बोबडे के रूप में नव चैतन्य आएगा। किसानों को न्याय देने के लिए न्यायाधीश बोबडे ने बहुत प्रयास किये हैं। बोबडे परिवार का नागपुर स्थित निवास मतलब क़ानून का एक वृक्ष जैसा है। इस परिवार से अनेक कुशल कानूनविद तैयार हुए हैं। न्यायाधीश के परिधान में वे न्यायदान करेंगें।

अमरावती जिले के कामों को गति

अमरावती जिले की सड़कें, जल संधारण के काम तेजी से पूर्ण किये जायेंगें तथा यहाँ चल रही विविध योजनाओं में यंहा के लोक प्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर उनमें सुधार किया जाएगा, उक्त बात मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अमरावती जिले के अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान कही।

बेमौसम बारिश की वजह से फसलों की नुकसान भरपाई में किसानों को फसल बीमा का एक आधार है। लेकिन बीमा कंपनियों द्वारा किसानों को फसल बीमा का लाभ ठीक तरह से या संतोषजनक नहीं है। इस वजह से अब फसल बीमा योजना में सुधार किया जाएगा। किसानों को उनके हक का लाभ मिलना ही चाहिए, यह सरकार की प्रमुख भूमिका है। किसानों को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिलने के लिए सरकारी यंत्रणा द्वारा किये गए पंचनामे और बारिश के आंकड़ों को आधार मानते हुए निर्देश दिए गए हैं। कर्ज माफी की रकम जिला बैंक के साथ साथ विविध बैंकों के माध्यम से लाभार्थियों को पंहुचाने का प्रयास किये जायेंगें। जिले के खारे पानी वाले पट्टे (क्षेत्र) में पोखरा योजना के तहत व्यक्तिगत लाभ योजना चलायी जा रही है। इन योजनाओं को सामूहिक योजना की तरह चलाया जा सकता है। सामूहिल खेत पोखर योजना व्यापक रूप से चलाई जा सकेगी ,जिसकी वजह से किसानों को रबी की फसल के लिए पानी मिलेगा। यदि बारिश में में कमी भी रही तो इस प्रकार की योजना से किसानों को एक निश्चित पैदावार मिलेगी। जिले में

अध्ययन समूह रद्द

विद्यालयों को प्रति विद्यार्थी वेतन अनुदान देने व अन्य मुद्दों के बारे में अध्ययन करने के लिए शिक्षण आयुक्त द्वारा चुने गए ३३ अध्ययन समूह रद्द किये जाने की जानकारी शिक्षा मंत्री बाळासाहब थोरात ने विधान परिषद में दी।

स्वास्थ्य सहायता निधि कक्ष

विदर्भ के मरीजों को सुविधायें मिले, इसके लिए नागपुर स्थित हैदराबाद हाउस में मुख्यमंत्री सचिवालय में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता निधि कक्ष फिर से शुरु करने की जानकारी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दी। राष्ट्रपति शासन के दौरान इस कक्ष का कामकाज बंद था। इंदिरा गांधी सरकारी वैद्यकीय (मेडिकल)महाविद्यालय के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सोनपुर इस कक्ष का कामकाज देखेंगे। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता कक्ष के लिए नागपुर के विभागीय आयुक्त, उप संचालक स्वास्थ्य सेवा और जिला शल्य चिकत्सक की समिति स्थापित की गयी है।

अवैध साहूकारी पर अंकुश

अवैध साहूकारी पर अंकुश लगाने के लिए व ऐसे साहूकारों पर कार्रवाई करने से टालने वाले सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की शिफारिस करने के लिए विधान परिषद् सदस्य विद्या चव्हाण की अध्यक्षता में समिति नियुक्त करने की घोषणा सहकार मंत्री जयंत पाटिल ने की।

नागपुर स्थित दीक्षा भूमि पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भेंट देकर भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को अभिवादन किया। इस अवसर पर उनके साथ मा. मंत्री डॉ. नितिन राऊत भी उपस्थित थे।

दीक्षाभूमि को भेंट

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दीक्षा भूमि को भेंट दी। सबसे पहले उन्होंने दीक्षा भूमि के स्तूप के सामने डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के अर्द्धाकृति वाली प्रतिमा पर पुष्प चढाये। स्तूप में डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के अस्थि कलश का दर्शन कर गौतम बुद्ध की मूर्ती को भी पुष्प अर्पित कर वंदना की। दीक्षाभूमि के विकास के लिए साल २०१८ में १०० करोड़ रुपये के कार्यों को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी गयी थी जिसमें से ४० करोड़ के कार्य मगपुर महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण को दिए गए थे। यह निधि प्राधिकरण के खाते में है। दीक्षाभूमि के विकास के लिए आवश्यकता अनुसार जितनी जरूरत होगी उतनी निधि प्रदान की जाएगी उक्त जानकारी मंत्री छगन भुजबल ने विधान परिषद में दी।

मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत २५६. ४२ किलोमीटर लंबाई के ४१ मार्ग पूरे किये गए। ३६२.१५ किलोमीटर के ६० कार्य प्रगति पर हैं। फिर भी ग्रामीण क्षेत्र की सडकों में व्यापक स्तर पर सुधार की जरूरत है और उसके लिए निधि बढाई जाएगी। जिले में मृदा और जल संधारण की १०८ योजनाएं पूरी हो गयी हैं और इनसे २८ हजार ५६४ टीएमसी पानी संग्रह हुआ है। इन कार्यों में गति देने के लिए कुछ बदलाव लाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने ऐसा बैठक में कहा।

बेमौसम बारिश की वजह से प्रभावित हुए क्षेत्रों में वरुड, मोर्शी तालुका का समावेश नहीं होने की बात सामने आने पर। इस बात पर अधिकारियों से चर्चा कर सरकारी नियमों के हिसाब से वंहा मदद की जाने की बात मुख्य सचिव श्री अजोय मेहता ने कही। वन्य जीवों की वजह से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक रूप से तारबंदी करने पर विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ साथ अब नीलगाय से होने वाले नुकसान को भी मदद का निर्णय करने में समावेश किया जाएगा।

यवतमाळ जिले की सिंचाई

विधानसभा के सभागृह में मुख्यमंत्री ने यवतमाळ जिले की समीक्षा करते हुए कहा कि सिंचाई परियोजनाओं द्वारा किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी तथा अपूर्ण पड़े प्रोजेक्ट को तेजी से पूर्ण करने के लिए शीघ्र से शीघ्र निधि मुहैया कराई जाएगी। बेमौसम बारिश से हुए किसानों की नुकसान भरपाई के लिए सरकारी निधि जिले में भेजी जा चुकी है। पहले चरण में १०२ करोड़ रुपये का वितरण हुआ। दूसरे चरण में २२२ करोड़ रुपये की

मदद वितरण की कार्यवाही तालुका स्तर पर शुरु है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिले को अल्प संख्यक विकास निधि भी उपलब्ध कराई जाएगी।

चंद्रपुर जिले के विकास कार्य पूर्ववत

चंद्रपुर जिले में शुरु विकास कार्यों पर किसी भी प्रकार की रोक नहीं लगाई गयी है। सभी काम समय पर पूरे किये जायेंगें। तेलंगाना और महाराष्ट्र सीमा के १४ विवादग्रस्त सीमावर्ती गावों का मुद्दा सुलझाने और चंद्रपुर के साथ साथ गडचिरोली, गोंदिया जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दिन में कृषि पम्पों को बिजली आपूर्ति देने के संदर्भ में बैठक की जाएगी। चंद्रपुर जिले की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन दिया तथा लोक प्रतिनिधियों के विविध सकारात्मक सुझावों का पालन करने का निर्देश भी उन्होंने प्रशासन को दिया। चंद्रपुर के बाबूपेठ पुल के लिए निधि शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी तथा महाकाली मंदिर की योजना भी पूर्ण होगी।

सुरजागड लौह उत्खनन

गडचिरोली जिले का सुरजागड लौह खिनज उत्खनन प्रोजेक्ट इस जिले के विकास को गति देने वाला है। इस प्रोजकेट की वजह से जिले में रेल सुविधा तथा परिवहन, बिजली आपूर्ति जैसे विकास कार्यों को गति मिलेगी और नक्सलवाद को कम करने में मदद मिलेगी, इसलिए इस प्रोजेक्ट में तेजी लाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए। मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे ने गडचिरोली जिले की विविध समस्याओं की जानकारी ली। रिक्त पदों की भर्ती, दूरसंचार समस्या, कृषि की समस्या, धान खरीदी के संबंध में आ रही रुकावटों को तुरंत दूर करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए।

तेलंगाना राज्य के कालेश्वरम में बन रहे मेडिगट्टा बैराज की वजह से गलचिरोली जिले के कुछ गांव डूब क्षेत्र में आ गए हैं जिसकी वजह से स्थानीय आदिवासियों का नुकसान हुआ है। मेडिगट्टा सिंचाई परियोजना की एक समिति द्वारा जांच रिपोर्ट तैयार कराने के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

खारा पानी पट्टा विकास

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आकोला जिले की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अकोला ,अमरावती व बुलडाणा जिले से जाने वाले खारे पानी के पट्टे (क्षेत्र) के गावों के नागरिको की पेयजल आपूर्ति करने के लिए एकत्रित समीक्षा कर एक स्वतंत्र नीति तैयार करें। अकोला जिले के खारा पानी क्षेत्र के गावों के पीने के पानी की समस्या का समाधान तत्काल करना आवश्यक है। यह समस्या अकेले अकोला जिले तक सीमित नहीं है, इससे लगते हुए अमरावती ,बुलडाणा और अन्य जिलों का भी क्षेत्र भी प्रभावित हो रहा है। इसलिए इस समस्या के लिए एक अलग से नीति बनाने की जरूरत है और प्रशासन इस दिशा में कदम उठाये। जिले की सिंचाई की दृष्टि से महत्वपूर्ण पूर्णा बैराज के बार में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं इस पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने वाले हैं इसलिए अधिकारी इस परियोजना को शीघ्र से शीघ्र पूर्ण करने का रास्ता निकालें। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों के निर्माण के लिए जमीन संबंधी योग्य निर्णय लेने के निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना की प्रदेश स्तर पर जानकारी लेकर समीक्षा की जाय तथा आने वाली अड़चनों को दूर करें। बाळापुर में इस योजना के तहत बनाये गए घर लाभार्थियों को हस्तांतरित करने से पूर्व उनके निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की जाय तथा कुओं के लिए दिए जाने वाले अनुदान में जो तकनीकी खामियां हैं उभें भी दूर करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए।

वाशिम जिले की सिंचाई

वाशिम जिले को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए यंहा की विविध योजनाओं को निधि उपलब्ध कराने का वादा मुख्यमंत्री ने जिले की समीक्षा बैठक के दौरान किया। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से इस जिले में सिंचाई की बड़ी परियोजना नहीं बनायी जा सकती तो लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण कर यंहा की सिंचाई समस्या का हल निकाला जा सकता है। जिले में सिंचाई की बड़ी परियोजना

अपूर्ण एसआरए प्रकल्प

मुंबई शहर, उप नगर के झोपड़पट्टी पुनर्विकास नीति (एसआरए) के अनुसार पुनर्विकास के प्रकल्प प्रभावी तरीके से चलाने के लिए विधि मंडल सदस्य व क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त करने की घोषणा गृह निर्माण मंत्री जयंत पाटिल ने विधान परिषद में की। एसआरए के तहत अनेक प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जाती है ,आगे कुछ अड़चने आती हैं व बिल्डर्स वे प्रोजकेट्स पूर्ण नहीं कर पाते। ऐसे प्रोजेक्ट्स की जांच कर उन पर निर्णय करने के लिए झोपड़पट्टी प्राधिकरण को भेजने का काम यह समिति करेगी। इसके साथ साथ इमारत की गुणवत्ता के सन्दर्भ में भी यह समिति जानकारी देगी।

शुगर कारखानों को मदद

शुगर कारखानों की वर्तमान आर्थिक स्थित को सुधारने के लिए तथा इस स्थिति से इस कारखानों को बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार प्रयत्न करेगा उक्त बात सहकार मंत्री जयंत पाटिल ने कही। शक्कर कारखानों के द्वारा किसानों की बकाया एफआरपी रकम देने के संदर्भ में शुगर आयुक्त की तरफ से प्रयास किये जा रहे हैं। २०१८-१९ से पहले की कुल बकाया १५५७। ५९ करोड़ में से ८४% यानी १३०५.४४ करोड़ रुपए की राशि वसूली जा चुकी है। शेष राशि वसूले जाने की कार्यवाही की जा रही है। शुगर उद्योग को पुनजीर्वित करने के लिए कारखानों को मदद करने का काम राज्य सरकार करने वाली है। आर्थिक संकट से जूझ रहे कारखानों की पुनर्रचना करने का विचार किया जा रहा है।

नहीं है इसलिए भर लघु परियोजनाओं पर है। अडाण नदी पर तीन बैराज बनाने का प्रस्ताव है। इसमें विशेष बात यह है कि इसकी मान्यता देने की कार्यवाही की जाय। जिले की लघु सिंचाई परियोजनाओं की नहरें दुरुस्त होने से पूर्ण क्षमता के साथ सिंचाई हो सकेगी तथा करीब ५ हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि होने में मदद मिलेगी। लोकप्रतिनिधियों द्वारा यह बात प्रकाश में लाने पर मुख्यमंत्री ने जिले की सिंचाई समस्या का निराकरण करने के लिए तथा जानोरी परियोजना को सुधारित को पूर्ण करने के लिए आवश्यक अतिरिक्त निधि के लिए जल संपदा विभाग प्रस्ताव पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बुलडाणा शर खडकपूर्णा पानी आपूर्ति योजना व शहर का अधूरा पड़ा नाट्यगृह पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर की पानी आपूर्ति योजना को पूर्ण करने के लिए जलापूर्ति विभाग कार्यवाही करे। साथ ही नाट्यगृह के निर्माण कार्य के लिए निधि का प्रावधान किया जाय, साथ ही जिले में मंजूर हुए विकास कार्यों को गति दी जाए। को शुद्ध जलापूर्ति करने के लिए तत्काल वैकल्पिक उपाय किये जाएँ और इस बारे में जिलाधिकारी सरकार को प्रस्ताव पेश करें यह निर्देश मुख्यमंत्री ने भंडारा जिले की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। इसके अलावा भंडारा -गोंदिया का एकत्रित पर्यटन प्लान, रिक्त पदों को भरने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए।

नाग नदी में नागपुर शहर का गन्दा पानी छोड़े जाने से यह नदी प्रदूषित हो रही है। इसकी वजह से भंडारा शहर व पवनी

यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठाण, विभागीय केन्द्र नागपुर की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटिल के ८५ वें जन्मदिन पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व ज्येष्ठ नेता शरद पवार के हाथों उनका सार्वजनिक सत्कार किया गया।

प्रशासकीय मान्यता तुरंत प्रभाव से दिए जाने की बात कही।

जिगांव परियोजना के लिए निधि

बुलडाणा जिले की सिंचाई सुविधा पर बल देने के लिए जिगांव परियोजना का पूरा ह्ण जरूरी है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए नियमित प्रावधानों के अलावा निधि देने देने के लिए सरकार का रवैया सकारात्मक है। मुख्यमंत्री ने परियोजना खामगांव -जालना रेल मार्ग का विषय रेल्वे इंफ्रास्ट्रक्चर बोर्ड के पास पड़ा हुआ है। इस बारे में प्रक्रिया तेज कर सरकार प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए सकारात्मक है। सिंधखेड राजा व लोणार विकास का प्लान पूर्ण करने का कार्य किया जाय इस बात के निर्देश मुख्यमंत्री की तरफ से दिए गए।

भंडारा में शुद्ध जलापूर्ति

भंडारा शहर व पवनी तालुका में लोगों तालुका के कुछ गावों में प्रदूषित पेयजल आपूर्ति हो रहा है। नागपुर शहर के सीवेज पानी को उपचारित करने के लिए वर्तमान में १५०० करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट बनाने की कार्यवाही चल रही हैं। भंडारा और गोंदिया जिले में पर्यटन की बहुत संभावनाएं हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि भंडारा व तुमसर शहर से जाने वाले महामार्ग की वजह से वंहा यातायात की समस्या निर्माण हो रही

है। इन दोनों शहरों के यातायात को बाहर से निकालने के लिए दोनों शहरों में रिंग रोड का काम जल्दी करना जरूरी है।

धापेवाडा सिंचाई परियोजना

गोंदिया जिले की धापेवाडा सिंचाई परियोजना से ६ तालुका के २२७ गावों को फायदा होने वाला है। सिंचाई की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस परियोजना का काम सरकार गोसेखुर्द परियोजना की तरह करना चाहती है, यह बात मुख्यमंत्री ने गोंदिया जिले की समीक्षा बैठक के दौरान कही।

इस धापेवाड़ा परियोजना से जिले में ६० हजार हेक्टेयर जमीन को सिंचाई की सुविधा का लाभ होगा। परियोजना को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसम बारिश, फसलों के पंचनामे जैसी शिकायतों को जिला स्तर पर त्वरित कार्यवाही कर उनका परिणाम निकाले। गोंदिया में मेडिकल कॉलेज का काम समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। गडचिरोली की तरह ही रिक्त पद भरने का काम किया जाएगा।

समुद्री मच्छीमारी अधिनियम में सुधार

एलईडी लाइट्स और पसर्सिन जाल द्वारा मछली पकड़ने पर रोक लगाने के लिए महाराष्ट्र समुद्री मच्छीमारी अधिनियम १९८१ में बदलाव किया जा रहा है। नए क़ानून का कड़ाई से पालन किया जाएगा इस बात की घोषणा पशु संवर्धन मंत्री बालासाहब थोरात ने विधान परिषद में की। चक्रवात की वजह से जिन मच्छीमारों का नुकसान हुआ है उनकी मदद के लिए ५ करोड़ रुपये शीघ्र प्रभाव से वितरित किये जायेंगें। यदि जरूरत पडी तो और भी निधि उपलब्ध कराई जाएगी।

डंपिंग ग्राउंड

कल्याण -डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत आधारवाडी डंपिंग ग्राउंड में कचरा डालने व अन्य समस्याओं को स्थानीत लोगों से चर्चा कर शीघ्र दूर करेंगें। राज्य के अन्य शहरों में भी ऐसी समस्याओं के निराकरण के लिए एक समिति स्थापन की जाएगी। यह जानकारी नगरविकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानपरिषद में दी।

शिक्षकों को कैशलेस आरोग्य योजना

मान्यता प्राप्त और अनुदानित निजी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और बी एड कोलेक के पूर्णकालिक शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और उनके परिवारों को कैशलेस आरोग्य योजना शीघ्र लागू की जाएगी। यह जानकारी शिक्षा मंत्री सही बाळासाहब थोरात ने दी।

'सारथी' द्वारा छत्रवृत्ति योजना

छत्रपति शाहू महाराज शोध, प्रशिक्षण व मानव विकास संस्था (सारथी) के माध्यम से दी जाने वाली कोई भी छात्रवृत्ति रोकी नहीं गयी है। यह योजना शुरु ही रहेगी इस बात की जानकारी अन्य पिछड़ा वर्ग और शैक्षणिक पिछड़ा प्रवर्ग, विजाभज व वीमाप्र कल्याण मंत्री डॉ. नितिन राऊत ने दी। सारथि संस्था के माध्यम से मराठा समाज के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए छत्रवृत्ति दी जाती है। यह छात्रवृत्ति आगए भी शुरु रहेगी। इस संबंध में इस विषय में निकाला गया परिपत्र रद्द कर दिया गया है। इसी प्रकार इस संस्था की स्वायत्ता ख़त्म करने अथवा मराठा ,कुणबी ,कुणबी मराठा समाज के विद्यार्थियों के हितों के लिए चलाये जा रहे कल्याणकारी उपक्रमों पर रोक लगाने का सरकार का कोई हेतु नहीं है। संस्था का कामकाज सरकारी नियमों के हिसाब से हो तथा मराठा समाज के युवाओं को योजना का लाभ मिले सरकार इस बारे में प्रयास करती रहेगी।

टीम लोकराज्य

रोजगार बढायेंगें

सरकारी नौकरियों में विदर्भ और कोंकण के युवाओं की ज्याद से ज्यादा भर्ती हो इसके लिए उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण देने के सन्दर्भ में राज्य सरकार सकारात्मक है। इसके लिए समय बढ.तरीके से कार्यक्रम बनाये जाने की बात उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कही।

गैर अनुदानित विद्यालयों को अनुदान

हमेशा के लिए गैर अनुदानित विद्यालयों को अनुदान देने के लिए पूर्व में प्रचलित अनुदान नीति को अम्ल में लाने के लिए सरकार विचार कर रही है। इस बारे में शीघ्र ही मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय किया जाएगा। यह जानकारी स्कूली शिक्षा मंत्री बाळासाहब थोरात ने विधानपरिषद में दी।

छात्रावास नीति

आदिवासी छात्रों के छात्रावास की समस्याओं को सुलझाने के लिए वृहद नीति तैयार की जाएगी। इसके अलावा अनुसूचित जाति व जनजाति की योजनाओं पर केंद्र व राज्य सरकार की तरफ से उपलब्ध होने वाली निधि का १०० % खर्च होने के लिए कर्नाटक व तेलंगाना की तरह क़ानून बनाये जाने की जानकारी आदिवासी विकास मंत्री डॉ. नितिन राऊत ने विधान परिषद में दी। इस संबंध में ध्यानाकर्षण सवाल सदस्य रविंद्र फाटक की तरफ से लाया गया था।

अद्वितीय

शिवसेना प्रमुख बाळासाहब ठाकरे महाराष्ट्र के अग्रणी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे । उत्कृष्ट व्यंग चित्रकार, उत्कृष्ट वक्ता, गरीब जनता के लिए हमेशा एक कदम आगे रहने वाले नेता थे, सत्ता में उन्होंने कभी सीधे सहभाग नहीं लिया; लेकिन लोगों के मुद्दों और समस्याओं पर वे सीधे भिड़ने वाले व्यक्ति थे। देश के अनेक मुद्दों पर उनकी बेवाक प्रतिक्रिया केवल महाराष्ट्र ही नहीं देश के अनेक नेताओं की धड़कन बढाने वाली होती थी। शिवसैनिक तथा अनेक लोगों के लिए वे एक मोटिवेटर थे। एक जुझारु नेतृत्व की तरह उन्हें देखा जाता था।

निखिल पंडितराव

२३ जनवरी जयन्ती विशेष

शिवसेना प्रमुख बाळासाहब ठाकरे ने १९ जून १९६६ को शिवसेना पार्टी की स्थापना की थी। स्थापना के समय से ही उन्होंने पार्टी में आने वाले कार्यकर्ताओं को शिव सैनिक की उपाधि दी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज के काल में जैसे उनके सैनिकों को शिवाजी महाराज जिस तरह से मावळे कहकर सम्बोधित करते थे ठीक उसी प्रकार बाळासाहब ने अपने कार्यकर्ताओं को शिव सैनिक कहा। इस उपाधि के साथ उन्होंने कार्यकर्ताओं में समाज सेवा करने की ज्योति जलाये रखी। यह ज्योति जलाये रखने में श्री ठाकरे के अप्रतिम वक्तृत्व की बड़ी भूमिका रही। उनकी वक्तृत्व शैली से ही नयी उपज तैयार होती रही। जनता से सीधा संवाद साधने की उनकी शैली और भाषण से उत्स्फूर्त होकर शिव सैनिक मुग्ध हो जाते थे। आवाज की लय और बोलने की कला की वजह से सभा में कितनी ही भीड़ क्यों ना हो सभी शिव सैनिक स्तब्ध होकर सुनते थे और नयी प्रेरणा के साथ सभा से निकलते थे। यही वह सबसे बड़ी ताकत थी।

गलत बातों पर प्रहार

समाज में होने वाली गलत बातों पर प्रहार करने वाले तथा अच्छे काम करने वालों के साथ खड़े होने वाले शिव सैनिकों को वे हमेशा मदद करते थे। उनके भाषण एक नयी ठाकरे शैली के रूप में पहचाने जाने

लगे। श्री ठाकरे के भाषणों में उनके अंदर का व्यंग्य चित्रकार हमेशा दिखाई देता रहा है। उन्होंने जितनी सफल विशाल सभाएं की हर सभा के भाषण के पीछे उनकी व्यंग्य चित्रकारी की कला भी दिखी। मीडिया के माध्यम से उन्होंने चेतावनियां और फटकार लगायी। रेखाओं के माध्यम से अनेक लोगों चिमटे भी निकाले तो अनेकों के पीछे बड़ी मजबूती से खड़े भी रहे। ज्येष्ठ अभिनेता अमिताभ बच्चन जब 'कुली' फिल्म के समय घायल हो गए थे। उस समय चिकित्सालय में रहते समय यम को 'इस चिकित्सालय में आये नहीं' ऐसा बताने वाला व्यंग्य चित्र श्री ठाकरे ने बनाया था। यह बात बताती है कि उनके अमिताभ बच्चन से कितने नजदीकी संबंध थे।

भाषा और रेखा पर प्रभुत्व

भाषा और रेखा पर महारथ हांसिल रखने वाले नेता के रूप में वे सबके बीच जाने जाते थे। हर शिव सैनिक के लिए श्री ठाकरे उतने ही करीबी थे। उनका मुंबई स्थित आवास 'मातोश्री' तो शैव सैनिकों के हक के घर जैसा बन गया था। उनका मन आकाश जैसा महान था और मन की इस विशालता को कई बार उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से दिखाया भी। श्री ठाकरे की उनके पिता प्रबोधनकार केशव ठाकरे से की जाती थी। बाळासाहब पर उनका प्रभाव तो था ही ,फर्क इतना ही था कि प्रबोधनकार के पास दृढ. विचार तो थे लेकिन उन विचारों के पीछे कोई दृढ.संगठन वे खड़ा नहीं कर पाए थे। लेकिन बाळासाहब ठाकरे ने दृढ.विचार तो दिया ही दिया एक बड़ा संगठन तैयार कर समाज का समर्थन भी उसके लिए हांसिल किया।

सीधी भूमिका

सवाल राष्ट्र का हो या समाज की अस्मिता का बाळासाहब ने सीधी -सरल भूमिका ली। देश भर के दिग्गज नेताओं में जिस तरीके का संगठन कौशल्य था उनके द्वारा तैयार की गयी शिवसेना में भी वही देखने को मिलता है। वही संगठन कौशल्य उनकी अगली पीढी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके मंत्री पुत्र आदित्य ठाकरे में भी दिखाई देता है।

समाज के उपेक्षित वर्ग की मदद के लिए उन्होंने हमेशा ही अग्रणी भूमिका निभाई। मुंबई में पहली बार गरीबों के लिए उन्होंने मोबाइल स्वास्थ्य सेवा शुरु की। इस सेवा का लाभ गरीब लोगों को बड़े पैमाने पर हुआ। राष्ट्रीय संकट हो या भूकंप जैसी कोई घटना मदद की पहली खेप लेकर शिव सैनिक ही निकलते थे। यह समाज को लेकर उनकी आत्मीयता का प्रतीक था। उनकी दूरदृष्टि की वजह से आज मुंबई में विकास की गंगा नजर आती है। छत्रपति शिवाजी महाराज की नीतियों के अनुसार काम करना उनका आदर्श वाक्य था, लेकिन सत्ता आने के बाद उन्होंने यह करके भी दिखाया। आने -जाने (यातायात) की सेवा सुधरेगी तो विकास का नया पर्व साकार होगा ऐसी उनकी अवधारणा थी। इस अवधारणा के अनुसार उन्होंने राज्य में युति की सरकार आने के बाद यातायात की सेवा सुधारने के लिए अनेक काम किये। विकास की वंही से शुरुवात हुई। सिंधुदुर्ग जिले की एक यादगार कहानी अक्सर बतायी जाती है।

सिंधुदुर्ग के एक गांव में अच्छा रास्ता नहीं होने की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। उसको उपचार के लिए ले जाने के लिए यातायात के साधन ही नहीं थे। उस समय श्री ठाकरे ने अपनी गाड़ी जिसका प्रयोग वे स्वयं प्रयोग करते थे भेजी थी। इस घटना से उन्होंने यातायात के महत्व को जाना था और विकास के लिए प्रयास किये।

प्रेम और विश्वास

प्रेम और विश्वास के नाते के साथ उन्होंने शिव सैनिकों से अपनी नाल जोड़ी थी। दक्षिण भारत में जिस तरह से नेताओं को लोग अपने पूजा घर में स्थान देते हैं वैसा ही स्थान महाराष्ट्र में श्री ठाकरे को मिला। शिव सैनिकों के तो वे श्रद्धास्थान ही थे सीमा की लड़ाई में उनका लड़ाकू बाना आज भी सीमा पर लड़ने वाले को बल देने वाला साबित होता है। १०० दिन की जेल की सजा काटने के बाद वंहा की यादों की एक बातें व्यंग्य चित्र के माध्यम से उन्होंने जनता के समक्ष रखी। इन व्यंग्य चित्रों में उन्होंने अपनी भूमिका भी लोगों को समझायी।

विकास कार्यों के आधार स्तंभ के रूप में श्री ठाकरे व शिवसेना की तरफ देखा जाता है। शिव सैनिकों ने श्री ठाकरे के विचारों के आधार पर राज्य के गांव -गांव में विकास कार्य किये। ८० % सामाजिक कार्य उनके इस लक्ष्य को शिव सैनिकों ने प्रत्यक्ष रूप से अमल में लाया। मनुष्य को जीवन जीने के लिए लगाने वाली हर बात के लिए शिव सैनिकों ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए उपलब्ध करके दी। चश्मे वितरण से पैन कार्ड ,राशन कार्ड तक सभी कुछ गरीब जनता के कार्य किये गए। एक रुपये में झुणका -भाकर की योजना श्री ठाकरे ने युति की सत्ता आने पर राज्य में शुरु की और सही मायने में उपेक्षित ,मेहनकश ,गरीब लोगों के पेट को अन्न मिला। इसके लिए उन्होंने हर स्थान पर केंद्र शुरु कर उपेक्षित वर्ग को अन्न मिले ,इस बात की व्यवस्था की। इससे जनता में मदद की भावना दृढ.हुई।

प्रेरणा

सामाजिक कार्य, जनसेवा, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ उठ खड़ा होने की प्रेरणा उन्होंने प्रत्येक शिव सैनिक को दी। समाज के सामान्य परिवार के आदमी को वे राजनीति में लाये और उन्हें मान सम्मान दिया। शिव सेना के अनेक नेता गरीबी परिवारों से निकलकर ही आये हैं।शिव सैनिक की राजनीतिक क्षमता की पहचान कर उसे बड़ा करने की कीमियागरी श्री ठाकरे ने की। ये ही नेता आज मंत्रिमंडल में भी हैं और जनता की सेवा कर रहे हैं। कला,सांस्कृतिक, नाट्य और चित्रपट ऐसे सभी क्षेत्रों में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने इन सभी क्षेत्रों में अपना एक चाहने वाल वर्ग भी तैयार किया। कलाकारों पर उन्होंने बहुत प्रेम किया और उनकी कला को दाद भी दिलवाई। सभी क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले नेता मतलब शिवसेना प्रमुख बाळासाहब ठाकरे ही। इसी लिए उन्हें बहुआयामी नेता कहकर महाराष्ट्र की जनता आज भी पहचानती है और आगे भी जानेगी।

निवासी संपादक, सकाळ, कोल्हापुर

एक नजर

दिसंबर महीने की महत्वपूर्ण घटनाओं की रिपोर्ट

महाराष्ट्र पुलिस प्रबोधिनी के ११७ वे दीक्षांत समारोह की परेड में सलामी लेते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

पुलिस प्रबोधिनी दीक्षांत समारोह

महाराष्ट्र पुलिस प्रबोधिनी नाशिक में प्रशिक्षणार्थी पुलिस उप निरीक्षक सत्र ११७ की दीक्षांत समारोह परेड मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में गृहमंत्री एकनाथ शिंदे, पुलिस महानिदेशक सुबोध कुमार जायस्वाल,महाराष्ट्र पुलिस प्रबोधिनी की संचालिका अश्वती दोरजे आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सक्षम समाज बनाने के लिए समर्थता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें। कड़ी मेहनत के बाद जो वर्दी मिली है उस पर भ्रष्टाचार से दूर रखें तथा चरित्र पर किसी भी प्रकार का कलंक नहीं लगे इस बात का ध्यान रखें।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के हाथों प्रशिक्षण के दौरान अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया गया। संतोष कामटे को सर्वोत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थी 'सोर्ड ऑफ़ ओनर' व् बेस्ट कैडेट इनडोर स्टडीज (सिल्वर बैटन) से सम्मानित किया गया। अहिल्याबाई होळकर कप बेस्ट ऑल राउंड वुमन कैडेट व सैकंड बेस्ट ट्रेनी ऑफ़ द बैच विजया पवार, बेस्ट कैडेट इन आउटडोर (गोल्ड कप) सागर साबळे को प्रदान किया गया।

धान उत्पादक किसानों को अनुदान

धान की फसल लगाने वाले किसानों को सहयोग देने के लिए सरकार की तरफ से प्रति क्विंटल ५०० रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

२०१९-२० की खरीफ की फसल के लिए धान उत्पादकों के लिए केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य निधार्रित किया है। लेकिन धान उत्पादकों के खर्चे में वृद्धि हुई है। इस बात को ध्यान में रख उनको सहयोग देना जरूरी था। इसके लिए राज्य सरकार के पास धान उत्पादक किसानों को ५० क्विंटल की सीमा निधार्रित करते हुए प्रति क्विंटल ५०० रुपये का अनुदान देने केप्रस्ताव था। इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने मान्यता दे दी है। इसकी वजह से राज्य के धान उत्पादक किसानों को २०१९-२० की खरीफ की फसल के विपणन में बड़ा सहयोग मिलेगा।

लोकसभा चुनाव लड़ने वाले राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पार्टियों के प्रत्याशियों के अलावा अमान्यता प्राप्त पंजीकृत पार्टियों तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए इस बार पिछली बार के मुकाबले दो गुना से अधिक चुनाव चिन्ह रखे गए हैं।

चुनाव के लिए १९० 'मुक्त चिन्ह'

राज्य चुनाव आयोग में कुल २६० राजनीतिक पार्टियों का पंजीयन हुआ है। इनके अतिरिक्त १६ मान्यता प्राप्त चुनाव चिन्ह आरक्षित हैं। शेष २४४ राजनीतिक पार्टियां ,निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए चुनाव आयोग ने अब ४८ की बजाय १९० चुनाव चिन्ह, इस बार 'मुक्त चिन्ह' घोषित किये गए हैं। इस बात की जानकारी राज्य चुनाव आयुक्त पी. यु. मदान ने दी है।

राज्य में ग्राम पंचायतों को छोड़कर अन्य सभी स्थानीय निकाय चुनाव पार्टी आधारित लड़े जाते हैं। इन चुनावों के लिए राजनीतिक दलों को राज्य चुनाव आयोग के पास अपना पंजीयन कराना जरूरी होता है। भारत के चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त राज्य चुनाव आयोग के पास अपना पंजीयन कराने पर सम्बंधित पार्टियों का चुनाव चिन्ह उन पार्टियों के प्रत्याशियों के लिए आरक्षित रखा जाता है। राज्य चुनाव आयोग के पास ऐसी १६ पार्टियां अपना पंजीयन कराये हुए हैं। इनमें से ६ राष्ट्रीय पार्टियां ,दो महाराष्ट्र प्रदेश स्तर की हैं जबकि आठ पारियां अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय पार्टियां हैं। इनके अलावा २४४ पंजीकृत राजनीतिक पार्टियां हैं और इनके लिए कोई भी चुनाव चिन्ह आरक्षित नहीं रहता है।

आयोग द्वारा १८ जनवरी २०१७ को जारी अधिसूचना के अनुसार 48 चुनाव चिन्ह निश्चित किये गए हैं। और अब ३० नवंबर २०१९ को जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार १४२ मुक्त चुनाव चिन्ह नए जुड़ गए हैं। इसकी वजह से अब मुक्त चुनाव चिन्हों की संख्या कुल मिलाकर १९० हो गयी है।

वन्य जीवों के लिए डीएनए प्रयोगशाला

वन्य जीवों के डीएनए जांच के लिए महाराष्ट्र राज्य वन विभाग ने स्वयं की प्रयोगशाला बनाने का निर्णय किया है। इस तरह की प्रयोगशाला बनाने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है।

मनुष्य और वन्यजीवों के बीच जब संघर्ष होता है विशेष रूप से उस समय उसे घटना का कारण बने वन्य जीव की पहचान करने और उसको कैद करने में यह जांच महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। अब तक इस प्रकार के जीवों की पहचान करने के लिए उनके कदमों के निशान, शरीर के दाग / पट्टे आदि का प्रयोग किया जाता था।

अब जानवरों की सटीक पहचान करने के लिए उनकी डीएनए जांच की जरूरत पड़ती है और इस बात को ध्यान में रख वन विभाग अपनी स्वयं की प्रयोगशाला बनाने वाला है। वर्तमान में डीएनए जांच के लिए नमूने हैदराबाद या भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून भेजना पड़ता है। इस जांच की रिपोर्ट मिलने में कई महीनों का समय लग जाता है। और इस दौरान मनुष्य और वन्य जीव के संघर्ष का कारण बनने वाले जानवर की सटीक पहचान नहीं होने की वजह से वन्य जीव संरक्षण अधिनियम १९७२ की धरा ११ व राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा तय किये गए पैमानों के अनुसार उस जानवर को कैद करने का आदेश निकालने में अड़चन का सामना करना पड़ता है। डीएनए जांच का परिणाम या रिपोर्ट जल्दी से हांसिल हो इसके लिए यह प्रयोगशाला स्थापित करना आवश्यक था।

'कदाचित अजूनही' काव्य संग्रह को साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रसिद्द मराठी कवियत्री अनुराधा पाटिल को 'कदाचित अजूनही' काव्य संग्रह के लिए साल २०१९ का सर्वोत्कृष्ट मराठी कलाकृति का साहित्य अकादमी पुरस्कार घोषित किया गया है।

वनोत्तर क्षेत्र के वृक्षाच्छादन में महाराष्ट्र देश भर में प्रथम

केंद्र सरकार की तरफ से जारी भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट २०१९ के अनुसार वनोत्तर वृक्षाच्छादन में २०१७ की तुलना में ९८३१ वर्ग किलोमीटर के मुकाबले २०१९ में अब यह १०८०६ वर्ग किलोमीटर तक की वृद्धि हुई है।यह वृद्धि करीब ९७५ वर्ग किलोमीटर की है। वनोत्तर क्षेत्र में वृक्षाच्छादन में महाराष्ट्र देश में पहले क्रमांक पर है। राज्य के वृक्षाच्छादन में भी करीब ९६ वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई है।देश में वन क्षेत्र और वृक्षाच्छादन के बार में भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट की रिपोर्ट हर दो साल में प्रकाशित होती है। २०१७ से २०१९ के दौरान की यह रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई है जिसमें यह जानकारी दी गयी है।

कांदळवन क्षेत्र में भी वृद्धिः राज्य के कांदळवन क्षेत्र में भी १६. २७ वर्ग किलोमीटर की वृद्धि को भी इस रिपोर्ट में दर्ज किया गया है। यह वृद्धि प्रमुख रूप से रायगड ,मुंबई उप नगर, ठाणे, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग जिलों में हुई है। महाराष्ट्र इसमें देश में दूसरे क्रमांक पर है। २०१४–२०१९ की कालावधि में १४७८१४ हेक्टेयर क्षेत्र नए सुरक्षित वन क्षेत्र घोषित किये जाने को लेकर महाराष्ट्र का विशेष उल्लेख भारतीय वैन सर्वेक्षण की रिपोर्ट में किया गया है। पर्यावरण संतुलन और संरक्षण की दृष्टि से महाराष्ट्र में किये गए प्रयासों को इस रिपोर्ट में सराहा गया है।

नए प्रयोगों का जिक्रः महाराष्ट्र में वन और वन्य जीव संरक्षण और संवर्धन के लिए जो सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया उसका भी विशेष रूप से जिक्र भारत सरकार की रिपोर्ट में किया गया। 'माय प्लांट ऐप ', महाराष्ट्र हरित सेना , हैलो फारेस्ट १९२६ और वनीकरण के लिए विविध घटकों की सहभागिता जैसे नए प्रयोगों को रिपोर्ट में सराहा गया है।

राज्य के हितों की अनेक योजनाओं को मंत्रिमंडल में सबसे पहले मान्यता दी जाती है। ऐसे ही निर्णयों की विस्तृत रिपोर्ट...

मंत्रिमंडल में तय हुआ...

समृद्धि महामार्ग

महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के लिए ३५०० करोड़ रुपये की निधि, पूंजीगत निवेश के रूप में देने का निर्णय किया गया। इसकी वजह से महामार्ग के लिए लिये जाने वाले कर्ज के ब्याज में २५०० करोड़ रुपये की कमी आएगी। इसके साथ ही १६५०० करोड़ रुपये के कर्ज के लिए गारंटी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस दृष्टिकोण से महामार्ग के लिए मंजूर वित्तीय प्रावधानों में बदलाव की मान्यता भी दी गयी।

महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग की सुधारित लागत ५५ हजार ३३५ करोड़ रुपये है और इस परियोजना के लिए अब तक २४ हजार ५०० करोड़ रूपये का कर्ज विशेष उद्देशवाहन (NMSCEW Ltd) ने मंजूर किया है। वर्तमान स्थिति में महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामण्डल ने ३५०० करोड़ रुपये, राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों ने ५५०० करोड़ रुपये, गौण खनिज शुल्क की रॉयल्टी की माफी के रुप में २४१४ करोड़, निर्माण कार्य अवधि के कर्ज पर ब्याज के रूप में ६३९६ करोड़ और जगह की कीमत के रूप में ९५२५ करोड़, कुल मिलाकर २७ हजार ३३५ करोड़ रुपये सरकार की पूंजी के रूप में है। जितना कर्ज कम रहेगा उतनी ही परियोजना की आर्थिक स्थिति साध्य रहेगी। इसके लिए सरकार ने इस परियोजना में अपनी पूंजी का हिस्सा बढाने का निर्णय किया और ३५०० करोड़ रुपये की अतिरिक्त निधि देने का निर्णय किया।

वित्तीय समझौते का मुद्रांक शुल्क माफ़

महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग परियोजना के लिए विविध वित्तीय संस्थाओं, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामण्डल और नागपुर -मुंबई सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेस वे लि. के बीच किये गए वित्तीय समझौतों के पंजीयन में लगने वाले मुद्रांक शुल्क में छूट दी जाएगी। पंजीयन अधिनियम १९०८ के तहत दिए गए प्रावधानों के अनुरूप यह छूट दी जाएगी।

आकस्मिकता निधि में वृद्धि

महाराष्ट्र आकस्मिकता निधि की सीमा बढाकर अब ५ हजार ३५० करोड़ रुपये कर दी गयी है। महाराष्ट्र राज्य की आकस्मिकता निधि ,मुंबई आकस्मिकता नियम १९५६ के अनुसार स्थापित की गयी है। इसकी स्थायी सीमा १५० करोड़ रुपये की है। इस स्थायी सीमा में तात्कालिक कारणों की वजह से समय -समय पर वृद्धि करनी पड़ती है।

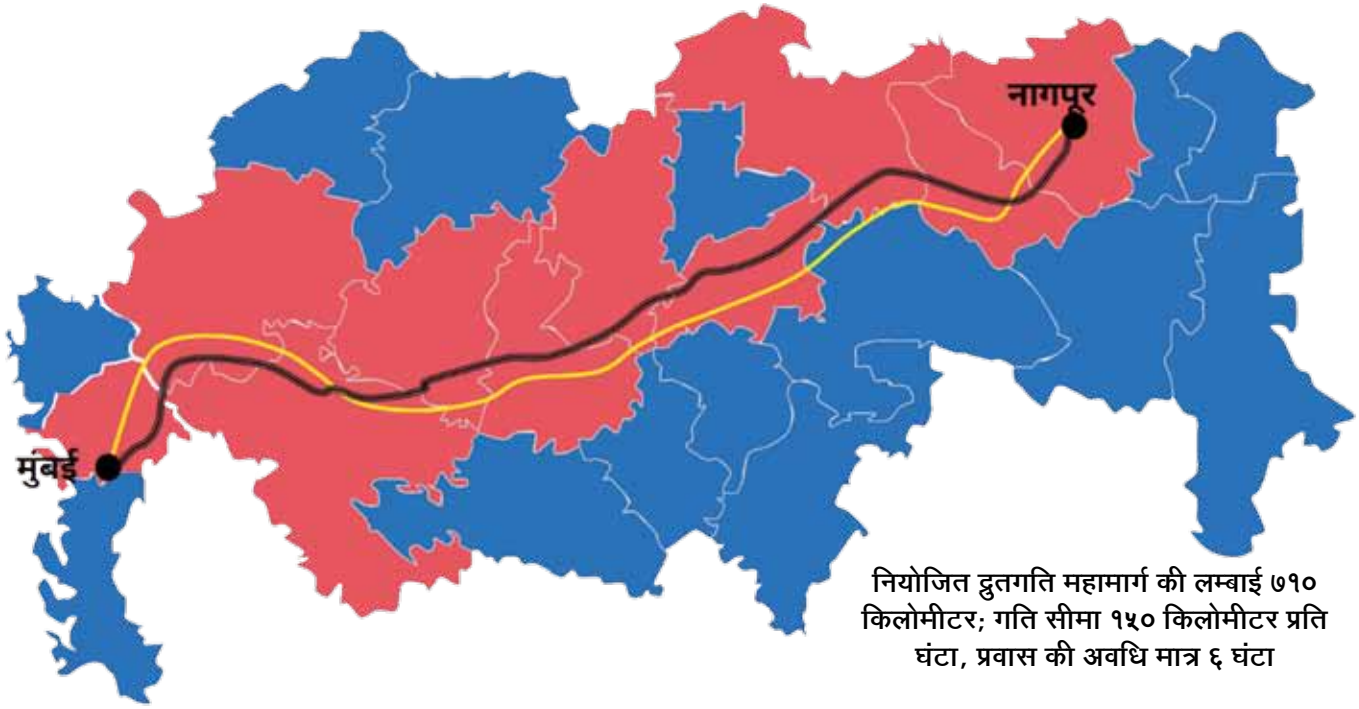

नियोजित द्रुतगति महामार्ग की लम्बाई ७१० किलोमीटर; गति सीमा १५० किलोमीटर प्रति घंटा, प्रवास की अवधि मात्र ६ घंटा

पिछली खरीफ फसल के दौरान राज्य में बेमौसम अति वृष्टि तथा चक्रवाती बारिश की वजह से चावल ,तुअर ,कपास ,सब्जियों व फलों की खेती को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। इस निर्णय की वजह से अब नुक्सान पीड़ित किसानों को तात्कालीन मदद वितरण के लिए ५ हजार करोड़ व अदालती प्रकारों के लिए ३५० करोड़ रुपये की निधि अग्रिम (एडवांस) के रूप में उपलब्ध कराया जाना संभव होगा।

अवैध उत्खनन पर कार्रवाई

गौण खनिज के अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा अधिकृत किये गए किसी भी राजस्व अधिकारी को अधिकार देने का अध्यादेश अब अधिनियम में रूपांतरित करने की मान्यता दे दी गयी है।

वर्तमान में महाराष्ट्र जमीन राजस्व संहिता १९६६ की धरा ४८ में खान व खनिज पर सरकारी स्वामित्व का प्रावधान है। इसकी उप धरा (८) के अनुसार तहसीलदार से निचले दर्जे के अधकारी को अवैध उत्खनन व परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए यंत्र सामग्री, वाहन जप्त करने पर सम्बंधित व्यक्ति द्वारा न्यायालय में चुनौती दी जा सकती थी। इसी वजह से यह निर्णय किया गया।

वर्तमान परिस्थितियों में तहसीलदार के दर्जे से नीचे दर्जे का कोई भी राजस्व अधिकारी गौण खनिज को निकालने में प्रयोग होने वाले उअपकरणों व साधनों को कब्जे में लेने या सरकार के पास जमा करने पर उसकी कार्रवाई उपधारा (८) के भाग (१) के प्रावधान के खिलाफ होती थी। गौण खनिज के अवैध तरीके से उत्खनन व उसके परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए उपधारा (८) के भाग (१) में ठतहसीलदार के दर्जे की अपेक्षा निम्न दर्जे का ठ यह वाक्य हटाने के लिए उपरोक्त सुधार करना जरूरी था।

अनेक पद

अनुसूचित जनजाति का जाति वैधता प्रमाण पत्र पेश नहीं करने के कारण सेवा समाप्त होने वाले या इससे पहले सेवा समाप्त कर दिए गए करीब ५२१८ अधिकारियों व कर्मचारियों के अनेक पद निर्माण कर, मानवीय आधार पर तात्पुरता रूप में ११ महीनों के लिए उनकी नियुक्ति करने का निर्णय मंत्रिमंडल ने किया है। सभी प्रशासकीय विभागों द्वारा स्वयं या उनके अधीनस्थ सरकारी /अर्ध सरकारी कार्यालय के अनुसूचित जनजाति के तहत कर्मचारी /अधिकारियों की संवर्ग के अनुसार संख्या निश्चित करें और उसके बाद उनकी सेवा अनेक पदों के हिसाब से बांटकर ३१ दिसंबर २०१९ तक रिक्त करने की सूचना दी गयी।

सभी प्रशासकीय विभाग स्वयं व अपने अधीनस्थ कार्यालयों में रिक्त होने वाले उपरोक्त प्रमाण के अनुसूचित जनजाति प्रवर्ग के पद अनुसूचित जनजाति के वैधता प्रमाणपत्र धारक प्रत्याशियों में से सेवा प्रवेश नियमानुसार विहित कार्य पद्धति के अवलंब किया जाएगा। समय बढ. कार्यक्रम तैयार कर पद भरने की कार्यवाही की जाएगी। अधिकारी व कर्मचारियों के अनेक पदों पर तात्पुरता स्वरूप ११ महीनों के लिए चयन करने के बाद उनको अनुज्ञेय करने का सेवा विषयक और सेवा निवृत्ति विषयक लाभों के लिए सविस्तार अध्ययन कर सरकार को सिफारिश करने के लिए स्वतंत्र मंत्री समूह की स्थापना की जाएगी।

जनता के मुद्दों की जानकार बेस्ट टीम

जनता के मुद्दों और उनकी समस्याओं की सही जानकारी रखने वाले अनुभवी और उत्तम नेता आज राज्य के मंत्रिमंडल में हैं और यह एक बेस्ट टीम है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रिमंडल विस्तार के बाद हुई मंत्री परिषद में यह भावना व्यक्त की। हम यंहा अलग -अलग विचारों वाली पार्टी से भले ही आये हैं, लेकिन आप लोग जनता से चुनकर आये हो और उनकी समस्याओं का समाधान निकालना है इस पर सभी एकमत हैं। एक परिवार के रूप हमें यंहा काम करना है। किसी एक विषय पर अलग -अलग भूमिका भले हो सकती है लेकिन राज्य के विकास व हित का क्या ? उसका विचार हमें करना ही होगा। हमारी यह बेस्ट टीम हर मुकाबला जीतेगी और राज्य को अधिक प्रगति के पथ पर ले जाएगी, यह कहते हुए मुख्यमंत्री ने सभी को नए साल की शुभेच्छा दी।

जीएसटी क़ानून के लिए एकरूपता

केंद्रीय वस्तु व सेवा कर तथा राज्य वस्तु व सेवा कर ,राज्य में होने वाले व्यवहारों पर अलग -अलग तय किया जाता है। १ अगस्त २०१९ को केंद्रीय वस्तु व सेवा कर अधिनियम में सुधार किया गया है। एक ही व्यवहार पर दोहरा कर निर्धारण (सीजीएसटी और एसजीएसटी) होने से इन दोनों क़ानून में एकरूपता होना जरूरी है। इसलिए मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र वस्तु व सेवा कर (सुधार) अधिनियम, २०१९ में कुल २२ सुधार करने को मान्यता प्रदान की।

केंद्रीय वस्तु व सेवा कर क़ानून २०१७ तथा एकत्रित वस्तु व सेवा कर क़ानून २०१७ में सुधार किया गया है। इसी से सम्बंधित सुधार राज्य को अपने राज्य वस्तु व सेवा कर अधिनियम में सुधार करना आवश्यक था।

करदाताओं के लिए आपसी सामंजस्य योजना, राष्ट्रीय अग्रिम अधिनिर्णय अपील प्राधिकरण स्थापित करने ,कर दाताओं के लिए सुलभ प्रक्रिया व अड़चनों को दूर करने की दिलासा, क़ानून का सुसुत्रीकरण करना व तकनीकी दुरुस्ती करना इस तरह के प्रस्ताव सुधार अधिनियम में शामिल किये गए हैं।

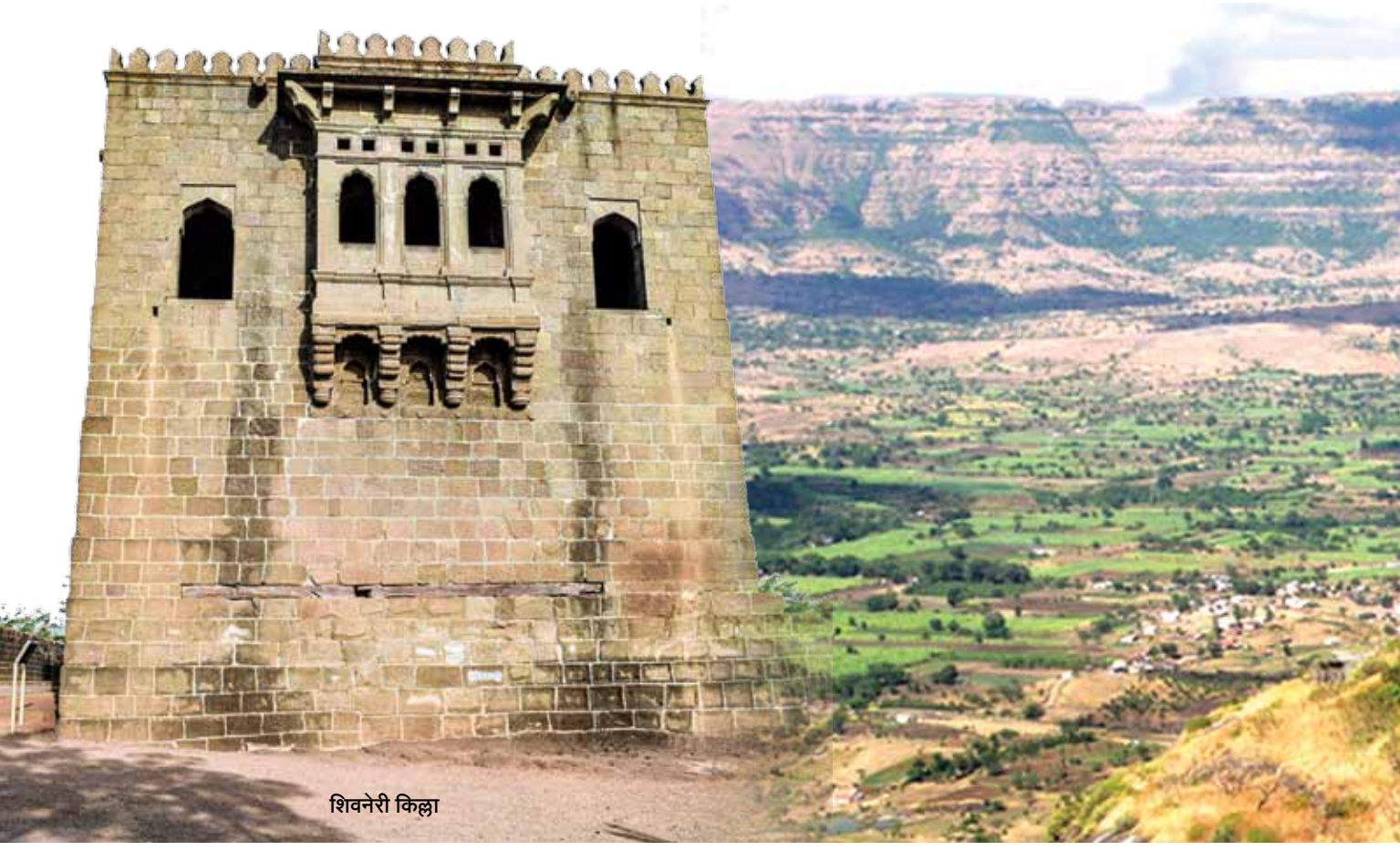

शिवनेरी किल्ला

गड -किलों का भ्रमण करना मराठी मानुष के लिए केवल छुट्टियां बिताने का विषय नहीं है, इसको वह पर्यटन के रूप में भी नहीं देखता। गड पर जाना उसके लिए एक अभिमान की बात होती है। उसका वंहा जाना शिव छत्रपति को किया हुआ वंदन होता है। छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके सैनिकों (मावळों) के पराक्रम की वीर गाथाएं (पोवाडे) सुनकर हम बच्चे से बड़े हुए हैं। इसलिए उनके पावन स्पर्श हुए किसी भी गड पर प्रवेश करते समय हम इतिहास में चले जाते हैं और पराक्रम के सक्षीदार किले हमारे सामने इतिहास को दर्शाने लगते हैं। शिवनेरी में शिवराया का जन्म हुआ है, उनसे सम्बंधित अन्य गड -किलों की बजाय इस गड का एक अलग ही स्थान है।

महाराष्ट्र का सम्मान: शिवनेरी

सारंग खानापुरकर

शिवबा का जन्म १६३० में हुआ और उनको लेकर जिजाऊ ने १६३२ में गड छोड़ दिया। १६३७ में शिवनेरी मुगलों के कब्जे में चला गया। इस घटना से शिव जन्म के समय की परिस्थितियों को समझने की और अधिक मदद मिलती है। ऐसी विषम परिस्थितियों में शिवराय द्वारा निर्माण किये गए स्वराज्य का महत्व ध्यान में आता है। इस किले पर शिवाजीराजे अपने जन्म के बाद मात्र दो साल ही रहे लेकिन उनके जन्म स्थान की वजह से शिव प्रेमियों में इस किले को लेकर बहुत सम्मान है। शिवराया ने मराठी लोगों में पराक्रम की ज्योति जलायी। उन्होंने मराठी मनों में जो स्वाभिमान भरा आज उसी की वजह से हम सिर उठाकर जीवन जी रहे हैं। इसलिए उनके जन्म स्थान शिवनेरी के दर्शन कर उनको वंदन करना हमारा कर्तव्य है।

संक्षिप्त इतिहास

जीर्णनगर अर्थात वर्तमान का जुन्नर यह एक शक राजा नहपान की राजधानी था। गौतमीपुत्र सातवाहन सातकर्णी ने शकों को पराजित कर जुन्नर और उसके आसपास के इलाकों पर अपना आधिपत्य कर लिया था। सातवाहनों के काल में ही नाणे घाट खोदा गया। नाणे घाट से होकर बड़ा व्यापार चलता था। इस व्यापार पर देखरेख रखने के लिए ही शिवनेरी गड का निर्माण किया गया। नाणे घाट की रक्षा करने के लिए यह अकेला किला नहीं है। इस घाट के पूर्व में नारायण गड, उत्तर में हरिश्चंद्र गड, पश्चिम में हडसर, चावंड, जीवधन, भैरवगड और दक्षिण में राजमाकी ढाक, गोरक्षगड, मच्छिन्द्र गड और सिद्ध गड जैसे बडे किले द्वारपाल की तरह से चारों ओर खड़े हैं। सातवाहनों के बाद चालुक्य, यादव, बहामनी, निजाम के कब्जे में शिवनेरी रहा। १५९५ में वह मालोजीराजे भोसले के पास आया। इसी गड पर भोसले की पुत्रवधु जिजाऊ ने १६३० में शिवबाबा को जन्म दिया और महाराष्ट्र के क्षितिज पर नया सूर्य ऊगा। गड पर शिवाई देवी का मंदिर है। इसी देवी के नाम पर 'शिवाजी' नाम रखा गया। जिजाऊ साहेब ने १६३२ में ही यह गड छोड़ दिया और १६३७ में यह मुगलों के कब्जे में आ गया। बाद के समय में शिवाजी महाराज ने बहुत प्रयास किये लेकिन उनके जीवन काल में यह गड उनके स्वराज्य में नहीं आया। उनके बाद शाहू महाराज ने १७१६ में इसे अपने स्वराज्य में मिलाया। और यह शिवनेरी महाराष्ट्र के सम्मान का प्रतीक चिन्ह बना। शिवनेरी पर २७ अप्रैल १९६० को अलग महाराष्ट्र राज्य की घोषणा की गयी।

शिवजन्मस्थान

शिवाई देवी का मंदिर

गड के दरवाजे से अंदर जाने पर शिवाई मंदिर है। इस मंदिर के पीछे पत्थर में खोदी गयी छह से सात गुफाएं हैं। ये गुफाएं रहने लायक नहीं हैं। मंदिर भी मूलतः

अंबरखाना

किले में अनाज रखने के लिए इसका उपयोग होता रहा होगा। ईस्ट इण्डिया कंपनी के डॉ.जॉन फ्रायर इस किले में आये थे। यंहा पर एक हजार लोगों के लिए सात साल तक लग सके इतना अनाज संग्रह करने की सुविधा थी। अंबरखाना के दाहिनी तरफ ईदगाह व कोळी चबूतरा है। यह गड मुगलों के कब्जे के समय जुन्नर परिसर में कोलियों ने सन १६५० के आसपास मुगलों के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। मुगलों ने अपनी ताकत का इस्तेमाल कर उस विद्रोह को कुचल दिया और कोलियों को पकड़ कर शिवनेरी लेकर आये और उनका क़त्ल कर दिया। कोलियों के सिर काट डाले, उस स्थान को कोळी चबूतरा कहते हैं।

गुफा ही है। दर्शन लेकर फिर से सिपाही दरवाजे तक आएं और सीढियां चढक़र ऊपर जाएँ। आप गड के ऊपरी हिस्से में पंहुच जायेंगें जंहा आपको अम्बरखाना दिखेगा।

पानी के कुंड

इस गड पर गंगा -यमुना नाम के दो कुंड हैं जिनमें वर्ष भर पानी रहता है। इसके अलावा गड पर छोटे बड़े करीब ५० पानी के स्रोत हैं जिनमें भरपूर पानी रहता है।

शिवकुंज

बाल शिवाजी हाथों में तलवार लिए जिजाऊ साहब को अपने स्वप्न बताते हुए बहुत सुंदर शिल्प का शिवकुंज में निर्माण किया गया है। पास में ही रामचंद्र अमात्य का आज्ञापत्र है। महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण ने शिवकुंज की नींव रखी थी।

शिव जन्मस्थान

शिवकुंज के सामने ही जंहा शिवाजी महाराज का जन्म हुआ वह दो मंजिला इमारत खड़ी है। इसकी तल मंजिल में शिवबाबा का जन्म हुआ था। इस इमारत में शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगायी गयी है। जन्म स्थान के सामने दाहिनी तरफ कमानवजा मस्जिद है। इस मस्जिद के पास हे ही एक गुप्त रास्ता निकलता है जो आपको जुन्नर ले जाता है। जन्म स्थान के उत्तर की तरफ बादामी तालाब है। इस मानव निर्मित तालाब पर अच्छा चबूतरा और कमान बनायी गयी है। अंग्रेजों द्वारा किये गए हमले की वजह से इस तालाब के जल स्रोत खत्म हो गए और यह सूख गया। तालाब के पीछे की तरफ कैद खाना था, वर्तमान में उसके अवशेष बचे हैं।

शिवकुंज

जंजीर वाला रास्ता

शिवनेरी में प्रवेश करने के लिए यह एक कठिन मार्ग है। ऊँचा चढाने के लिए यंहा पर जंजीर की सुविधा की गयी है। इसी वजह से इसे जंजीर वाली सीढियां कहा जाता है। ये सीढियां पत्थरों को खोदकर बनायी गयी हैं और ऊपर चढाने के लिए जंजीर लगायी हुई है।

सात दरवाजा

शिवनेरी में प्रवेश करने के लिए यह एक आसान मार्ग है। सुरक्षा की दृष्टि से बनाये गए ये सात दरवाजे शिवनेरी की रक्षा करते हैं। सुंदर सीढियों से यह मार्ग बनाया गया है।

शिवनेरी की रचना

इस गड का आकार बाण के अगले हिस्से जैसा तिकोना है। इस बाण का अगला सिरा उत्तर की तरफ किया गया है। शिवनेरी में प्रवेश करने के लिए दो मार्ग हैं। कठिनाई वाली जंजीर वाली सीढियां और आसान मार्ग सातवाहन कालीन सात दरवाजा। जंजीर वाली सीढियां पहले काफी विकट ही थी लेकिन अब मजबूत जंजीर लगाकर उन्हें आसान किया गया है। यह दो मार्ग क्या कम पड़ते थे ? या अड़चन के समय के लिए एक गुप्त मार्ग भी बनाया गया महा दरवाजा, पीर दरवाजा, परवानगी दरवाजा, हाथी दरवाजा, सिपाही दरवाजा, फाटक दरवाजा और कुलाबकर दरवाजे, ऐसे इन सात दरवाजों को नाम दिए गए हैं। परवानगी दरवाजे के दोनों तरफ शरभ के चित्र हैं। शरभ, बाघ या सिंह की तरह दिखने वाला काल्पनिक पशु है। शरभ के पैरों के नीचे की तरफ हाथी दिखाया गया है। यंहा गंडभेरुंड का भी चित्र बनाया गया है वह भी एक काल्पनिक पक्षी है। सिपाही दरवाजे की कमानी पर तटबंदी निर्माण का उत्कृष्ट नमूना दिखाई देता है। इस गड की मजबूती देखकर इस बात का पता चल जाता है कि इसको जुन्नर का रक्षक क्यों कहा जाता है। इस किले का विस्तार करीब १. ६ किलोमीटर है और इसे देखने में दो से तीन घंटे का समय लगता है। शिवनेरी किला बहुत समय तक उपेक्षित पड़ा था। बाद में साल १९२५ में इस शिव जन्मस्थान का जीर्णोद्धार हुआ। महाराष्ट्र राज्य का निर्माण होने के बाद किले के दरवाजे तक रास्ता बनाया गया और इसमें सुधार किया गया।

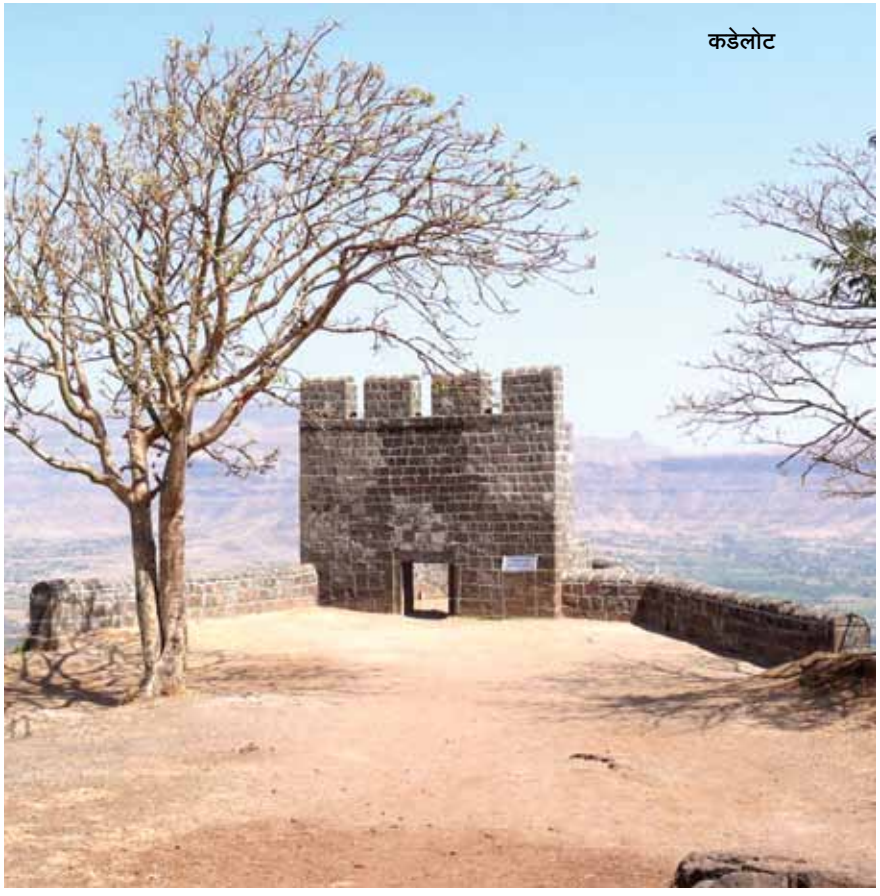

कडेलोट

पहाडी किनारा

कैद खाने के पीछे पहाड़ का खड़ा किनारा है। अपराधियों पर शासन करते समय उन्हें इस किनारे से नीचे खाई में धकेल दिया जाता होगा। करीब २ हजार फुट ऊँचे इस किनारे पर जोरदार हवा भी चलती है। इसलिए यंहा जाते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

शिवनेरी की विशेषता

समुद्र तल से ऊंचाई : ३५०० फुट
जमीन से ऊंचाई : १००० फुट
तलहटी का गांव : जुन्नर
शिवनेरी के नजदीकी पर्यटन स्थल: अष्टविनायकों में से एक लेण्याद्री ,नारायण गड । खोदड स्थित विश्व प्रसिद्द दूरबीन, हरिश्चंद्र गड, ओतूर, ओझर के विघ्नेश्वर।

शिवनेरी कैसे जाएँ

पुणे से -पुणे जिले के जुन्नर में यह किला है। पुणे से शिवनेरी १०५ किलोमीटर की दूरी पर है। एसटी से जुन्नर आकर इस गड पर जाय जा सकता है।

मुंबई से -मुंबई -तने -कल्याण -आळे फाटा मार्ग से जुन्नर। कल्याण -नगर रास्ते पर माळशेज घाट पार करने के बाद करीब ८ किलोमीटर के बाद शिवनेरी जाने के लिए एक रास्ता निकलता है जंहा से गड करीब १९ किलोमीटर है।

नाशिक से – नारायण मार्ग से जुन्नर मुंबई या पुणे से जाना है तो गड एक दिन में ही देख के वापस आया जा सकता है।

पंजीयन व मुद्रांक विभाग ने दस्तावेज पंजीयन व मुद्रांक शुल्क व्यवस्थापन इन दोनों विभागों में सम्बंधित नागरिकों के काम सामान, सुलभ, पारदर्शी और गति से हों इस उद्देश्य से विविध उपक्रम चलाये हैं। इन उपक्रमों की लोगों को जानकारी मिले और वे इसका भरपूर प्रयोग करें इस लेख को इसी उद्देश्य से प्रकाशित किया जा रहा है।

सुलभ और शीघ्र

नयना बोदार्डे –गुरव

इस लेख में हम विभाग द्वारा शुरु की गयी 'ऑनलाइन डिजिटल डॉक्यूमेंट सबमिशन' उपक्रम की जानकारी हांसिल करेंगें। यह उपक्रम दुय्यम निबंधक कार्यालय में होने दस्तावेजों के पंजीयन की कार्य पद्धति से सम्बंधित है।

प्रचलित तरीका

सामान्यतः व्यवहार करने वाले व्यक्ति उस व्यवहार को पूर्ण करने के लिए दस्तावेज तैयार करते हैं या वकील जैसे जानकार व्यक्ति से तैयार करवाते हैं। उसके बाद योग्य मुद्रांक भरकर उस दस्तावेज पर दस्तखत किया जाता है। दस्तावेज पंजीयन करने के उद्देश्य से विभाग की वेबसाइट पर दी गयी 'पब्लिक डाटा एंट्री' सुविधा का प्रयोग कर उसकी डाटा एंट्री की जाती है। उसके बाद मूल दस्तावेज दुय्यम निबंधक कार्यालय में पंजीयन के लिए सादर किया जाता है।

दुय्यम निबंधक उस दस्तावेज की जांच करते हैं। वे दस्तावेज पंजीयन के लिए स्वीकारने के पात्र होते हैं तो उसे पंजीयन के लिए स्वीकार करते हैं। पक्षकारों के फोटो और अंगूठे के निशाँ लेकर दस्तावेज का पंजीयन पूर्ण करते हैं। उसके बाद सम्पूर्ण दस्तावेज,उसके साथ जोड़े गए कागज.पत्र, फोटो व अंगूठे के निशाँ लिए हुए पृष्ठ (जिसे पंजीयन की भाषा में गोषवारा भाग १ -भाग २ कहते हैं) एकत्र कर उस पर पृष्ठ क्रमांक डाले जाते हैं। इन पर दुय्यम निबंधक कार्यालय की मोहर भी लगाई जाती है। इस पूरे दस्तावेज को एकत्र कर स्कैन किया जाता है तथा मूल दस्तावेज पक्षकारों को दे दिया जाता है।

चुनौतियां

- व्यवसाय की सुलभता से इस कार्य पद्धति की समीक्षा करें तो इस प्रक्रिया में कुछ समय लगता है लेकिन दस्तावेजों की जांच का स्वरूप देखकर यह कहा जा सकता है कि यह स्वाभाविक है। पंजीयन के लिए गए दस्तावेजों में मिलकियत का मुल्यांकन करना, मुद्रांक शुल्क निधार्रित करना, दस्तांकित मिलकियत के हस्तांतरण पर न्यायालय या किसी कानून ने कोई प्रतिबन्ध तो नहीं लगा रखा है ? इन सब बातों की जांच करना पड़ता है, और इस जांच के दौरान लगाने वाले समय तक सम्बंधित पक्षकारों को दुय्यम निबंधक कार्यालय में रुकना पड़ता है।
- जांच के दौरान दुय्यम निबंधक ने किसी कागज.पत्रक के सबूत नहीं होने की वजह से पंजीकरण नहीं करने का कारण दिया तो उस दिन पक्षकारों को वापस जाना पड़ता है और गलती को पूर्ण कर फिर कसी अगले दिन आना होता है। इस प्रकार की त्रुटी की जानकारी पहले से होने से पक्षकार चक्कर लगाने से बच सकते हैं।

● मूल दस्तावेजों पर पेजिंग करने व कार्यालय की मोहर लगाने और उनकी स्कैनिंग करने में लगने वाला समय कम करना आवश्यक है।

● स्कैनिंग की वजह से डाटा साइज बड़ी तेजी से बढ.रहा है और भविष्य में इतने बड़े डाटा को संभालना खर्च व तकनीकी दृष्टी से एक बड़ी चुनौती बनता जाएगा।

● इन सभी बातों पर एक कर विभाग ने 'ऑनलाइन डिजिटल डॉक्युमेंट सबमिशन' की सुविधा विकसित कर 1 अप्रैल 2019 से नागरिकों को उपलब्ध कराई है।

स्वरुप

इस सुविधा का इस्तेमाल करते समय पक्षकारों को अपने दस्तावेज प्रचलित पद्धति के अनुसार तैयार करने होंगे। उसे निष्पादित (हस्ताक्षर) करने की बजाय उस दस्तावेज के मसौदे की वर्ड फाइल को पीडीएफ फाइल में परिवर्तित कर विभाग की वेब साइट पर डाटा एंट्री पूर्ण करने के बाद अपलोड करनी होती है।

डाटा एंट्री और अपलोड किया हुआ दस्तावेज मसौदा सम्बंधित दुय्यम निबंधक के यंहा ऑनलाइन मिलेगा। दुय्यम निबंधक उसकी जांच करते हैं। यदि वह दस्तावेज स्वीकार करने में कुछ अड़चनें आती हैं तो वे उसके बारे में प्रणाली में लिखेंगें। सम्बंधित पक्षकारों को दुय्यम निबंधक की यह टिप्पणी विभाग की वेबसाइट पर पब्लिक डाटा एंट्री में देखने को मिलेगी। इस सम्बन्ध में एसएमएस भी आता है। यह कार्यवाही आवेदन दाखिल करने के बाद, कागज.पत्र देने के बाद साधारणतः तीन कार्य दिवस के अंदर हो जाती है।

दुय्यम निबंधक ने यदि कोई त्रुटी बतायी हो तो सम्बंधित पक्षों को उसे दूर करना होगा। कुछ त्रुटी नहीं बतायी है तो सम्बंधित पक्षकारों को बताये गए दिन पर दुय्यम निबंधक कार्यालय में जाकर दस्तावेज पंजीयन करा सकते हैं। दस्तावेज पंजीयन के समय दुय्यम निबंधक अपने यंहा से ऑनलाइन प्राप्त हुए मसौदे का प्रिंट निकालकर पक्षकारों को देते हैं। पक्षकार उसे पर दस्तखत करते हैं, उसके बाद दस्तावेज पंजीयन की प्रक्रिया शुरु हो जाती है।

इसके बाद दुय्यम निबंधक केवल पक्षकारों के दस्तखत के पृष्ठ, संलग्न किये गए कागज.पत्र, गोषवारा भाग १ व भाग २ उनके ऊपर रखकर पेजिंग करके मोहर लगाए हैं और उसकी स्कैनिंग करते हैं। पक्षकारों द्वारा भेजे गए ऑनलाइन मसौदे व स्कैन पृष्ठों का इस प्रणाली के तहत एकत्रीकरण किया जाता है।

फायदा

इस सुविधा की वजह से पक्षकार दुय्यम कार्यालय पर जाने से पहले उनके नियोजित दस्तावेज की जांच पूरी तरह से हो जाएगी। कुछ त्रुटी रही तो उसकी जानकारी पहले ही मिल जाती है जिसकी वजह से दुय्यम निबंधक कार्यालय में लगाने वाला समय और इंतजार कम होगा। मूल दस्तावेजों की पेजिंग, उन पर मोहर लगाना, स्कैनिंग करना इसके लिए लगाने वाला मानव बल और समय बचेगा। इसकी वजह से कामकाज में तेजी आएगी। स्केनिंग डाटा साइज मयार्दित रहेगा जिसकी वजह से डाटा स्टोरेज (संग्रहित)रखने की चुनौती कम होगी।

यह सुविधा वर्तमान में मुंबई में ही कुछ कार्यालयों तक ही सीमित है। आने वाले समय में यह अन्य शहरों में भी शुरु होगी। यह उपक्रम भले ही शुरु हो चूका है लेकिन यह अभी प्राथमिक अवस्था में ही है। इस उपक्रम का विस्तार व श्रेणी बढाकर कर इसमें निष्पादित दस्तावेजों का भी समावेश करना ,विभाग के मसूड़ों का उपयोग कर दस्तावेज तैयार करने ,मसौदों की प्रणाली द्वारा स्वयं जांच करना (Auto Scrutiny) करना ,इस तरह की विशेष बातें भी इसमें शामिल करने का विभाग का प्रयास रहेगा। इस सुविधा का अधिक से अधिक लोग लाभ उठायें। इस सम्बन्ध में कुछ जानकारी, अड़चन हैं तो विभाग को ८८८८८००७७७७ क्रमांक पर बताएं, जिससे इस सुविधा को और अधिक लोकाभिमुख व उपयोग करने में सुलभ बनाना, विभाग के लिए संभव हो सकेगा।

सह पंजीयन महानिरीक्षक तथा मुद्रांक अधीक्षक (मुख्यालय) पुणे

पिता अच्छे वेतन वाली नौकरी छोड़ आदिवासी बच्चों को पका मार्ग चुन लेते हैं, इस निर्णय से बेटे का सामाजिक जानकारी प्रगाढ़ होती है और उस पर सामाजिक दायित्व का संस्कार भी होता है। पेट भरने के साथ साथ अपने समाज का भी हित साधना चाहिए यह बात मन में बस जाती है। इसकी वजह से ही १० वीं तक आश्रम शाला में पकर तकनीकी ज्ञान की डिग्री हांसिल करने के बाद वह बड़े वेतन वाली नौकरी का अवसर सामने होने के बावजूद वह उसे नहीं लेता है। पिता के कार्य को आगे ले जाने के लिए, लोगों के जीवन में बदलाव लाने के उद्देश्य से यह युवक मार्ग चुनता है यूपीएससी का, प्रशासनिक सेवा में दाखिल होने का। प्रेरणा को अच्छे उद्देश्य और प्रयासों का साथ मिलता है और यह युवक २०१८ की परीक्षा में वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण होता है। पालघर जिले के आदिवासी भाग के छोटे से गांव शिल्लोत्तर के हेमंत केशव पाटिल की यह प्रेणादायी कहानी है। प्रत्याशियों को मार्गदर्शन व उनके सफलता के प्रवास के बारे में उनसे की गयी बातचीत उनके ही शब्दों में...

सही उद्देश्य और प्रयत्नों का साथ

यूपीएससी की तैयारी करते समय 'प्रेरणा' एक बड़ी भूमिका निभाती है। चाहे वह प्रेरणा दूसरों से मिली हो या अपने अंदर ही निर्माण हुई हो। मेरे पिताजी कल्याण -भिवंडी में अच्छे वेतन के अवसर होते हुए भी आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले इस उद्देश्य से पालघर जिले के शिल्लोत्तर जैसे गांव में आ गए। यंहा आश्रम शाला के बच्चों को पढाने लगे। उनका यह आदर्श हमेशा उनकी आँखों के सामने रहा और मेरी प्राथमिक शिक्षा भी यंही हुई।

टर्निंग पॉइंट

लोणेरे (रायगड) स्थित डॉ.बाबासाहब आंबेडकर टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से मैंने बी. टेक. (केमिकल) की डिग्री हांसिल की। गुजरात के अंकलेश्वर में कुछ दिनों तक अभियंता के रूप में नौकरी भी की। परन्तु मन नहीं लगता था। लगा कि अपनी शिक्षा का उपयोग केवल अपने तक ही सीमित हो रहा है। पिता की तरह मैं भी सामान्य नागरिकों ,गरीब व वंचित लोगों के जीवन में बदलाव लाऊँ ऐसी एक सोई हुई इच्छा हमेशा ही मन में रहती थी। यही इच्छा प्रतियोगी परीक्षा के मार्ग पर लेकर आयी। बड़ा भाई आईआईटी खड़गपुर से एम. टेक हो गया है। वर्तमान में वह पुणे में रहता है। उसने और पिता ने मेरे इस निर्णय का विरोध करने की बजाय मुझे प्रोत्साहन दिया। यह निर्णय मैंने ठीक लिया या नहीं

हेमंत केशव पाटिल
आएएस, रँक ३९, वर्ष २०१८

अब यह सिद्ध करने की जवाबदारी मेरी थी।

तैयारी व सफलता

अंकलेश्वर की नौकरी छोड़ने के बाद पूरी तरह से यूपीएससी की तैयारी करने का निर्णय किया। कुछ साथी पुणे में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। शुरुवात में उनका मार्गदर्शन काफी महत्वपूर्ण रहा। कुछ दिनों तक क्लासेज के साथ साथ स्वयं अध्ययन करने पर बल दिया। पहले डॉन प्रयास असफल रहे लेकिन उससे बहुत कुछ सीखा। इन दो प्रयासों में कंहा कमी रह गयी इसका आंकलन कर फिर से तैयारी शुरु की। तीसरे प्रयास में पूर्व, मुख्य और साक्षात्कार में भी सफलता मिली और भारतीय राजस्व सेवा के लिए चयन हो गया। प्रशासनिक सेवा में जाने का निर्णय पक्का था इसलिए फिर से आईएएस बनने के लिए तैयारी शुरु कर दी। इसी दौरान प्रशिक्षु सहायक आयुक्त, आयकर के रूप में नियुक्ति भी हो गयी। नॅशनल एकेडमी ऑफ़ डायरेक्ट टैक्सेज में प्रशिक्षण पूर्ण करने से पहले ही चौथे प्रयास में सफलता मिली। यूपीएससी की परीक्षा २०१८ में देश में ३९ वीं रैंक से पास होकर आईएएस बनकर प्रशासनिक सेवा में जाने का स्वप्न पूर्ण हुआ। हैदराबाद के आईएएस सर महेश भागवत का मार्गदर्शन भी काफी फायदेमंद साबित हुआ। उन्होंने मराठी व चालाक विद्यार्थियों का एक अलग समूह बनाकर रखा था। उस समूह पर उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया।

प्रशासन में बहुत से अच्छे अधिकारी होते हैं ,उनकी इच्छाशक्ति भी खूब होती है। लेकिन कभी -कभी आगे आकर शुरुवात करने तथा प्रभावी लीडरशिप की कमी दिखाई देती है। इस कमी को पूर्ण करने की इच्छा श्री पाटिल ने बोलकर दिखाई। अपने नेतृत्व गुण दिखाकर प्रशासन में गरीब ,सामान्य नागरिकों के लिए अच्छा काम करने का उनका ध्येय है।

अभ्यास

इस परीक्षा की तैयारी करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पढने की बजाय, कैसे करना है, पढाई में किस पद्धति का प्रयोग करें, यह ज्यादा उपयोगी साबित होती है। अध्ययन का

नियोजन करना आवश्यक है। अध्ययन के चरण निधार्रित करें। हमारी कितनी तैयारी शेष है, कौनसा पाठ्यक्रम पढना अधिक जरूरी है इसके हिसाब से दीर्घकालीन व अल्पकालीन लक्ष निधार्रित कर अध्ययन करना होगा।

पहले दो प्रयासों में मेरा ऐच्छिक विषय भूगोल था। यह विषय मात्र रटने वाला था इसलिए उसके स्थान पर मानव विज्ञान विषय का चयन किया। आदिवासी क्षेत्र का होने की वजह से तथा अन्य भाषाओं की जानकारी होने की वजह से यह विषय तैयारी करते समय कुछ आसान लगा। एक बार फिर से यह बात दोहराऊंगा की पढाई का तरीका व्यक्ति -व्यक्ति के हिसाब से थोड़ी अलग हो सकता है। समाचार पत्रों का वाचन एक सामान्य पहलू है। आपका मत निर्माण करने और विभिन्न घटनाओं का विश्लेषण करने की क्षमता समाचार पत्रों के नियमित वाचन से अधिक विकसित होती है।

अड़चनों को चुनौती की तरह स्वीकारो

हम सभी के जीवन में संघर्ष होता है, फर्क यही है कि उसके प्रकार अलग -अलग हो सकते हैं। आर्थिक, सामाजिक, भावनात्मक, व्यक्तिगत, अनेक कारणों की वजह से हमें संघर्ष करना पड़ता है। इस परीक्षा में सफलता के बारे में कहना है तो दो -तीन प्रयासों के बाद हमारे मित्र, रिश्तेदार सवाल करने लगते हैं और कितने दिन..... ? ऐसे सवालों से हमें निराश नहीं होना चाहिए। या इन सब बातों का पहले विचार कर, उस हिसाब से अपने मन को बनाकर ही इस परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। अड़चनों से परेशान होने की बजाय हमें उन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

साक्षात्कार

साक्षात्कार की प्रक्रिया बहुत सहज और आसान होती है। हम हमारे बॉयोडाटा में जो कुछ भी लिखते हैं उसी को आधार बनाकर हमारा साक्षात्कार किया जाता है। इसलिए हमें अपने आप का विश्लेषण करना आना चाहिए। पैनल द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में कृत्रिमता नहीं दिखनी चाहिए। सरल, सीधे और प्रामाणिक उत्तर ज्यादा प्रभावी होते हैं। साक्षात्कार के मेरे पहले प्रयास में मेरे द्वारा कुछ कृत्रिम उत्तर दिए जाने का मुझे आभास हुआ।

सफलता के सूत्र

सफलता के विशेष सूत्र मैं नहीं कहकर यही कहना चाहता हूँ कि मैंने परिश्रम किया, अध्ययन का आनंद लिया और सफलता मिली। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रत्याशियों को सर इतना ही कहूंगा कि परिश्रम करने के लिए तैयार रहें। आप खूब कुशाग्र बुद्धि वाले हों इतना ही काफी नहीं है। इससे ज्यादा जरूरी है परिश्रम करने की तैयारी है तो शहरी हो या ग्रामीण किसी भी भाग के विद्यार्थी को परीक्षा में सफलता मिलना बहुत मुश्किल काम नहीं है। सिर्फ इतना है कि पहले आप अपने आपको यिन सवालों का उत्तर दें ले कि आप इन परीक्षाओं की तैयारी क्यों कर रहे हैं ? सभी समस्याओं का सामना करने की, परिश्रम करने करने की।

प्रेरणा

दूसरी बार मैंने एक डैम सामान्य रहते हुए सहज उत्तर दिए। दूसरी बात यह कि साक्षात्कार अंग्रेजी में ही दिया जिसकी वजह से सहजता से संवाद साध सकते हैं। पैनल और हमारे बीच में अनुवादक आने की स्थिति में सीधा संवाद नहीं हो पाता है। ऐसे में अनुवादक द्वारा अनुवादित किये गए उत्तर में वो भाव होगा या नहीं कह नहीं सकते। इसलिए जिनको अंग्रेजी थोड़ी कम भी आती है वे सीधे संवाद के अवसर को छोड़ने की बजाय अंग्रेजी में ही सादे स्पष्ट शब्दों में सरल वाक्यों में जवाब दें। जिनको अंग्रेजी में साक्षात्कार देना असंभव लगता हो वे ही मराठी मैं देने की तैयारी करें।

गलती सुधारना जरूरी

पूर्व, मुख्य परीक्षा और मुलाक़ात की तैयारी के दौरान हुई गलतियां हमें पहचाननी आनी चाहिए और उन्हें सुधारना भी आवश्यक है। गलतियां नहीं सुधारते आना अपयश और अवसाद का मुख्य कारण है। इस परीक्षा में सफलता का आंकड़ा समझते हुए हमें अपना प्लान बी, भी तैयार करके रखना चाहिए। क्योंकि दो -तीन प्रयासों में असफलता के बाद निराशा या अवसाद आना एक सामान्य बात है। कैरियर के लिए प्लान बी तैयार रहा तो इस प्रकार की निराशा और तनाव से हम दूर रह सकते हैं।

शब्दांकन : राजाराम देवकर

सोशल मीडिया का प्रयोग

प्रतियोगी परीक्षा के दौरान हम सोशल एडीए का प्रयोग कैसे करते हैं, उस पर ही इसके फायदे और नुकसान का आंकलन किया जा सकता है। हमने फेसबुक का प्रयोग नहीं करके व्हाट्सअप का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार किया। मैं व्हाट्सअप के माध्यम से कुछ स्टडीज ग्रुपों से जुड़ा हुआ था। इसकी वजह से बहुत कुछ बातें व अपडेट्स इन ग्रप्स में मिलती रहती थी। इन माध्यमों की उपयोगिता कितनी है यह हमें अपने आप ही तय करना होगा। सिर्फ इस बात का ध्यान रखें कि इससे आपकी पढाई तो प्रभावित नहीं हो रही। इंटरनेट का प्रयोग सूचना और जानकारी मिलने के लिए किया जाता है।

लोक सेवा में प्रवेश करने के लिए उसकी परीक्षा के बारे में जानकारी हांसिल करना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों का चयन हो इसके लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद ३१५ के तहत महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग का गठन किया गया है। राज्य सेवा के चयन के लिए परीक्षाएं आयोजित करना इस आयोग का प्रमुख कार्य है। आयोग के द्वारा प्रतियोगी परीक्षा और सरल सेवा परीक्षा के माध्यम से विविध पदों के लिए परीक्षाएं ली जाती हैं।

ऐसी हैं प्रतियोगिता परीक्षायें

सुनील अवताडे

सहायक मोटर वाहन निरीक्षक

परिवहन विभाग के तहत आने वाली सहायक मोटर वाहन निरीक्षक, 'क' वर्ग के पद सरकार की मांग व पदों की उपलब्धता के अनुसार परीक्षा के माध्यम से भरे जायेंगें।

परीक्षा के चरण: दो

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल की माध्यमिक परीक्षा (एस.एस.सी.) का प्रमाण पत्र या महाराष्ट्र सरकार द्वारा एस.एस.सी. के समकक्ष घोषित अहर्ता और माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग या अभियांत्रिकी (मेकेनिकल इंजीनियरिंग) विषय की कम से कम तीन साल की डिग्री पदवी व केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा उसके समकक्ष घोषित की गयी अहर्ता।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग या अभियांत्रिकी (मेकेनिकल इंजीनियरिंग) की मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या उसकी अपेक्षा ऊंची अहर्ता वाली केंद्र या राज्य सरकार द्वारा उसके समकक्ष घोषित की हुई डिग्री वाले उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए पात्र होंगे।

समान शैक्षणिक अहर्ता: डिप्लोमा इन प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन प्रोडक्शन इंजीनीयरिंग, डिप्लोमा इन मशीन टूल्स मेंटेनेंस, डिप्लोमा इन फेब्रिकेशन टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन फेब्रिकेशन एन्ड इरेक्शन इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन प्लांट इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन मेटलर्जी, बैचलर डिग्री इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग, बैचलर डिग्री इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, बैचलर डिग्री इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग।

अनुभव:

- अनिवार्य है स्वयं चलित अभियांत्रिकी (ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग) या यंत्र अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में डिग्री अथवा उपरोक्त बतायी गयी उसके कोई समकक्ष डिग्री के बाद मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख तक हल्के मोटर वाहन, भारी मोटर वाहन, भारी मालवाहक वाहन व भारी प्रवासी वाहन की मरम्मत व देखभाल करने का पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में केंद्र या राज्य सरकार के विभागों में या उनके अधीनस्थ व्यवसायों में अधोरेखित किये गए वर्कशॉप (यन्त्रशाला) में या सरकार द्वारा समय -समय पर निदेर्शित की गयी संस्थाओं में कम से कम एक साल का अनुभव।
- अनुभव के प्रयोजनार्थ प्रशिक्षणार्थी अथवा अप्रेंटिस के रूप में उपरोक्त स्थानों पर लिए गए अनुभव को भी मान्य किया जाएगा।
- मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख से पहले कम से कम एक साल एक साल का पूर्णकालिक कर्मचारी का नुभव नहीं रहने वाले विद्यार्थियों को नियुक्ति के बाद परिवीक्षाधीन कार्यकाल में सरकार के विभाग अट्ठा उसके तहत अधोरेखित व्यवसाय में अथवा सरकार द्वारा समय -समय पर निदेर्शित की गयी संस्थाओं में कम से कम एक साल का अनुभवअनिवार्य है ।
- मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख से पहले गियर वाली मोटरसायकल ,हल्के वाहन (भारी मालवाहक वाहन व भारी प्रवासी वाहन) इन वर्गों के वाहन चलाने के लिए सक्षम प्राधिकारियों द्वारा दिया गया वैद्य लाइसेंस आवश्यक है।
- मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख से पहले ऊपर उल्लेखित किये गए वाहनों में से भारी मालवाहक वाहन व भारी प्रवासी वाहन चलाने का लाइसेंस नहीं होगा ,ऐसे उम्मीदवारों को नियुक्ति के बाद परिवीक्षा कार्यकाल के दो साल के अंदरवैद्य लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक है।
- वाहन चलाने के लाइसेंस का समय -समय पर नूतनीकरण किया जाना चाहिए।

शारीरिक योग्यता: पुरुष उम्मीदवारों के लिए

● ऊंचाई -१६३ सेंटीमीटर ● छाती -बिना फुलाये ७९ सेमी ● फुलाने की क्षमता -कम से कम ५ सेमी आवश्यक

महिला उम्मीदवारों के लिए

● ऊंचाई -१५५ सेमी ● वजन -४५ किलोग्राम

महाराष्ट्र 'क'वर्ग सेवा परीक्षा

राजय सरकार की सेवा के दूयम निरीक्षक राज्य उत्पादन शुल्क ,कर

सहायक व लिपिक -टंकण लेखक इन तीनों पदों की भर्ती के लिए एक संयुक्त पूर्व परीक्षा ली जाती है। यह परीक्षा के लिए निकाले गए विज्ञापन के अनुसार आवेदन करने वाले उम्मीदवार एक, दो या तीनों ही पदों के लिए परीक्षा में बैठने का विकल्प दिया जाता है। उम्मीदवार जिन विकल्प को हाँ लिखता है उसके लिए उसका आवेदन माना जाता है। संयुक्त पूर्व परीक्षा का आवेदन करते समय दिए गए विकल्प की तरह ही भर्ती की पद संख्या के अनुसार, सम्बंधित पदों की मुख्य परीक्षा के लिए पात्र उम्मीदवारों की सांख्य निश्चित कर सामायिक पूर्व परीक्षा के आधार पर तीनों की पदों के लिए अलग-अलग परिणाम घोषित किये जाते हैं। संयुक्त पूर्व परीक्षा के परिणामों के आधार पर ही मुख्य परीक्षा के प्रवेश के लिए पात्र बनने वाले उम्मीदवारों की अलग से मुख्य परीक्षा ली जाती है। तीनों ही पदों के लिए मुख्य परीक्षा के पेपर क्रमांक एक सामायिक होते हैं और इन पेपर्स की परीक्षा एक ही दिन ली जाती है। मुख्य परीक्षा का पेपर क्रमांक दो सम्बंधित पदों के कर्तव्य और जवाबदारियों पर आधारित होते हैं और उनकी परीक्षा अलग-अलग ली जाती है। सम्बंधित पदों की परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम के आधार पर मुख्य परीक्षा ली जाती है।

शैक्षणिक अहर्ता:

मान्यता प्राप्त विश्विद्यालय से स्नातक की डिग्री या महाराष्ट्र सरकार द्वारा विहित की गयी उसके समकक्ष अहर्ता। दुय्यम निरीक्षक पद के लिए विकल्प चुनने वाले उम्मीदवारों के लिए उपरोक्त शैक्षणिक अहर्ता के साथ -साथ निम्नानुसार शारीरिक अहर्ता भी आवश्यक है।

शारीरिक योग्यता: पुरुष उम्मीदवारों के लिए

● ऊंचाई -१६३ सेंटीमीटर ● छाती -बिना फुलाये ७९ सेमी ● फुलाने की क्षमता -कम से कम ५ सेमी आवश्यक

महिला उम्मीदवारों के लिए

ऊंचाई -१५५ सेमी

वजन -५० किलोग्राम कम से कम

सहायक: मराठी टंकण लेखन की र. फ्तार न्यूनतम ३० शब्द प्रति मिनट और अंग्रेजी टंकण लेखक के लिए न्यूनतम र. फ्तार ४० शब्द प्रति मिनट। इस अहर्ता का सरकारी परीक्षा उत्तीर्ण का वाणिज्य प्रमाण पत्र।

लिपिक -टंकण लेखक

मराठी टंकण लेखन की रफ़्तार न्यूनतम ३० शब्द प्रति मिनट, इस अहर्ता का सरकारी परीक्षा उत्तीर्ण का वाणिज्य प्रमाण पत्र या इस उद्देश्य से सरकार की तरफ से समकक्ष घोषित की गयी प्रमाण पत्र परीक्षा का उत्तीर्ण होना। अंग्रेजी टंकण लेखक के लिए न्यूनतम रफ़्तार ४० शब्द प्रति मिनट। इस अहर्ता का सरकारी परीक्षा उत्तीर्ण का वाणिज्य प्रमाण पत्र। या इस उद्देश्य से सरकार की तरफ से समकक्ष घोषित की गयी प्रमाण पत्र परीक्षा का उत्तीर्ण होना।

संगणक -टंकण लेखन अहर्ता

बेसिक कोर्स इन कम्प्यूटर टायपिंग, मराठी टायपिंग रफ़्तार ३० शब्द प्रति मिनट अथवा बेसिक कोर्स इन कम्प्यूटर टायपिंग अंग्रेजी टायपिंग रफ़्तार ४० शब्द प्रति मिनट। या इसके समकक्ष अहर्ता स्वीकार है। सरकारी वाणिज्य परीक्षा मंडल की उपरोक्त टंकण लेखक अहर्ता मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन / जानकारी देने की अंतिम दिनांक तक प्राप्त करना आवश्यक है।

टंकण लेखन अहर्ता धारण करने में तात्कालीन रूप से छूट (केवल लिपिक -टंकण लेखक पद के लिए)

दिव्यांग उम्मीदवारों के पास यदि विहित टंकण लेखन अहर्ता प्रमाण पत्र नहीं है तो टंकण लेखन परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए नियुक्ति की दिनांक की २ साल की कालावधि में दो अवसर दिए जाते हैं।

पूर्व सैनिक वर्ग से आवेदन करने वाले पात्र उम्मीदवारों को विहित टंकण लेखन अहर्ता नहीं है ऐसे उम्मीदवारों की यह अहर्ता उनकी नियुक्ति की दिनांक के बाद से 11 महीने की अवधि में देनी होगी। इस शर्त पर इस पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा का आवेदन करने के तात्कालिक इजाजत दी जाएगी।

लिपिक -टंकण लेखक के पद पर नियुक्त होने वाले उम्मीदवारों की अंग्रेजी टायपिंग रफ़्तार ३० शब्द प्रति मिनट ,मराठी टंकण लेखन की परीक्षा सरकारी सेवा में प्रविष्ट होने की दिनांक से 4 साल के अंदर उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जिन अंग्रेजी लिपिक -टंकण लेखन के लिए मूल नियुक्ति के समय यथास्थिति ,सरकारी सेवा में शामिल होने की दिनांक से 4 साल की अवधि में मराठी टंकण लेखन की रफ़्तार ३० शब्द प्रति मिनट या इससे अधिक गति के सरकारी वाणिज्य प्रमाण पत्र होना चाहिए ,इसी तरह से अंग्रेजी लिपिक -टंकण लेखक के लिए तदर्थ मंडल की ३० शब्द प्रति मिनट की रफ़्तार ,मराठी टंकण लेखन की परीक्षा पास होने तक छूट दी जा सकती है। (क्रमशः)

उप सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग

देश में पायी गयी १५०० और महाराष्ट्र में मिलीं २७९ प्रकार की तितलियों की प्रजाति के नाम अंग्रेजी में हैं। ये नाम मराठी में क्यों नहीं हो सकते ? इस बात का विचार कर राज्य जैव विविधता मंडल के अध्यक्ष श्री विलास बर्डेकर और उनके सहयोगियों ने इन तितलियों के अंग्रेजी नामों का मराठीकरण कर दिया।

तितलियों का नामकरण

डॉ. सुरेखा मुळे

नीलवंत यह नाम आपको पसंद है क्या ? नीलवंत राज्य में पायी जाने वाली तितलियों की एक प्रजाति ब्लूमॉरमॉन का नाम है और यह नाम दिया है महाराष्ट्र राज्य जैव विविधता मंडल के अध्यक्ष विलास बर्डेकर और उनके सहयोगियों ने।

देश में पायी गयी तितलियों की १५०० और महाराष्ट्र में मिलीं २७९ प्रकार की तितलियों की प्रजाति के नाम अंग्रेजी में हैं।ये नाम मराठी में क्यों नहीं हो सकते ? इस बात का विचार कर राज्य जैव विविधता मंडल के अध्यक्ष श्री विलास बर्डेकर और उनके सहयोगियों ने इन तितलियों के अंग्रेजी नामों का मराठीकरण कर दिया।मित्रमंडल, तरंग, मनमौजी,यामिनी, रुईकर। रत्नमाला, तलवार, पुच्छ, गडद सरदार, भटक्या, मयूरेश, नायक, जैसे आकर्षक मराठी नाम अलग अलग तितलियों की प्रजातियों को दिए गए हैं। तितलियों को देसी नाम देने का देश में इस तरह का यह पहला ही प्रयोग है। नामों से तितलियों का रूप समझ में आना चाहिए और वह लोगों को अपनी लगनी चाहिए इन सभी बातों का विचार कर इस प्रयोग को शुरु किया गया। इसके बाद पांच प्रकार की तितलियों का नाम मराठी में लाया गया। इन नामों में तितलियों के रूप, रंग, पंख पर विचार किया गया। इसी से मित्रमंडल, तरंग जैसे नाम आगे आये। नामकरण करने के लिए तितलियों की आदतें, उनके पंख फैलाने की शैली, बैठने के तरीके पर भी विचार किया गया। इस आधार पर मनमौजी जैसे नाम रखे गए। तितलियों

को नाम देते समय इस बात का भी ख्याल रहा गया कि वे किस प्रकार की वनस्पति का सेवन करती हैं। इसके आधार पर यामिनी, रुईकर जैसे नाम आये। घास पर बैठने वाली तितली का नाम ' तृणासुर ठ रखा गया। तितलियों के साथ का भी नाम रखते समय विचार किया गया और इसके आधार पर रत्नमाला नाम रखा गया।

नीलवंती, तलवार, पुच्छ, गडद सरदार, भटक्या, मयूरेश, नायक जैसे नाम तितलियों को उनके रूप के आधार पर दिया गया। 'यामफ्लाय' तितली का खाद्य वनस्पति है लिहाजा उसका नाम यामिनी दिया गया। इसी तरह से ग्रास डेमन तितली का नाम भाषांतर कर तृणासुर कर दिया गया। ब्ल्यूओकलिफ नाम की तितली का नाम नीलपर्ण कर दिया गया। जैव विविधता मंडल के लोगों ने सिर्फ तितलियों के नाम को मराठी में ही नहीं किये अपितु उन्होंने उनके वंश या प्रजाति भी मराठी में की। यानी निम्फालिडी इस तितली के कुल का नाम कुंचलपाद हो गया। हेस्पिरिडी का चपल तथा लायसनेडी का नील हो गया। इसी तरह से पुष्प ,मुग्धपंखी कुल अस्तित्व में आये। राज्य की तितलियों और उनके मराठी नाम की जानकारी देने वाली पुस्तक अच्छे छायाचित्रों के साथ वन विभाग ने हाल ही में प्रकाशित की है।

विभागीय संपर्क अधिकारी

महामानव को अभिवादन

चैत्यभूमि में महापारिनिर्माण दिन के अवसर पर भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को अभिवादन करते हुए राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आदि ।

परेल स्थित 'बीआईटी ' चाल में भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की तस्वीर का अभिवादन करते हुए विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले ,मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आदि।

Visit: www.mahanews.gov.in | Follow Us: /MahaDGIPR | Like Us: /MahaDGIPR | Subscribe Us: /MaharashtraDGIPR

प्रति / TO

O.I.G.S. भारत सरकार के सेवार्थ LOKRAJYA

If undelivered, please return to:

प्रेषक / **From**

अनिल आलूरकर

उपनिदेशक (प्रकाशन), सूचना व जनसंपर्क महानिदेशालय

लोकराज्य शाखा, ठाकरसी हाऊस, २री मंजिल, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, पोर्ट हाऊस के पास, शुरजी वल्लभभाई मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, मुंबई-४०० ००१

लोकराज्य मासिक पत्रिका सूचना एंव जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय, मुंबई की ओर से मुद्रक व प्रकाशक अनिल आलूरकर, उपनिदेशक (प्रकाशन), ने मे. मुद्रण प्रिंट एन पैक प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नं सी-२६०, एमआईडीसी, टीटीसी इंडिस्ट्रियल एरिया, सविता केमिकल रोड, बिहाइंड गोकुल होटल, पवने, नवी मुंबई - ४००७०३ से छपवाकर सूचना व जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय, मुंबई-४०००३२ से प्रकाशित किया ।

मुख्य संपादक : ब्रिजेश सिंह